E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -164 | प्रयागराज, बुधवार 17 सितम्बर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

राजनीतिक दलों को POSH एक्ट में नहीं ला सकते, किस बात पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजनीतिक पार्टियां दफ्तर नहीं हैं, इसलिए POSH एक्ट (Sexual Harassment of Women at Workplace Act) इन पर लागू नहीं हो सकता। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो ब्लैकमेलिंग के दरवाजे खुल सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने रजिस्टर्ड राजनीतिक दलों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के दायरे में लाने की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता योगमाया जी. की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस ए. एस. चंदुरकर की पीठ को बताया कि हालांकि कई महिलाएं राजनीतिक दलों की सक्रिय सदस्य हैं, लेकिन केवल सीपीएम ने ही बाहरी सदस्यों वाली एक आंतरिक शिकायत समिति (ICC) का गठन किया है। इससे राजनीतिक दलों में महिलाओं के पास यौन उत्पीड़न के खिलाफ कोई उपाय नहीं बचता। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी अपनी कमिटी के बारे में जानकारी नहीं देती। इसमें पारदर्शिता का अभाव है। वहीं बीजेपी और कांग्रेस दोनों ने यौन उत्पीड़न रोकथाम कानून के तहत आईसीसी संरचना

की अपर्याप्तता को स्वीकार किया है। उन्होंने मांग की है कि यह कानून रजिस्टर्ड पार्टियों पर भी समान रूप से लागू होना चाहिए, जो संविधान के प्रति निष्ठा रखती हैं। इसमें सुरक्षित वर्क प्लेस सहित महिलाओं की गरिमा की रक्षा का प्रावधान है। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने पूछा कि आप राजनीतिक दलों को दफ्तर (वर्कप्लेस) के बराबर कैसे मान सकते हैं? जब कोई व्यक्ति किसी राजनीतिक दल में शामिल होता है, तो वह रोजगार नहीं होता। यह नौकरी नहीं है क्योंकि वे अपनी इच्छा से और बिना किसी पारिश्रमिक के राजनीतिक दलों में शामिल होते हैं। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ कानून में राजनीतिक दल कैसे शामिल हो सकते हैं? केरल हाईकोर्ट के एक फैसले के खिलाफ अपील को खारिज करते हुए, पीठ ने कहा कि राजनीतिक दलों को इध्एप अधिनियम के अधीन करना भानुमती का पिटारा खोल देगा और ब्लैकमेल का एक साधन बन जाएगा। इससे पहले, सर्वोच्च न्यायालय ने योगमाया की एक रिट याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था और उन्हें चुनाव आयोग और अन्य प्राधिकारियों से संपर्क करने को कहा था। पिछले साल 9 दिसंबर को, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने कहा कि जनहित याचिका दायर करने वाली याचिकाकर्ता द्वारा राजनीतिक दलों को नियोक्ता और कार्यकर्ताओं/सदस्यों को कर्मचारी मानने का उदाहरण शायद उपयुक्त न हो। हालांकि, बेंच इस बात से सहमत थी कि यह जरूरी मुद्दा है और इस पर चुनाव आयोग को फैसला करना चाहिए। चुनाव आयोग ही राजनीतिक पार्टियों को रजिस्टर करता है और उनके वोट शेयर के हिसाब से उन्हें राष्ट्रीय या राज्य स्तर की पार्टी घोषित करता है। दिलचस्प बात यह है कि मार्च 2022 में, केरल हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया था कि राजनीतिक दलों में कर्मचारी-नियोक्ता संबंध न होने की स्थिति में, 2013 के कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम कानून के अनुसार, राजनीतिक दलों पर आईसीसी स्थापित करने की कोई बाध्यता नहीं है।

इजराइल का कतर समेत 6 देशों पर हमला, मुस्लिम देशों ने बुलाई इमरजेंसी मीटिंग,क्या 'इस्लामिक नाटो' बनाकर लड़ेंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कतर पर हमले के लिए इजरायल की

कड़ी आलोचना की है। कतर की राजधानी दोहा में सोमवार को हुए अरब इस्लामिक समिट में शरीफ ने कहा कि इजरायल की जवाबदेही तय किया जाना बेहद जरूरी है। शहबाज शरीफ ने इजरायल की विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं का मुकाबला करने के लिए इस्लामी दुनिया की एकजुटता पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने अरब-इस्लामी टास्क फोर्स का गठन करने की अपील की है। दोहा में अरब-इस्लामी शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए शहबाज शरीफ ने कहा, 'कतर पर हमला उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का घोर उल्लंघन है। इजरायल का कतर पर हमला कोई अलग-थलग घटना नहीं हैं। यह इजरायल के व्यापक आधिपत्यवादी एजेंडे का हिस्सा हैं। कतर जैसे गाजा युद्ध के मध्यस्थ देशों की जमीन पर हमले से गंभीर सवाल खड़े होते हैं। यह इजरायल की ईमानदारी को कटघरे में खड़ा करता है।' इस दौरान उन्होंने इजरायल के खिलाफ कई प्रस्ताव दिए। पाकिस्तान के जियोटीवी के मुताबिक, शहबाज शरीफ ने कहा कि युद्ध अपराधों के लिए इजरायल को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इजरायल को किसी भी देश पर हमला करने के बाद बिना जवाबदेही के नहीं छोड़ा जा सकता है। शरीफ ने कहा कि इजरायल की संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता तुरंत निलंबित की जानी चाहिए। शरीफ ने अरब और इस्लामी देशों से इजरायल के खिलाफ कड़े कदम उठाने की अपील की। शरीफ ने कहा कि ये बहुत जरूरी है कि एक अरब टास्क फोर्स का गठन किया जाए। इसमें मुस्लिम देशों के सैनिको को शामिल किया जाए। यह इजरायल की आक्रामकता रोकने और इस्लामी देशों की हिफाजत के लिए काम करे। दोहा में हुए इस शिखर सम्मेलन को पाकिस्तान ने सह प्रायोजित किया है। पाकिस्तान उन देशों में शामिल है, जिसने इजरायल के हमले के बाद कतर के साथ अपनी पूरी एकजुटता दिखाने की कोशिश की है। दोहा पर इजरायल के हवाई हमलों के बाद 11 सितंबर को भी शहबाज शरीफ ने कतर का दौरा किया था और कतर को अपना समर्थन जताया था। अरब लीग और इस्लामिक सहयोग संगठन के संयुक्त सत्र में करीब 60 देश शामिल हुए। समिट में कतर पर हमले के अलावा गाजा पर प्रमुखता से चर्चा की गई। शिखर सम्मेलन के संयुक्त बयान में सभी देशों से इजरायल के खिलाफ संभव कानूनी उपाय करने का आग्रह किया गया। इजरायल के साथ राजनयिक और आर्थिक संबंधों की समीक्षा करने की बात भी कही गई है।

बिहार चुनाव में एनडीए दिखाएगा एकजुटता, पहली बार बीजेपी-जेडीयू जारी करेंगे जॉइंट मेनिफेस्टो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले एनडीए

एकजुटता का मजबूत संदेश देने की तैयारी में है। बूथ स्तर पर संयुक्त कार्यक्रमों और विधानसभा क्षेत्रों में सम्मेलनों के बाद अब एनडीए ने साझा घोषणापत्र जारी करने का प्लान बनाया है। सूत्रों के अनुसार, बीजेपी और जनता दल (यूनाइटेड) मिलकर अगले पांच साल के लिए नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार का रोडमैप एक ही दस्तावेज में प्रस्तुत करेंगे। 2020 के चुनाव में बीजेपी और जेडीयू ने भले ही गठबंधन में चुनाव लड़ा था, लेकिन दोनों ने अलग-अलग घोषणापत्र पेश किए थे। बीजेपी ने 22 अक्टूबर 2020 को संकल्प पत्र जारी कर मुफ्त कोविड टीकाकरण, 19 लाख रोजगार, महिलाओं को 33फीसदी आरक्षण और 5 लाख करोड़ के निवेश का वादा किया था। अगले दिन नीतीश कुमार की जेडीयू ने 'सात निश्चय योजना पार्ट-2' का घोषणापत्र पेश किया, जिसमें पानी, सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर जोर था। इस बार रणनीति में बदलाव कर साझा दस्तावेज जारी करने पर सहमति बनी है। सूत्रों के मुताबिक, एनडीए का साझा घोषणापत्र 'विकसित भारत के लिए विकसित बिहार' की थीम पर आधारित होगा। इसमें निवेश को बढ़ावा, युवाओं के लिए रोजगार सृजन, महिलाओं के लिए प्रोत्साहन योजनाएं और सामाजिक कल्याण जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें पंचायत चुनावों में महिलाओं का आरक्षण और बुनियादी ढांचे के विकास जैसी उपलब्धियों को भी हाइलाइट किया जाएगा। इस बार बीजेपी पारंपरिक चुनाव प्रभारी नियुक्त करने से बच रही है। इसकी जगह सहयोगी दलों के साथ मिलकर एक 'चुनाव प्रबंधन समिति' बनाई जाएगी। इसमें बीजेपी, जेडीयू, एलजेपी (रामविलास) और जीतन राम मांझी की पार्टी 'हम' और उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम के नेता शामिल होंगे। यह कदम गठबंधन के भीतर तालमेल मजबूत करने के लिए उठाया जा रहा है।

भटिंडा में पकड़ा गया 19 साल का छात्र गुरप्रीत, घर में बना रहा था विस्फोटक, आतंकी मसूद अजहर से क्या है कनेक्शन?

भटिंडा। पंजाब के भटिंडा में एक छात्र द्वारा घातक केमिकल का इस्तेमाल करके विस्फोटक तैयार

करने का मामला सामने आया है. मामले का पता तब चला जब घर में विस्फोटक बना रहा 19 साल का छात्र खुद ही इस विस्फोटक में हुए धमाके का शिकार हो गया और उसी दिन 10 सितंबर को शाम के वक्त छात्र के पिता भी घर में रखे विस्फोटक के धमाके में घायल हो गए. जिसके बाद पंजाब पुलिस को पूरे मामले की जानकारी मिली. 10 सितंबर को घर में हुए दो धमाकों के बाद अब तक उसके घर से केमिकल हटाया नहीं जा सका है क्योंकि जब पुलिस की टेक्निकल टीम और बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वाड केमिकल हटाने की कोशिश करती है तो वहां पर धमाका हो जाता है.अब तक कुल 5 धमाके घर में हो चुके हैं. 10 सितंबर की सुबह छह बजे पहला ब्लास्ट हुआ था, जिसमें आरोपी गुरप्रीत सिंह खुद ही घायल हो गया था, जबकि दूसरा ब्लास्ट 10 सितंबर की शाम चार बजे हुआ था, जिसमें गुरप्रीत सिंह के पिता जगतार सिंह घायल हो गए थे. इसके अगले दिन 11 सितंबर की शाम को उस समय हुआ था जब टीम उस केमिकल को हटाने की कोशिश कर रही थी, चौथा और पांचवां ब्लास्ट 14 सितंबर रविवार को केमिकल हटाने के दौरान हुआ है.विस्फोटक हाई-डेफिसेंसी वाला जलने वाला पदार्थ है जिसे केवल छेड़ने से ही धमाके हो रहे हैं या फिर उसमें चिंगारी और आग लग रही है. इस केमिकल के कणों को कई हिस्सों में बांटकर उसे खत्म करने का काम एक्सपर्ट टीम के सहयोग से किया जा रहा है, लेकिन केमिकल और विस्फोटक सामाग्री को हटाने में अभी पूरी तरह से सफलता हासिल नहीं हो सकी है.

आगे की खबर पेज संख्या 7

सोना रु1,029 बढ़कर रु1.11 लाख के ऑल टाइम हाई पर,चांदी रु1.29 लाख किलो के रिकॉर्ड पर पहुंची, इस साल सोना रु34,378 महंगा हो चुका

नयी दिल्ली। सोने-चांदी के दाम आज यानी 16 सितंबर को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,029 रुपए बढ़कर 1,10,540 पर पहुंच गया है। इससे पहले कल ये 1,09,511 रुपए पर था। वहीं चांदी भी 1,198 रुपए बढ़कर 1,28,989 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी 1,27,791 रुपए पर थी। इस साल अब तक सोने की कीमत 34,378 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,10,540 रुपए का हो गया है।चांदी का भाव भी इस दौरान 42,972 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,28,989 रुपए प्रति किलो हो गई है। सोने की कीमतों में तेजी के 5 कारण- वैश्विक अनिश्चितताः ट्रम्प के टैरिफ प्लान और व्यापार युद्ध के डर से निवेशक सोने को सुरक्षित मानकर खरीद रहे हैं। केंद्रीय बैंकों की खरीदः चीन और रूस जैसे देश बड़ी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं, जिससे मांग बढ़ी है।युद्ध और तनावः रूस-यूक्रेन के युद्ध खत्म न होने से अस्थिरता से

लोग सोने में निवेश बढ़ा रहे हैं। महंगाई और कम ब्याज दरेंः मुद्रास्फीति के डर और फेडरल रिजर्व की कम ब्याज दरों से सोना आकर्षक हो गया है। डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावटः डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट के चलते भी सोना महंगा हो रहा है। सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान- 1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें : हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है। 2. कीमत क्रॉस चेक करें : सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। 24 कैरेट सोने को सबसे शुद्ध सोना माना गया है, लेकिन इसकी ज्वेलरी नहीं बनती, क?योंकि वो बेहद मुलायम होता है। आमतौर पर ज्वेलरी के लिए 22 कैरेट या इससे कम कैरेट सोने का इस्तेमाल किया जाता है।

प्रयागराज में बंजारा बस्ती से 14 लोगों को दबंग उठा ले गए आरोप ये भी हैं उसमे कुछ नाबालिक

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र

की बंजारा बस्ती से 14 लोग रहस्यमय ढंग से गायब हो गए हैं। 12 सितंबर की रात करीब 3 बजे सफेद कपड़ों में कुछ लोग तीन चार पहिया वाहनों और तीन बाइक से बस्ती में आए। इन लोगों में दो दर्जन पुरुष और 5 महिलाएं थीं। ये लोग 14 व्यक्तियों को अपने वाहनों में ले गए। इनमें कई नाबालिग बच्चे भी शामिल थे। जाते समय उन्होंने कहा कि आधार कार्ड दिखाने पर सभी को छोड़ दिया जाएगा। परिजनों ने घूरपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस से कोई जवाब नहीं मिला। पीड़ित परिवारों ने उच्च पुलिस अधिकारियों को भी शिकायती पत्र दिया। परिजनों का कहना है कि उसी रात शहर की एक अन्य बंजारा बस्ती से भी 12 लोगों को ले जाया गया।पुलिस की कार्रवाई से नाराज होकर अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के नेतृत्व में लोगों ने थाने का घेराव किया। उन्होंने शाम तक लापता लोगों की जानकारी न मिलने पर सड़क जाम करने की चेतावनी दी। थाना प्रभारी दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। बस्ती के लोगों का कहना है कि तीन दिन से घरों में चूल्हे नहीं जले हैं। बच्चे भूखे हैं और परिवार परेशान हैं। उर्मिला, मीना, मनीषा, सोनू, उजाला समेत कई महिलाओं ने बताया कि वे रोज थाने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके बच्चों को कुछ हो गया तो इसके जिम्मेदार कौन होंगे।

तत्काल के बाद जनरल रिजर्वेशन में भी ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी,पहले 15 मिनट सिर्फ आधार ओटीपी से बुक कर सकेंगे टिकट, कालाबाजारी कम होगी

नयी दिल्ली। इंडियन रेलवे 1 अक्टूबर से ऑनलाइन टिकट बुकिंग सिस्टम में बड़ा बदलाव करने जा रही है। रेल मंत्रालय ने ऐलान किया है कि अब तत्काल टिकट की तरह ही जनरल रिजर्वेशन टिकट की बुकिंग करते वक्त भी ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। रेल मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी कर इसकी जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार आईआरसीटीसी वेबसाइट या एप पर जनरल रिजर्वेशन खुलने के पहले 15 मिनट में टिकट बुक करने के लिए

आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। इससे फर्जी आईडी, एजेंट्स की टिकटों की कालाबजारी और बॉट्स की बुकिंग पर लगाम लगेगी। अगर आपका आईआरसीटीसी अकाउंट पहले से आधार से लिंक है, तो बुकिंग आसान रहेगी। वेटिंग कम होगी, और टिकट्स जल्दी कन्फर्म होंगे।

रेलवे के कंप्यूटरीकृत पीआरएस काउंटरों पर जनरल रिजर्वेशन टिकट बुक करने का पुराना शेड्यूल वही रहेगा। साथ ही, रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंट्स के लिए पहले दिन टिकट बुकिंग पर 10 मिनट की पाबंदी भी बिना किसी बदलाव के जारी रहेगी।

यूपी में टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षकों का विरोध,निकाली गई रैली,डीएम को ज्ञापन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, शाखा प्रयागराज ने घोषणा की है कि वह टेट अनिवार्यता के विरोध में आज जिलाधिकारी प्रयागराज को प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपेगा। यह कार्यक्रम प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार पूरे उत्तर प्रदेश में एक साथ आयोजित किया जा रहा है। सभी जिलों में शिक्षक धरना-प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग करेंगे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा टेट अनिवार्यता को लेकर दिए गए हालिया निर्णय के बाद शिक्षकों के बीच भारी असमंजस और चिंता का माहौल है। इस निर्णय के कारण शिक्षकों के भविष्य और सेवाओं पर संकट मंडरा रहा है। शिक्षक संगठन का कहना है कि सरकार को चाहिए

कि वह इस मुद्दे पर स्पष्ट नीति बनाए और शिक्षकों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ठोस कदम उठाए। प्रयागराज जिले में इस धरने की शुरुआत दोपहर 2:30 बजे जिला पंचायत कार्यालय से हुई। जिले के सभी ब्लॉकों के शिक्षक-शिक्षिकाएं यहां पर एकत्र रहें। इसके बाद अपने-अपने ब्लॉकों के बैनरों के साथ रैली की शक्ल में डीएम कार्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से यह मांग की कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उत्पन्न विषम परिस्थिति में सरकार हस्तक्षेप कर शिक्षकों को राहत प्रदान करे। जिला अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि यदि ज्ञापन सौंपने के बाद भी सरकार ने कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में शिक्षक प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार लखनऊ और दिल्ली तक आंदोलन के लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह केवल शिक्षक हितों का सवाल नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था के भविष्य का भी प्रश्न है। वहीं, जिला मंत्री डॉ. शिव बहादुर सिंह ने सभी ब्लॉकों के अध्यक्षों और मंत्रियों से अपील की है कि वे समय से अपने-अपने ब्लॉकों के शिक्षकों के साथ जिला पंचायत कार्यालय पहुंचे और इस आंदोलन को सफल बनाएं। इस आंदोलन को लेकर प्रयागराज के शिक्षकों में जोश और उत्साह देखा जा रहा है। शिक्षक संघ का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार ठोस कदम नहीं उठाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

नगर निगम ने दाखिल-खारिज चार्ज में बदलाव,रजिस्ट्री की तारीख के हिसाब से लगेगा चार्ज,3 महीने बाद से विलंब शुल्क

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम ने दाखिल-खारिज और नामांतरण के लिए नई व्यवस्था की

घोषणा की है। नई नियमावली के तहत शुल्क रजिस्ट्री की तिथि के आधार पर लिया जाएगा। अब दाखिल-खारिज का न्यूनतम शुल्क 1000 रुपए और अधिकतम 10,000 रुपए निर्धारित किया गया है। वर्तमान में संपत्ति के मूल्य का 0.50 से 1 प्रतिशत शुल्क लिया जाता है। नई व्यवस्था लागू होने से शुल्क में कमी आएगी। निगम ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों की रजिस्ट्री नई नियमावली से पहले हो चुकी है, उनसे पुरानी दरों के अनुसार ही शुल्क लिया जाएगा।नियमावली के अनुसार रजिस्ट्री के तीन महीने के भीतर दाखिल-खारिज के लिए आवेदन करना अनिवार्य है। इस अवधि के बाद आवेदन करने पर विलंब शुल्क देना होगा। विस्तारित क्षेत्रों में यह प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है। वहां भवनों का सर्वे कार्य जारी है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पी.के. मिश्रा के अनुसार, आवेदन बाद में किया जाए तब भी शुल्क रजिस्ट्री की तिथि के आधार पर ही तय होगा। यह नई व्यवस्था पूरे प्रदेश में एक समान प्रणाली लागू करने के लिए की गई है।

पशु तस्करों ने की नीट छात्र की हत्या,एसपी घायल, बवाल-आगजनी,योगी बोले- दोषियों को बख्शेंगे नहीं

गोरखपुर। गोरखपुर में पशु तस्करों और ग्रामीणों में भिड़ंत हो गई। पशु तस्करों ने नीट की तैयारी कर रहे छात्र को खींच लिया। उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। लाश को घर से 4 किमी दूर फेंक दिया। साढ़े चार घंटे बाद घरवालों को छात्र की खून से लथपथ लाश मिली। उसका सिर कुचला हुआ था। दरअसल, मामले की शुरुआत सोमवार रात साढ़े 11 बजे हुई। 10-12 पशु तस्कर दो गाड़ियों (पिकअप) से पिपराइच के मऊआचापी गांव पहुंचे। गांव के एंट्री पॉइंट पर ही दुर्गेश गुप्ता की फर्नीचर की दुकान थी। तस्करों ने जब सुनसान जगह देखी तो लूट के इरादे से दुकान का ताला तोड़ने लगे। उस वक्त दुकान के ऊपरी मंजिल में ट्रैवल का ऑफिस था। यहां दुर्गेश की बहन का लड़का सो रहा था। शटर खड़खड़ाने की आवाज हुई तो वह उठ गया। उसने देखा तो नीचे 10-12 लोग खड़े थे। उसने तुरंत मामा दुर्गेश के बेटे दीपक को कॉल किया। दीपक ने शोर मचाया। वह तुरंत स्कूटी से दुकान की तरफ भागा। पीछे-पीछे 10-15 ग्रामीण भी वहां पहुंच गए। शोर शराबा सुनकर तस्कर भागने लगे, तभी उनका ग्रामीणों से आमना-सामना हो गया। तस्करों ने फायरिंग कर दी। दीपक सबसे आगे था, ऐसे में तस्करों ने उसको अपनी गाड़ी में खींचकर भर लिया। वहीं, ग्रामीणों ने भी एक तस्कर को पकड़ लिया। उसकी गाड़ी फूंक दी और पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। इसी दौरान पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने तस्कर को अपनी गिरफ्त में लेने की कोशिश की तो ग्रामीण एसपी से उलझ गए। पुलिस और ग्रामीणों में झड़प हो गई। इसमें एसपी नॉर्थ जितेंद्र श्रीवास्तव और पिपराइच थाना प्रभारी

घायल हो गए। जैसे-तैसे पुलिस ने तस्कर को भीड़ से छुड़ाया और हॉस्पिटल में एडमिट कराया। एसपी और दरोगा को गंभीर चोट आई है। उधर, जिस तरफ तस्कर भागे थे, पुलिस ने उस दिशा में तलाश शुरू की। वहां करीब 4 किमी दूर दीपक का खून से लथपथ शव पड़ा हुआ था। मंगलवार सुबह 7 बजे छात्र की हत्या की खबर फैलते ही गुस्साए लोगों ने गोरखपुर-पिपराइच रोड पर जाम लगा दिया। पुलिस ने लोगों को समझाने की कोशिश की तो पुलिस पर पथराव कर दिया। इससे वहां भगदड़ मच गई। मामला सीएम योगी तक पहुंच गया। उन्होंने अफसरों को जल्द से जल्द मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। कहा- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। इसके बाद डीआईजी शिवसिंपी चनप्पा और एसएसपी राजकरण नय्यर घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों से बात की। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इसके बाद परिजन धरना खत्म करने के लिए राजी हुए। करीब 5 घंटे रोड खुला। वहीं, छात्र के मां-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। मां ने कहा- बेटे के हत्यारों को जान से मार दिया जाए, तभी शांति मिलेगी।एसएसपी गोरखपुर राज करण नैय्यर ने बताया-सुबह 3 बजे सूचना मिली कि गांव में 2 गाड़ियों से पशु तस्कर आए थे। जब ग्रामीणों ने उनका पीछा किया तो उनमें से एक गाड़ी वहीं फंस गई थी। जबकि दूसरी गाड़ी से पशु तस्कर भाग गए। एक लड़के ने उनका पीछा किया तो पशु तस्करों ने उसे उठा लिया। आगे ले जाकर पिकअप से धक्का दे दिया। उसके सिर में चोट लगी है। प्रथम दृष्टया देखकर लग रहा है कि सड़क पर गिरने से सिर के पीछे चोट लगी है, जिससे उसकी मौत हो गई है। परिवार की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। कुछ लोगों का कहना है कि गोली मारी गई है, लेकिन प्रथम दृष्टया चोटों को देखने पर कोई गोली लगने की बात सामने नहीं आई है। पूरे मामले के खुलासे को 5 टीमें लगाई गई हैं, जल्द गिरफ्तारी कर ली जाएगी। एक पशु तस्कर गांव वालों के हाथ लगा था, जिसे चोटें आई हैं। जिसका इलाज कराया जा रहा है। सीएम योगी ने घटना का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा-दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। अफसरों को जांच कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीओ चौरी चौरा अनुराग सिंह ने बताया-सोमवार रात में एक युवक की हत्या कर दी गई थी। परिवार की मांग स्वीकार कर ली गई है।तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। रात में एक पशु तस्कर पकड़ा गया था। उससे पूछताछ की जा रही है। उसके मोबाइल की भी जांच की जा रही है। पिता ने एज्ञ को लेटर सौंपा, कहा- 1 करोड़ का मुआवजा दिया जाए- मेरे परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। परिवार को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए। दोषियों को फांसी की सजा दी जाए।मेरे परिवार और ग्रामीणों के खिलाफ किसी भी प्रकार की पुलिस कार्रवाई न की जाए। घटना में लापरवाही बरतने वाले चौकी इंचार्ज और संबंधित पुलिसकर्मियों को बर्खास्त किया जाए। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया-महुआचापी में करीब 10-11 पशु तस्कर रात में आए थे। वो कुछ ले नहीं जा पाए तो एक गांव के ही बच्चे को उठा ले गए। गांव वालों ने एक पशु तस्कर को पकड़ लिया था। उसे पुलिस प्रशासन से ही चोट आई है।दीपक को गोली मारी गई है। ग्रामीण का आरोप है कि चौकी इंचार्ज पिपराइच ने आरोपी युवक को बचा लिया है। अब पुलिस-प्रशासन घर वालों को परेशान कर रही है। जो यहां के स्थानीय दरोगा हैं जब उनके पास पैरवी करने जाओ तो गाली देकर बात करते हैं।

समाज सेवा का प्रेरक उदाहरणः महेंद्र अग्रवाल ने किया पोषण वितरण, मानवता की मिसालः कुपोषित बच्चों और माताओं तक पहुँचा स्नेह और मदद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 'नर सेवा ही

नारायण सेवा' को जीवन का मार्ग मानने वाले समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल ने सोमवार को मानवता की मिसाल पेश की। जिला अस्पताल स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र में उन्होंने जरूरतमंद नवजात शिशुओं और उनकी माताओं को फल, बिस्किट, दलिया, मूंगफली, भुने चने और खिलौनों का वितरण किया। इस अवसर पर मातृभूमि सेवा मिशन के जिला संयोजक प्रदीप पांडे और ओम शिव शक्ति मानव सेवा मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी भी उपस्थित रहे। प्रदीप पांडे ने कहाः 'जन सेवा ही सच्ची सेवा है। दूसरों की मदद करना ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का मार्ग है।' राजेंद्र अवस्थी ने कहाः 'सच्ची सेवा वही है जो बिना किसी स्वार्थ के लोगों तक मदद पहुँचाए। इसी से समाज में वास्तविक बदलाव आता है।' अग्रवाल ने कहा कि 'दूसरों की मदद करना ही सच्चा धर्म और जीवन का उद्देश्य है'। वे 'जन सेवा ही प्रभु सेवा है' के मार्ग पर लगातार समाज में सकारात्मक संदेश दे रहे हैं। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी के मार्गदर्शन तथा स्टाफ नर्स दीपशिखा और अंजली सिंह के सहयोग से यह सेवा कार्यक्रम और भी प्रभावी बना। सभी की संयुक्त कोशिशों से पोषण केंद्र में आने वाले कुपोषित बच्चों और माताओं को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर रक्तदान शिविर का आयोजन, 20 अग्रबंधुओं ने किया रक्तदान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली, 16 सितंबर 2025: महाराजा अग्रसेन जी की 5179वीं

जयंती के दूसरे चरण के अंतर्गत अग्रवाल सुहृद समाज, रायबरेली द्वारा मंगलवार को प्रातः 11 बजे आईएमए भवन, नेहरू नगर में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पुष्पेंद्र कुमार जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन समाज के सक्रिय युवा सदस्य रचित मुरारका ने बहुत ही प्रभावी ढंग से किया। शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के साथ-साथ समाज के पूर्व अध्यक्ष, वर्तमान अध्यक्ष, सचिव एवं कार्यक्रम अधिकारी - डॉ. अतुल अग्रवाल, यश मुरारका एवं शिखा मुरारका उपस्थित रहे। अध्यक्ष पवन कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम में आए सभी अग्रबंधुओं का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया। महिला सचिव श्रीमती सपना अग्रवाल ने मुख्य अतिथि को पौधा भेंट कर स्वागत किया तथा अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। शिविर में समाज के 20 अग्रबंधुओं (शिखा मुरारका, रचित मुरारका, ऋषभ बिंदल,महेश नारायण अग्रवाल,प्रियंका अग्रवाल,सौरभ मुरारका, अभिषेक गोयल, प्रदोष सिंघानिया, राघव सिकारिया, भावेश अग्रवाल, अंकुश अग्रवाल, रेणु मुरारका, अदिति अग्रवाल,संगीता अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल, अभिषेक गर्ग, राहुल अग्रवाल,सपना अग्रवाल,रवि मुसद्दी) ने स्वैच्छिक रक्तदान कर समाज सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि डॉ. पुष्पेंद्र कुमार ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि एक यूनिट रक्त चार लोगों की जान बचा सकता है और यह मानवता की सर्वोच्च सेवा है। अग्रवाल सुहृद समाज ने इस सफल आयोजन के माध्यम से महाराजा अग्रसेन जी के सेवा, समानता और परोपकार के सिद्धांतों को एक बार फिर समाज के सामने प्रस्तुत किया। 'रक्तदान करें - जीवन बचाएँ, महाराजा अग्रसेन जी की जयंती को सेवा का पर्व बनाएँ!'

आज शिक्षकों की आजीविका पर संकट है,सरकार करे इसका निराकरण- राजेश शुक्ला, हजारों की संख्या में विकास भवन परिसर में शिक्षक - शिक्षिकाओं ने किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली । केन्द्र सरकार द्वारा गुप-चुप तरीके से सेवारत शिक्षकों की सेवा शर्तों में किए गए संशोधन द्विवेदी ने कहा कि भारत सरकार द्वारा टीईटी को लेकर बनाये गये कानून के क्रम में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गये निर्णय से देश भर के लाखों

और सुप्रीम कोर्ट द्वारा उसे बाध्यकारी किए जाने से आहत जनपद के शिक्षक व शिक्षिकाएं आज विकास भवन परिसर में हजारों की संख्या में एकत्र हुए और जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन प्रेषित किया । जिलाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा सेवा शर्तों में संशोधन किए जाने और सुप्रीम कोर्ट द्वारा इसे बाध्यकारी किए जाने से शिक्षक समाज हतप्रभ है। इस दमनकारी निर्णय का विरोध किया जाएगा। अध्यक्ष,जिला संघर्ष समिति पंकज द्विवेदी ने कहा कि शिक्षक के समक्ष आज आजीविका का संकट खडा हो गया है। जिला मंत्री मुकेश चंद्र द्विवेदी ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा गुप-चुप तरीके से किए गए संशोधन से देश भर में लाखों शिक्षकों के समक्ष बेरोजगारी का संकट खडा हो गया है। जनपदीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश कुमार यादव ने कहा कि शिक्षक की भर्ती के जब भी,जो भी मापदण्ड सरकार द्वारा तय किए गए उनका पालन करते हुए शिक्षक भर्ती हुई है। जनपदीय उपाध्यक्ष डा बृज किशोर ने कहा कि शिक्षक अपनी आजीविका के लिए क्रमबद्ध लडाई लडेगा। जनपदीय कोषाध्यक्ष सुधीर सिंह ने कहा कि इस निर्णय से शिक्षक दुःखी एवं चिन्तित है,केन्द्र सरकार से लडाई लडने के लिए कमर कसी जा चुकी है। जनपदीय संयुक्त मंत्री डा चंद्र मणि बाजपेई ने कहा कि सरकार की मंशा शिक्षक समाज को तबाह करने की है। जनपदीय उपाध्यक्ष जटाशंकर बाजपेई ने कहा कि खेल के बीच में खेल के नियम बदलना कहां का न्याय है। जगतपुर अध्यक्ष डा संजय सिंह ने कहा कि संघर्ष के अलावा कोई चारा नही बचा है। सरेनी अध्यक्ष राकेश सरकारी शिक्षकों के सामने दो वर्ष बाद सेवा से बाहर किए जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। छतोह अध्यक्ष आदित्य पाण्डेय ने कहा कि हम प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री से अनुरोध करते हैं कि शिक्षकों के साथ न्याय करने की घोषणा करें। इस अवसर पर जनपदीय उपाध्यक्ष/उंचाहार अध्यक्ष दिनेश सिंह,जनपदीय उपाध्यक्ष उमेश त्रिवेदी,जनपदीय उपाध्यक्ष मनीष पांडे,जनपदीय उपाध्यक्ष अनुराग शुक्ला,जनपदीय संगठन मंत्री आकाश त्रिपाठी,जनपदीय संगठन मंत्री निलेश शुक्ल, जनपदीय संगठन मंत्री त्रि भुवन,जनपदीय संगठन मंत्री शैलेश बाजपेयी, हरचंदपुर अध्यक्ष अरविंद द्विवेदी, डलमऊ अध्यक्ष योगेश सिंह,डलमऊ मंत्री मनोहर शुक्ल, शिवगढ़ अध्यक्ष गयेंदु सिंह,मंत्री निलेश, गौरा अध्यक्ष शैलेश पांडे ,मंत्री अखिलेश, बछरावां अध्यक्ष अमन शुक्ला,अमावां अध्यक्ष अशोक पाल, रोहिनियां अध्यक्ष पवन शुक्ल,महाराजगंज अध्यक्ष विनोद अवस्थी,मंत्री सगीर, बछरावां अध्यक्ष अमन शुक्ल, खीरो अध्यक्ष नीरज हंस, राही अध्यक्ष गजेंद्र सिंह,राही मंत्री दिलीप गुप्ता, लालगंज अध्यक्ष शेखर यादव, डीह अध्यक्ष कमलेश ओझा,डीह मंत्री नीलेश शुक्ला,सलोन अध्यक्ष राजेश पाण्डेय,सलोन मंत्री रमेश सिंह,जनपदीय संघर्ष समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ,जगतपुर मंत्री आशुतोष पांडे, ,मधु सिंह, रेणु कुमारी,पूनम सिंह, वंदना सोनकर, श्रद्धा चौबे,जवित्रि यादव, अखिलेश तिवारी, दुर्गेश, अनुज,अभिषेक, अजय शुक्ल, मनीष यादव, विजय, सत्येंद्र, राजीव, सहित तमाम पदाधिकारीगण एवं हजारो शिक्षक उपस्थित रहे।

हिन्दी दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में कार्यक्रम सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के निर्देशानुसार व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के तत्वावधान ए0डी0आर0 सेन्टर छजलापुर, रायबरेली में हिन्दी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बताया गया कि 14 सितंबर को हिंदी दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा ने हिंदी भाषा को देवनागरी लिपि के साथ देश की आधिकारिक राजभाषा का दर्जा दिया था। इस दिन को राष्ट्र में हिंदी भाषा के महत्व को बढ़ाने और उसके प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से हर साल राष्ट्रीय हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देना और लोगों को इसके महत्व से अवगत कराना है। इस अवसर पर सुधा रानी सदस्या स्थायी लोक अदालत के द्वारा बताया गया कि हिंदी दिवस भारत की सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है, जो देश की भाषाई विविधता में एकता लाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रीति पाण्डेय सदस्या स्थायी लोक अदालत के द्वारा बताया गया कि 1949 के बाद, 1953 में पहली बार हिंदी दिवस मनाया गया था। आज भी स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी संगठनों में हिंदी भाषा के महत्व को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर मध्यस्थ अधिवक्ता पूनम त्रिवेदी द्वारा आम लोग के मध्य मधुर एवं सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाने के लिए हिन्दी भाषा का प्रयोग किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। नवनियुक्त पराविधिक स्वयं सेवक रुचिता यादव के द्वारा हिन्दी भाषा के प्रयोग की सहजता एवं भावानाओं को उचित रुप से समझने एवं व्यक्त करने की प्रबलता को समझाया गया। उक्त शिविर में पराविधिक स्वयं सेवकगण व मध्यस्थ अधिवक्तागण अलका सिंह राजपूत, अर्चना चौधरी, मीना कुमारी व चन्द्रशेखर यादव उपस्थित रहे।

17 सितम्बर से शुरू होगा 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान,महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर होगा जोर

पोषण अभियान के साथ चलेगा यह अभियान

रायबरेली।जनपद में 17 सितम्बर से दो अक्टूबर तक 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान चलेगा। इसके तहत जिला अस्पताल, सभी सीएचसी, पीएचसी और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (आआम) पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन होगा।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा ने कहा कि एक स्वस्थ महिला जहाँ स्वस्थ परिवार का निर्माण करती है वहीं एक स्वस्थ परिवार समाज को सशक्त बनाता है और यही मिलकर विकसित भारत की राह तैयार करते हैं। इसी के दृष्टिगत माननीय प्रधानमंत्री जी के पोषण, शारीरिक स्वास्थ्य और निवारक स्वास्थ्य सम्बन्धी आह्वाहन के अनुरूप, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देश पर 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान चलाया जा रहा है जो कि पोषण अभियान के साथ चलेगा।यह अभियान महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर आधारित है। इस अभियान का उद्देश्य रोगों की समय रहते पहचान आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुँच व परिवारों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी डी.एस.अस्थाना ने बताया कि जनपद में अभियान का शुभारम्भ जिला पुरुष चिकित्सालय में होगा और इस अवसर पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा जिसमें स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों सहित, आईसीडीएस, स्वास्थ्य जागरूकता के स्टाल लगेंगे। इसके साथ ही सभी सीएचसी, पीएचसी और आआम पर भी स्वास्थ्य शिविर लगेंगे। इसके अलावा अभियान के दौरान भी सीएचसी, पीएचसी और आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर स्वास्थ्य शिविर स्वास्थ्य शिविरों पर दी जायेंगी यह निःशुल्क सेवाएंः- महिलाओं में गैर संचारी रोगों जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, ओरल, ब्रेस्ट एवं गर्भाशय के कैंसर की गहन जाँच होगी।किशोरियों एवं महिलाओं में एनीमिया की जाँच होगी।संवेदनशील महिलाओं की टीबी की जाँच होगी और निक्षय मित्र योजना के तहत उनका नामांकन किया जायेगा।गर्भवतियों एवं बच्चों को निःशुल्क टीकाकरण किया जायेगा।प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाभार्थियों का पंजीकरण तथा ई-कार्ड एवं आयुष्मान भारत हेल्थ एकाउंट(आभा) कार्ड का वितरण किया जाएगा।अन्य विभाग भी इसमें सहयोग करेंगे। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा स्वयं सहायता समूहों के सहयोग से पोषण संवर्धन के तहत पौष्टिक आहार, एवं अन्नप्राशन सम्बन्धी सम्बन्धी परामर्श दिए जायेंगे। इसके अलावा अभियान के दौरान ब्लड डोनेशन कैम्प का भी आयोजन किया जायेगा। मासिक धर्म स्वच्छता, पोषण एवं मानसिक स्वास्थ्य पर भी जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

डीएम ने जनसुवाई में आये फरियादी को 15 हजार रूपये का चेक देकर की आर्थिक मदद

डीएम द्वारा पुत्र के इलाज हेतु की गई आर्थिक मदद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता

माथुर आज कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में जनसुनवाई कर रही थी, जनसुनवाई में समशेर सिंह निवासी-पूरे चंदे सिंह का पुरवा, म0 टेकारी, वि0ख0 डीह,जनपद रायबरेली ने प्रार्थना पत्र देकर अनुरोध किया कि उनके पुत्र अविनाश सिंह उम्र 10 वर्ष का एम्स में इलाज चल रहा है। उनके पुत्र के सिर में गांठ है, जिसकी वजह से नसो में स्वेलिंग है। डॉक्टर ने एमआरआई जांच करवाने के लिए कहा है, एमआरआई जांच एम्स में नही हो सकती है, बाहर से करवाना है, पुत्र के इलाज हेतु जाँच करवाना अति आवश्यक है। प्रार्थी अत्यन्त निर्धन व्यक्ति है, जो जाँच करवाने में असमर्थ है। जिलाधिकारी ने तत्काल समशेर सिहं को उनके पुत्र के इलाज हेतु एमआरआई जांच कराने व उपचार के लिये इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी से 15 हजार रूपये की धनराशि का चेक प्रदान कर आर्थिक मदद की व बच्चे के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

डीएम ने बालिका सशक्तिकरण मिशन के तहत 120 प्रतिभागी बालिकाओं को साइकिल का किया वितरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। जिला प्रशासन व एन0टी0पी0सी0 के सहयोग से एन0टी0पी0सी0 ऊँचाहार प्रांगण में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया, कार्यकारी निदेशक/परियोजना प्रमुख एनटीपीसी ऊँचाहार अभय कुमार श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सी0एस0आर0 मद से लगभग 05 लाख रुपए से बालिका सशक्तिकरण मिशन के क्षेत्र की प्रतिभागी 120 बालिकाओं को साइकिल वितरण की गई। कार्यक्रम में एसडीएम ऊँचाहार राजेश कुमार श्रीवास्तव, जनरल मैनेजर मैन्टिनेंश एस0यू0 हरिदास, जनरल मैनेजर आपरेशन दिलीप कुमार साहू, हेड ऑफ एचआर रुमा डे शर्मा, अध्यक्ष प्रियदर्शिनी लेडीज क्लब अनुपमा श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

जिलाधिकारी के प्रयास से सीएसआर से जनपद को मिले लगभग साढ़े सात करोड रुपए

सीएसआर धनराशि से शिक्षा, स्वास्थ्य,पेयजल व इंफ्रास्ट्रक्चर आदि के क्षेत्र में कराए जा रहे हैं महत्वपूर्ण कार्यःडीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के प्रयास से सीएसआर के अंतर्गत जनपद को लगभग साढ़े सात करोड रुपए की धनराशि प्राप्त

हुई है। जिलाधिकारी ने बताया है कि कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (ण्ऐं) के अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में जनपद रायबरेली को विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों एवं बैंकों से लगभग 7 करोड़ 62 लाख 76 हजार 600 रुपये की धनराशि प्राप्त हुई है। इस धनराशि से शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, पेयजल, ऊर्जा, आधारभूत सुविधाओं एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कराए जा रहे हैं।प्राप्त धनराशि से शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालयों में सोलर सिस्टम, सोलर पैनल, डेस्क-बेंच, बैटरी एवं इन्वर्टर की व्यवस्था। कस्तूरबा गांधी विद्यालयों सहित विभिन्न परिषदीय विद्यालयों में आधारभूत ढाँचे का सुदृढ़ीकरण। तीन नए कक्षाओं का निर्माण (एटीएस सलोन), दिव्यांगजन संसाधन केन्द्र (डीडीआरसी) हेतु उपकरण एवं नवीनीकरण। स्वास्थ्य व सामाजिक कल्याण में महिलाओं हेतु आवश्यक सुविधाएँ, कौशल विकास तथा स्वास्थ्य सेवाएँ। मोबाइल मेडिकल यूनिट, नेत्र शिविर और निःशुल्क दवाओं का वितरण। आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए फर्नीचर, शैक्षणिक सामग्री व पौष्टिक आहार। जल एवं ऊर्जा आपूर्ति में विभिन्न विद्यालयों एवं संस्थानों में वाटर कूलर और वाटर टैंक निर्माण। गाँवों में सोलर काट्र्स वितरण तथा ऊर्जा सशक्तिकरण के कार्य। खेल एवं युवा सशक्तिकरण में प्ले ग्राउंड एवं ओपन जिम का निर्माण (एटीएस रानीगंज)। विद्यालयों में खेलकूद की सामग्री उपलब्ध कराना। सामाजिक सहयोग और आधारभूत विकास गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण। हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों में राष्ट्रीय ध्वज वितरण। पेयजल की सुविधा, नालियाँ, खड़ंजा, पथ-प्रकाश, शौचालय आदि का निर्माण। हरियाली हेतु वृक्षारोपण और साइकिल वितरण आदि शामिल है। सीएसआर के अंतर्गत धनराशि प्रदान करने वाली प्रमुख सहयोगी संस्थाएँ आईसीआईसीआई बैंक/ आईसीआईसीआई बैंक फाउंडेशन/ आईसीआईसीआई हाउसिंग फाइनेंस(रु30.00 लाख), बिरला कॉरपोरेशन लि0 (रु4.00 लाख), एनटीपीसी ऊँचाहार(रु 567.00लाख), विशाखा इंडस्ट्रीज लि0(रु11.826लाख), बैंक ऑफ बड़ौदा रायबरेली (रु6.50 लाख), पंजाब नेशनल बैंक(रु1.51 लाख), बैंक ऑफ इंडिया(रु0.20), स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया (रु8.80लाख), आईसीआईसीआई बैंक (रु63.50लाख), बीपीसीएल (रु7.23लाख), आईओसीएल (रु50.00लाख), आईसी आईसीआईसीआई(रु11.00लाख) शामिल है। जिलाधिकारी ने बताया कि सीएसआर के अंतर्गत विभिन्न कम्पनियों द्वारा किए गए सहयोग से जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, खेल, पेयजल व आधारभूत संरचना को नई गति मिली है। इससे समाज के वंचित तबके को सीधा लाभ मिल रहा है।

देविका सोसाइटी में उठी समय से चुनाव कराने की मांग-जिलाधिकारी ने लिया संज्ञान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। देविका गोल्ड होम्स

सोसाइटी में एओए अध्यक्ष के मनमाने रवैये से तंग निवासियों की एक बैठक हुई , निवासियों ने पत्र लिखकर अध्यक्ष से समय से चुनाव की घोषणा करने की मांग की लेकिन एओए ने अथॉरिटी के गलत पत्र का हवाला देते हुए चुनाव कराने से स्पष्ट मना कर दिया , तत्पश्चात निवासियों ने जिलाधिकारी और डिप्टी रजिस्ट्रार को पत्र लिखा जिसपर जिलाधिकारी ने संज्ञान लेते हुए रजिस्ट्रार को इस विषय पर जाँच करने का निर्देश दिया है.ज्ञात हो कि देविका में चुनाव को लेकर पहले भी निवासियों ने लखनऊ में मुख्य रजिस्ट्रार को लिखित शिकायत दर्ज की थी और उन्होंने भी डिप्टी रजिस्ट्रार को मामले की जाँच करने का निर्देश दिया साथ ही इसे भंग करने की गुहार भी पूर्व में लोगों ने उठाई थी लेकिन कोई एक्शन उसपर नहीं हुआ अब कम से कम समय से चुनाव हो इसके लिए जिलाधिकारी से गुहार लगाई गई है जिसका संज्ञान उन्होंने लिया है। निवासी रज्जन तिवारी ने कहा कि समय से चुनाव आवश्यक है और अथॉरिटी को अधिकार ही नहीं है कि वह इस तरह का निर्देश दे कि मैंदें अध्यक्ष अनुराग खरे ने ना जाने कैसे प्राधिकरण से इस तरह का पत्र निकलवाया कि जब तक बिल्डर यहाँ का कार्य ना करे तब तक चुनाव ही ना हो यह तो सरासर अन्याय है और असीमित समय तक एक ही व्यक्ति को अधिकार दिया जा रहा है जो लोकतंत्र के विरुद्ध है. निवासी प्रवीण सिंह ने कहा कि पहले चुनाव में भी गंभीर अनियमितताए बरती गई थी जिसको लेकर सम्बंधित विभागों को कई पत्र लिखे गए लेकिन किसी ने सुध नहीं ली , अब कम से कम समय से चुनाव तो हो , इसे जिलाधिकारी महोदय ने संज्ञान में लिया है इसके लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। बैठक में रज्जन तिवारी , आदित्य कुमार , श्याम जी , पंकज सिंह , अर्पित तिवारी, दया यादव, सत्येन्द्र मिश्रा, अखिल अधिकारी, विवेक कुमार, अंशुमन यादव, शशि शेखर, गौरव कुमार, मृत्युंजय कुमार, मुकुल मिश्रा, आशीष कुलकर्णी, आनन्द सिंह, अमित सिंह, मनमोहन रावत , सुनील मिश्रा , प्रवीण सिंह आदि शामिल थे।

नेकी का डब्बा फाउंडेशन की पहल 'पांच रोटी नेकी के नाम' अभियान ने बाढ़ पीड़ितों तक पहुँचाया राहत और उम्मीद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा नेकी का डब्बा फाउंडेशन

द्वारा प्रारम्भ किया गया विशेष अभियान 'पांच रोटी नेकी के नाम' बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए जीवनरेखा साबित हुआ। इस आपदा में जिन परिवारों ने अपना घर, सामान और जीविका खो दी थी, उन्हें इस पहल के माध्यम से भोजन, वस्त्र और आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस अभियान में विभिन्न सोसाइटियों और संस्थाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रमुख सहयोगी संस्थाओं में शामिल हैं. ब्लूम इंटरनेशनल स्कूल, किड्स प्लानेट प्ले स्कूल एंड डेकेयर, मदर स्पर्श प्री-स्कूल, चिरपिंग स्पैरो प्री-स्कूल एंड डेकेयर, स्माइल प्लानेट प्री-स्कूल एंड डेकेयर, ज्ञान अंकुरम कोचिंग सेंटर, द रैप्चर वर्ल्ड प्ले स्कूल तथा फोकस डांस एंड म्यूज़िक स्टूडियो।इन संस्थाओं ने न केवल सहयोग प्रदान किया, बल्कि बच्चों को दान, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे मानवीय मूल्यों से भी अवगत कराया। फाउंडेशन के संस्थापक गिरीश चंद्र शुक्ला ने कहाः- 'यह अभियान केवल राहत पहुँचाने का प्रयास नहीं है, बल्कि समाज को यह संदेश भी देता है कि कठिन परिस्थितियों में एकजुट होकर हम किसी भी आपदा का सामना कर सकते हैं। हम अपने सभी दानदाताओं, स्वयंसेवकों और संस्थाओं के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिनके सहयोग से यह संभव हो पाया।' ब्लूम इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर श्री रितिन नागर और प्रिंसिपल श्रीमती सरला रैना भट्ट ने इस पहल की सराहना करते हुए कहाः- 'भविष्य में भी नेकी का डब्बा फाउंडेशन द्वारा किए जाने वाले प्रत्येक सामाजिक अभियान में साझेदारी करना हमारे लिए गर्व की बात होगी।' प्राप्त राहत सामग्री को दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर और आईटीओ के मध्य स्थित झुग्गियों एवं राहत शिविरों तक पहुँचाया गया, जहाँ लगभग एक हज़ार बाढ़ पीड़ित कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे हैं। फाउंडेशन की कोर काउंसिल सदस्य कमल किशोर और ऋचा श्रीवास्तव ने बताया कि सुबह-सुबह महिला वॉलेंटियर्स और वरिष्ठ नागरिकों के सहयोग से लगभग एक हज़ार पैकेट तैयार किए गए और उन्हें प्रभावित परिवारों तक पहुँचाया गया। इस पहल में सोसाइटियों, स्कूलों, प्ले स्कूलों, डांस एवं म्यूज़िक एकेडमी, योगा एवं फिटनेस स्टूडियो, भजन मंडली, वरिष्ठ नागरिक क्लबों सहित समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी रही। बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक योगदान कर यह सिद्ध किया कि दान और करुणा की शिक्षा छोटी उम्र से ही दी जा सकती है। नेकी का डब्बा फाउंडेशन का मानना है कि यह अभियान केवल बाढ़ पीड़ितों की सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में मानवता, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी और अधिक सशक्त बनाता है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के पदाधिकारी ने सौपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उ0प्र0 जनपद गौतमबुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष धीरेन्द्र अवाना के नेतृत्व में जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर को मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन जिले के पदाधिकारी गणों संग सौंपा।जिलाधिकारी महोदया ने ज्ञापन को माननीय मुख्यमंत्री जी को प्रेषित करने का आश्वासन दिया।

हिन्दी दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में कार्यक्रम सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक

सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के निर्देशानुसार व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के तत्वावधान ए0डी0आर0 सेन्टर छजलापुर, रायबरेली में हिन्दी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बताया गया कि 14 सितंबर को हिंदी दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा ने हिंदी भाषा को देवनागरी लिपि के साथ देश की आधिकारिक राजभाषा का दर्जा दिया था। इस दिन को राष्ट्र में हिंदी भाषा के महत्व को बढ़ाने और उसके प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से हर साल राष्ट्रीय हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देना और लोगों को इसके महत्व से अवगत कराना है। इस अवसर पर सुधा रानी सदस्या स्थायी लोक अदालत के द्वारा बताया गया कि हिंदी दिवस भारत की सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है, जो देश की भाषाई विविधता में एकता लाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रीति पाण्डेय सदस्या स्थायी लोक अदालत के द्वारा बताया गया कि 1949 के बाद, 1953 में पहली बार हिंदी दिवस मनाया गया था। आज भी स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी संगठनों में हिंदी भाषा के महत्व को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर मध्यस्थ अधिवक्ता पूनम त्रिवेदी द्वारा आम लोग के मध्य मधुर एवं सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाने के लिए हिन्दी भाषा का प्रयोग किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। नवनियुक्त पराविधिक स्वयं सेवक रुचिता यादव के द्वारा हिन्दी भाषा के प्रयोग की सहजता एवं भावानाओं को उचित रुप से समझने एवं व्यक्त करने की प्रबलता को समझाया गया। उक्त शिविर में पराविधिक स्वयं सेवकगण व मध्यस्थ अधिवक्तागण अलका सिंह राजपूत, अर्चना चौधरी, मीना कुमारी व चन्द्रशेखर यादव उपस्थित रहे।

सद्गुरु ऋतेश्वर जी महाराज का नोएडा आगमन,युवा क्रांति सेना के कार्यों की सराहना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्री आनंदम धाम ट्रस्ट,

वृंदावन के संस्थापक सद्गुरु ऋतेश्वर जी महाराज नोएडा सेक्टर-135 पहुंचे। इस अवसर पर युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह और सलाहकार लोकेश चौहान ने उनसे भेंट की और विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर चर्चा की। इस दौरान महाराज जी ने गौमाता और सनातन संस्कृति की महत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि गौमाता केवल धर्म का प्रतीक नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के पोषण और कल्याण का आधार हैं। जब-जब प्रकृति पर आपदा आती है, उसका सीधा संबंध मनुष्य के कर्म और धर्म से जुड़ता है। सनातन संस्कृति हमें प्रकृति और जीव-जंतुओं के साथ सामंजस्य बनाकर चलने की शिक्षा देती है। उन्होंने आगे कुत्तों को लेकर भी सकारात्मक विचार रखते हुए कहा कि कुत्ते निष्ठा और सेवा भाव के प्रतीक हैं। हमें उनके प्रति संवेदनशील होना चाहिए और समाज में उनके संरक्षण की दिशा में कार्य करना चाहिए। सद्गुरु ऋतेश्वर जी महाराज ने युवा क्रांति सेना द्वारा समाजहित में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं का यह समर्पण समाज में सकारात्मक बदलाव की नींव है। इस अवसर पर युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने कहा कि हमारे लिए यह गर्व का विषय है कि सद्गुरु ऋतेश्वर जी महाराज का सान्निध्य मिला। उनका मार्गदर्शन हमें और अधिक ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करता है। युवा क्रांति सेना सदैव गौसेवा, सनातन संस्कृति के संरक्षण और समाजहित के कार्यों में तत्पर रहेगी।

150 साल पुराना पेड़ गिरा, 1 की मौत-4 लोग दबे, घर ढहा,गुमटियां जमींदोज

लखनऊ। 150 साल पुराना पीपल का पेड़ अचानक गिर गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। 4 लोग घायल हो गए। घायलों को बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। 100 से अधिक पुलिसकर्मी, फायर बिग्रेड और एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। पेड़ की डालें काटकर लोगों को बाहर निकाला गया। स्थानीय सांसद और रक्षमंत्री राजनाथ सिंह ने घटना पर शोक संवेदना व्यक्त की। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को घायलों का उचित इलाज कराने का निर्देश दिया। ब्रजेश पाठक ने बताया कि केजीएमयू को अलर्ट कर दिया गया है। हमारी प्राथमिकता है कि घटना के घायलों को सबसे पहले और अच्छा इलाज मिले। मेयर सुषमा खर्कवाल और सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा भी मौके पर पहुंचे। दोनों में बहस हो गई। हादसा मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे कैसरबाग के मछली मंडी इलाके में हुआ। अचानक पेड़ गिरने से लोग भाग नहीं पाए। एक घर ढह गया और कई गुमटियां भी जमींदोज हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि रात में हुई बारिश की वजह से हादसा हुआ। पेड़ की छंटनी के लिए पहले ही नगर निगम और वन विभाग के अधिकारियों को शिकायत दी गई थी, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इसकी वजह से यह हादसा हो गया।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने गौशाला, उच्च प्राथमिक विद्यालय व जिम्स अस्पताल का स्थलीय निरीक्षण कर दिया आवश्यक दिशा निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश बृजेश पाठक ने आज जनपद गौतम बुद्ध नगर

का भ्रमण किया। भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत उपमुख्यमंत्री सर्वप्रथम श्री कृष्णा मां जलपा भवानी गौशाला, सेक्टर-14, नोएडा पहुंचे, जहाँ उन्होंने गौशाला का स्थलीय निरीक्षण कर गौशाला की व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने गौशाला में गोवंश को उपलब्ध कराए जा रहे हरे चारे, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सीय सुविधाओं तथा स्वच्छता व्यवस्था का विशेष रूप से संज्ञान लिया। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रतिदिन समय से गोवंश को पर्याप्त मात्रा में ताजा हरा चारा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही चिकित्सीय जांच एवं उपचार की व्यवस्था नियमित रूप से सुनिश्चित की जाए। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गौशाला की व्यवस्थाओं की समय-समय पर सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों द्वारा भौतिक रूप से जांच एवं पर्यवेक्षण किया जाए तथा लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर उन्होंने विशेष रूप से

निर्देश दिए कि गौशाला में उत्पन्न गोबर का वैज्ञानिक उपयोग करते हुए कम्पोस्ट खाद तैयार की जाए, जिससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि गौशाला की आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जा सकेंगे।इसके उपरांत उपमुख्यमंत्री उच्च प्राथमिक विद्यालय गढ़ी शाहदरा, नोएडा पहुंचे, जहाँ उन्होंने विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षाओं, कंप्यूटर लैब, डिजिटल क्लास, स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति, शौचालयों एवं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराई जा रही अन्य मूलभूत सुविधाओं का गहन परीक्षण किया। उपमुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कक्षाओं में जाकर बच्चों से संवाद भी किया तथा विद्यालय में मिल रही सुविधाओं, मिड डे मील, ड्रेस, किताबों एवं शिक्षण व्यवस्था के संबंध में बच्चों से प्रत्यक्ष फीडबैक प्राप्त किया, जोकि संतोषजनक पाई गई।उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वच्छ वातावरण, समय से पठन-पाठन गतिविधियाँ एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की व्यवस्था इसी प्रकार सुनिश्चित रहे। माननीय उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि बच्चों को अनुशासित एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना सरकार का संकल्प है। प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक विद्यार्थी को समान अवसरों के साथ बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध हों, ताकि भविष्य के भारत निर्माता आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। इसके उपरांत माननीय उपमुख्यमंत्री जी राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा पहुंचे, जहाँ उन्होंने निर्माणाधीन सीसीयू ब्लॉक का स्थलीय निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने नवीन सीटी स्कैन मशीन एवं डिजिटल एक्स-रे मशीन का विधिवत उद्घाटन कर मरीजों हेतु सेवाओं का शुभारंभ किया। माननीय उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता को उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। चिकित्सालयों में आधुनिक तकनीक पर आधारित नवीनतम मेडिकल उपकरण एवं सुविधाएँ स्थापित की जा रही हैं, जिससे गंभीर से गंभीर रोगों का समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नवीन मशीनों एवं उपकरणों का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जाए और मरीजों को बेहतर सेवाएँ समय से उपलब्ध हों। किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अव्यवस्था पाए जाने पर उत्तरदायित्व तय करते हुए कठोर कार्यवाही की जाएगी। माननीय उपमुख्यमंत्री जी ने यह भी कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। नए अस्पतालों का निर्माण, अत्याधुनिक उपकरणों की स्थापना एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है, जिससे आमजन को प्रदेश में ही विश्वस्तरीय चिकित्सा

सुविधाएँ मिल सकें। इस अवसर पर उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सम्मानित चिकित्सकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि समाज के स्वास्थ्य उत्थान में चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, और राज्य सरकार सदैव उनके प्रयासों को प्रोत्साहित करती रहेगी।'इस दौरान उपमुख्यमंत्री जी के साथ माननीय सांसद डॉ महेश शर्मा, माननीय विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा अभिषेक शर्मा, महानगर भाजपा अध्यक्ष महेश चौहान, अन्य जनप्रतिनिधीगण, जिलाधिकारी मेधा रूपम, मुख्य विकास अधिकारी डॉ शिवाकांत द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अरुण कुमार तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़ा अंतर्गत चौपाल का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। महानगर

अध्यक्ष महेश चौहान की अध्यक्षता में एवं जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष शारदा चतुर्वेदी के नेतृत्व में 'सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ काली बाड़ी मंदिर, सैक्टर - 26 , नोएडा पर चौपाल का आयोजन किया गया।मुख्य वक्ता के रूप में उषा वत्स (प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य) का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ । इन लाभार्थियों के साथ जिला पदाधिकारियों मधु मेहरा, शिवानी शरद, राजश्री गुप्ता, रेनू बाला, सरिता सिंह,उषा किशोर, ममता सिंह,साइमा चौधारी एवं अन्य बहनें कार्यक्रम में शामिल हुईं।

व्यक्ति द्वारा किए गए श्रेष्ठ कार्य अमिट रहते हैं- मनोज पांडेय

रायबरेली । 15 सितंबर ।शिक्षाविद एवं समाजसेवी रहे स्वर्गीय माताफेर पांडेय की स्मृति में आयोजित सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे ऊंचाहार के विधायक एवं प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा किए गए श्रेष्ठ कार्य उसके संसार में न रहने के बाद भी अपनी अमित छाप छोड़ देते हैं । श्री पांडेय ने कहा कि स्वर्गीय पांडेय ने भी शिक्षा क्षेत्र में किए गए अपने सेवा कार्य और समाज सेवा से एक विशेष स्थान हासिल किया था। उन्होंने कहा कि मैं उनके पुत्रों को साधुवाद देता हूं कि उन्होंने अपने पिता की स्मृति में इस तरह का अच्छा कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा की श्री माताफेर पांडेय अपने सरल स्वभाव और मजबूत इच्छा शक्ति के कारण सभी के हृदय में स्थान बना लेते थे। वे अपनी ड्यूटी के बाद भी छात्रों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करते थे। उन्होंने मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि के बारे में बताया कि डॉ. मनोज कुमार पांडेय अद्वितीय इच्छा शक्ति के धनी व्यक्ति है।वे अपने क्षेत्र के अलावा भी पूरे प्रदेश के लोगों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। अपने संघर्ष और आम लोगों को प्रति आत्मीयता से उन्होंने प्रदेश की राजनीति में ऊंचा मुकाम हासिल किया है ।कार्यक्रम को माध्यमिक शिक्षक संघ के श्री जगजीवन प्रसाद शुक्ला, वित्तविहीन शिक्षक संघ के अरुण त्रिपाठी, माताफेर पांडेय के निकट सहयोगी रहे रणविजय सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए।इस अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र से डॉ.सुनीत रस्तोगी, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, डॉ. हिमानी रस्तोगी, डॉ. एसपी दीक्षित, डॉ. मनीष चौहान डॉ. नीतिश गुप्ता अधिवक्ताओं में लक्ष्मीकांत वाजपेई, हितेंद्र बहादुर सिंह, कृपा शंकर त्रिपाठी शशिकांत शुक्ला, शशिकांत पांडे, शशांक त्रिपाठी, समाजसेवी राजेंद्र अवस्थी, राम राज गिरी ,महेंद्र अग्रवाल, चंद्रशेखर यादव, विनोद कुमार सहित जनपद के अनेक गण लोगों को सम्मानित किया गया स्व. माताफेर पांडेय के पुत्रों डॉ.गौरव पांडे एवं वैभव पांडे द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अशोक शर्मा, शिवकुमार गुप्ता, शैलेंद्र अग्निहोत्री, राजेश पांडे, रणविजय सिंह, बब्बन सिंह सहित जनपद के अनेक गण्यमान लोग उपस्थित थे।

'नई उड़ान नई पहचान', असफल बच्चों को मिली नई दिशा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/ओबरा। राष्ट्रीय नव निर्माण सेना ट्रस्ट के तत्वाधान में सोमवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, ओबरा में क्रांतिकारी भगतसिंह जी के चित्र बनाने हेतु चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में दर्जनों बच्चों ने भाग लिया, जिनमें से आठ बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इसी अवसर पर 'नई उड़ान नई पहचान' कार्यक्रम बड़े ही उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द पटेल दयालु ने किया। अध्यक्षता कर रहे आनन्द पटेल दयालु ने कहा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्रांतिकारी विचारधाराओं को लोगों में आत्मसात करना जिससे वह डॉक्टर बने, इंजीनियर बने, नेता बने, बिजनेसमैन बने, अध्यापक बने, सबसे पहले वह देशभक्त बने। इसके लिए बचपन से ही उन्हें क्रांतिकारियों के बारे में बताना होगा और क्रांतिकारी भगतसिंह के जयंती महीने के उपलक्ष में यह अनोखी पहल उन बच्चों को उत्साहित करने के लिए है, जो कम नंबर पाते हैं या असफल हो जाते हैं। तीन बार हाई स्कूल में फेल होने के बाद क्रिकेट का भगवान माना जाता है सचिन तेंदुलकर हाई स्कूल से ज्यादा पढ़ाई नहीं कर पाए, धीरूभाई अंबानी देश के सबसे बड़े बिजनेसमैनों में एक रहे। थॉमस अल्वा एडिसन को स्कूल से निकाल दिया गया यह कहकर कि यह कमजोर बच्चा है, स्कूल में पढ़ने लायक नहीं है। उसकी मां ने उसकी साड़ी का सबसे बड़ा वैज्ञानिक बना दिया। उसने विद्युत बल्ब बनाकर इतिहास रचा। तमाम ऐसे बच्चे इतिहास बना सकते हैं जिन्हें समाज हेय दृष्टि से देखता है, माता-पिता भी हेय दृष्टि से देखते हैं और कहते हैं कि यह बच्चा कुछ नहीं कर सकता। फेल वह केवल एक कागज के टुकड़े में हुआ है, वह मां-बाप के दिल का टुकड़ा है, वह समाज और देश का भविष्य बन सकता है, बस उसे संवारने की जरूरत है। इसी बात का अहसास कराने यह कार्यक्रम राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट लेकर आई है। शिक्षा प्रणाली के दोष को प्रेक्टिकल समझने के लिए अध्यक्षता कर रहे आनन्द पटेल दयालु ने क्रांतिकारियों की फोटो पहचान के लिए 'क्रांतिकारी ओबरा पुरस्कार' देने की बात कही। बच्चों से पहचान कराई, लेकिन कोई पहचान नहीं पाया। और इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन संस्था के संस्थापक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महताब आलम ने किया। इस विशेष आयोजन का मुख्य उद्देश्य परीक्षा में असफल हुए बच्चों को प्रोत्साहित करना और उनकी प्रतिभा को नई दिशा प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि चांदनी देवी (अध्यक्षा नगर पंचायत ओबरा) ने बच्चों से कहा कि असफलता अंत नहीं, बल्कि आगे बढ़ने का पहला कदम है। जीवन में सफलता पाने के लिए धैर्य, मेहनत और सकारात्मक सोच सबसे बड़ा हथियार हैं। उन्होंने कहा कि 'हर बच्चा अनमोल है, उसकी प्रतिभा केवल अंकों में नहीं आंकी जा सकती। हम सबकी जिम्मेदारी है कि बच्चों को असफलता से ऊपर उठने की प्रेरणा दें, उन्हें उनकी क्षमता का अहसास कराएं और उनका मनोबल बढ़ाएं। तभी राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित होगी।' संरक्षक सत्येंद्र सिंह नेता ने अपने संबोधन में कहा कि असफलता से हताश होने के बजाय बच्चों को अपनी क्षमताओं को पहचानना चाहिए और समाज भी ऐसे बच्चों का मनोबल बढ़ाने में सहयोग करे। उन्होंने आश्वस्त किया कि संगठन हमेशा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय नवनिर्माण योग सेना के राष्ट्रीय संरक्षक धनराज सिंह ने बच्चों से अपने विचार और अनुभव साझा किए और कहा कि हम सभी लोग अपना पूरा जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित कर चुके हैं और लोगों को स्वस्थ बनाने के लिए काम कर रहे हैं। आप केवल कागज के टुकड़े में फेल हो सकते हैं, वह आपका भविष्य नहीं हो सकता। कई छात्र-छात्राओं ने मंच पर आकर संकल्प लिया कि वे फिर से बेहतर तैयारी के साथ नई ऊँचाइयों को छुएंगे। 'नई उड़ान नई पहचान' कार्यक्रम ने बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया और संदेश दिया कि हर असफलता में एक नई सफलता की शुरुआत छिपी होती है। राष्ट्रीय नवनिर्माण योग सेना के राष्ट्रीय योग गुरु झल्लन शर्मा ने योग प्रशिक्षका कुमारी प्रिया, कुमारी चंचला, कुमारी आंचल चौहान ने सभी को संयुक्त रूप से स्वस्थ रहने की विधा बताई - जब आप स्वस्थ रहेंगे तभी देश और समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन आयोजक जनाब महताब आलम (संस्थापक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) ने किया। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका अलका वर्मा, विकास कुमार गौड़ (प्रदेश सचिव), शरीफ खान (प्रदेश सचिव), जनाब शिब्बु शेख (जिलाध्यक्ष), संतोष कनौजिया (पूर्व जिलाध्यक्ष) समेत अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

पानी सप्लाई को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कुसाही बढ़ौली पेयजलापूर्ति पंद्रह दिनो से ठप होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने सोमवार को जिला प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा की अगुवाई मे अधिशासी अभियंता कार्यालय पहुंचकर विरोध बताया, जल्द पेयजलापूर्ति चालू नहीं हुआ तो व्यापक आंदोलन होगात कॉग्रेस प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा ने कहा जनता मे पेयजल के लिए हाहाकार मचा हुआ है. बीजेपी सरकार मे आम जनता महंगाई, बेरोजगारी, किसानो,की समस्याओं से जुझ ही रही है, अब तो पानी के लिए भी त्रस्त है, हैंडपंप खराब है, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है त दो सप्ताह से पेयजलापूर्ति ठप है बार बार जल निगम के अधिकारियों को सूचना देने पर रोज आज कल पानी देने की बात कहते है, लेकिन सभी दावे फेल साबित हो रहा हैत श्री मिश्रा ने कहा की बीजेपी सरकार मे जनता पेयजल के लिए परेशान है, कुसाही पेयजलापूर्ति पिछले 15 दिनों से ठप हैत गोरारी, बढ़ौली, इमरती , पुसौली, संत नगर, लोधी, उरमौरा, बीचपइ, पेटराही, मे पानी की आपूर्ति होती है,लेकिन अधिकारियों की उदासीनता से पेयजलापूर्ति ठप हैघ ग्राम पंचायत सचिव पेटराही समस्याओं से अनभिज्ञ हैत उन्होंने चेतावनी देते हुआ कहा की ये समस्या कई महिने से चल रहा है, अगर शीघ्र समस्याओं का निदान नहीं हुआ तो जल निगम कार्यालय पर कॉग्रेस कार्यकर्ता ताला बंदी करेंगेत

संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारीयों नहीं मिला मानदेय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला ने बताया की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जनपद सोनभद्र में कार्यरत लगभग 1000 संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारीयों को पिछले दो माह से मानदेय प्राप्त नहीं हुई है जिससे अल्प मानदेय पर कार्य करने वाली ए एन एम,स्टाफ नर्स,काउंसलर, आरबीएस के टीम पैरामेडिकल वर्कर,फार्मासिस्ट बीपीएमयू एवं डीपीएमयू में कार्यरत हजारों कर्मचारी मानदेय ना मिलने से अत्यधिक परेशान है बच्चों की फीस मकान का किराया एवं अन्य खर्च उठाने में कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है मानदेय ना मिलने से कर्मचारी पूरे मनोयोग से अपने कार्यों को करने में असमर्थ हो रहे हैं उच्च अधिकारियों द्वारा इस मामले पर कोई जानकारी स्पष्ट तौर पर नहीं दी जा रही है अगर जल्द से जल्द मानदेय कर्मचारियों को प्राप्त नहीं हो पता है तो कर्मचारियों को खाने और रहने की भी समस्या उत्पन्न हो जाएगी मिशन के अंतर्गत कार्य करने वाले शिव सिंह, नेहा केशरी, आनंद कुमार, अखिलेश, शिवम, मनोज, राजेंद्र, ज्ञान चौबे, सुनीता, पूनम राहुल आदि कर्मचारियों ने बताया की मानदेय न मिलने से समस्या उत्पन्न हो रही है।

नगर पालिका में जुड़े नए वार्डों पर दिया जाएगा विशेष ध्यानः रूबी प्रसाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद, एवं मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका , की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया।नपा अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र के नए वार्डों में जुड़े हुए गांव हिस्सों में विकास कार्यों को लेकर विशेष फोकस दिया जा रहा है जिससे कि सरकारी योजनाओं के मनसा अनुरूप हर योजना का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचा जा सके वहीं जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 4, नगर पंचायत घोरावल में 0, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 6, नगर पंचायत ओबरा में 3, नगर पंचायत रेनुकूट में 3, नगर पंचायत पिपरी में 3, नगर पंचायत दुद्धी में 3, नगर पंचायत डाला बाजार में 2, नगर पंचायत अनपरा मे 4, समस्त निकायों में कुल 30 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका , द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर जेई राज कुमार, सभासद अनवर अली, मनोज चौबे, अजीत सिंह, विमलेश कुमार, संत सोनी, सुजीत कुमार आदि उपस्थित रहे।

इंजीनियर दिवस पर स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, सोनभद्र में इंजीनियर दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन तथा अन्य तकनीकी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन का आयोजन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय एवं विभिन्न विभागों द्वारा वेबसाइट पर प्रस्तुत समस्याओं के सापेक्ष छात्रों द्वारा समाधान के लिए आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम में हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों क्षेत्रों में कुल 47 टीमों ने भाग लिया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर गीतम सिंह तोमर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महान इंजीनियर एम. विश्वेश्वरैया जी के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डाला एवं छात्रों को उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज में तकनीकी बदलावों के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रशांत पांडेय ने प्रतिभागियों को हर संभव सहायता तथा आश्वासन दिया और निदेशक महोदय तथा आई ई. ई. ई. स्टूडेंट ब्रांच के सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस आयोजन ने न केवल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में छात्रों की रचनात्मकता को प्रदर्शित किया, बल्कि उन्हें वास्तविक दुनिया की समस्याओं के समाधान खोजने के लिए भी प्रेरित किया। कल्पना सिंह ने बताया की इंजीनियर डे के उपलक्ष में अन्य तकनीकी कार्यक्रम जैसे कोडिंग प्रतियोगिता, बीजीएमआई ,ट्रेजर हंट, पानी पूरी , बज़ वायर, इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट, सर्किट कंप्लीट, कप पिरामिड आदि का भी आयोजन कराया गया। हार्डवेयर के क्षेत्र में मयंक शर्मा की टीम रेस्टोल्फ एक्स ने प्रथम स्थान, शिवांगी जायसवाल की टीम द डेटा सी ने द्वितीय स्थान तथा वैभव अग्रवाल की टीम आईओटी आईईएस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सॉफ्टवेयर कैटेगरी में अंकित की टीम स्वर्ग राइडर्स ने प्रथम स्थान कार्यक्रम में द्वितीय स्थान पर अभिषेक वर्मा की टीम ब्रिज बिल्डर ने तथा तृतीय स्थान पर शुभ सेठ की टीम तथा स्नेहा गुप्ता की टीम ने संयुक्त रूप से प्राप्त कियात अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. डी.के. त्रिपाठी, डीन शैक्षणिक डॉ. हिमांशु कटियार परीक्षा नियंत्रक, डॉ. आमोद तिवारी तथा कुल सचिव डॉ.आर.के. पटेल विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित कियात कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ अनुराग सेवक, डॉ. मैनेजर यादव, डॉ.अशीष रंजन , डॉ. पीके वर्मा ,डॉ. अभिनव ,कल्पना सिंह, स्वप्निल ने निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की।

पीएम के जन्मदिन के पूर्व संध्यानमो मैराथन का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र नगर में जन कल्याण सेवा समिति द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के पूर्व संध्या पर नमो मैराथन का आयोजन किया गया। नमो मैराथन में मुख्य अतिथि भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष दिलीप पटेल व विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री संजीव गौड़ उपस्थित रहे। मुख्यअतिथि ने कहा कि आज मैंने देखा कि सोनभद्र के बालक बालिका किसी से कम नहीं है उन्होंने कार्यक्रम में गजब का उत्साह अनुशासन देखकर कहां की सोनभद्रवासी ने आज देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री के जन्मदिन का विशेष तौर पर बधाई दी ऐसा प्रतियोगिता जन कल्याण सेवा समिति के सदस्यों द्वारा कराया गया। उन्होंने आयोजन समिति को इस बेहतरीन कार्यक्रम के लिए बधाई दिया। कहा कि यह सोनभद्र है और निश्चय ही सोनभद्र फिट रहेगा मैराथन का शुभारंभ बालकों का अविनाश होटल चुर्क से भारतीय जन सेवा कल्याण समिति के सचिव धर्मवीर तिवारी, भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र पटेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश पटेल ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया और समापन चुर्क गेस्ट हाउस पर हुआ। बालिकाओं का मैराथन दौड़ चुर्क बस स्टैंड से मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने हरी झंडी दिखाकर बालिका वर्ग के मैराथन का शुभारंभ किया। जिसमें उन्होंने कहा कि सोनभद्र की बालिका भी किसी से कम नहीं है, वह भी अब कंधे से कंधा मिलाकर चलती हैं और जो प्रधानमंत्री की मुहिम है फिट इंडिया। इस कार्यक्रम के तहत सोनभद्र में आज मैराथन का आयोजन जन कल्याण समिति द्वारा किया गया है। जन कल्याण सेवा समिति के सचिव डॉ धर्मवीर तिवारी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के जन्मदिन के पूर्व संध्या पर सोनभद्र एक संदेश दे रहा है की दौड़ेगा सोनभद्र फिट रहेगी सोनभद्र कार्यक्रम में जगह-जगह वालंटियर लगे थे जो प्रतिभागियों का देखरेख हौसला बुलंद कर रहे थे और लोगों में गजब उत्साह था पूरा सोनभद्र आज देश के प्रधानमंत्री के लिए दौड़ा और दिखाए की हम सब भी प्रधानमंत्री के मुहिम में शामिल होकर एक नया संदेश देकर प्रधानमंत्री को बधाई देंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभिषेक सिंह चंदेल, संदीप सिंह चंदेल, प्रमोद गुप्ता, आनंद मिश्रा, श्याम द्विवेदी, अरविंद पांडे, विनोद सोनी, अनूप पांडे, योगेश सिंह, श्याम उमर, अखिलेश कश्यप, राहुल शर्मा, सत्यम ,विवेक, शिवम मोदनवाल , मनोज, रवि केसरी, तन्मय त्रिपाठी, प्रकाश श्रीवास्तव, मनोज सुरेश मनीष अग्रहरि रविंदर आलोक, राजेश गुप्ता व्यापार मंडल अध्यक्ष,ओम प्रकाश चतुरवेदी सागर खन अनुराग त्रिपाठी श्रावण पांडे नंद किशोर भारती पूजा सिंह पूजा पांडे निधि सिंह श्वेता सिंह आदि रही।

सेवारत शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से करे मुक्त की मांग, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने पीएम को संबोधित पत्र डीएम को सौंपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आवाहन पर पूरे देश में एक साथ दिया गया ज्ञापन। देशभर के लाखों शिक्षकों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने वाले 01 सितम्बर 2025 के उच्चतम न्यायालय के शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) संबंधी निर्णय पर तत्काल हस्तक्षेप हेतु अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आवाहन पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ. प्र. ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रतिनिधि को सौंपा। मण्डल अध्यक्ष अखिलेश वत्स व जिलाध्यक्ष अशोक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि एबीआरएसएम के तत्वाधान में सोमवार को पूरे भारत में एक साथ जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमन्त्री को ज्ञापन भेजा गया है। वैध नियमों के अंतर्गत नियुक्त अनुभवी शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा एवं गरिमा सुनिश्चित करने और लाखों शिक्षकों को सेवा समाप्ति अथवा आजीविका संकट से बचाने हेतु आवश्यक नीतिगत अथवा विधायी कदम शीघ्र उठाए जाने की माँग की। जिला महामंत्री इंदु प्रकाश सिंह व गणेश पांडेय ने बताया कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार सभी सेवारत शिक्षकों के लिए उनकी नियुक्ति की तिथि चाहे जो भी हो शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य कर दिया गया है।

इस निर्णय ने देशभर के लाखों शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा और आजीविका को संकट में डाल दिया है। रवि भूषण सिंह व धीरेन्द्र पति त्रिपाठी ने कहा कि टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की जिन्हें टीईटी से छूट दी गई थी। उनका टीईटी अब लेना अन्याय है । अखिलेश गुंजन ने कहा उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय से देशभर में लगभग 20 लाख से अधिक शिक्षक गहन चिंता और असमंजस की स्थिति में हैं। रविन्द्र चौधरी ने कहा न्यायालय इस निर्णय को वापस ले।टीईटी लागू होने से इसके पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर इसका प्रभाव न पड़ना न्यायसंगत होगा। जय प्रकाश राय व अभिषेक मिश्र ने बताया कि इस समस्या के समाधान होने तक निर्णायक आंदोलन चलता रहेगा। राज मौर्य ने कहा कि ऐसे निर्णय से शिक्षक समाज में गहरा असंतोष है।वकील अहमद व रविन्द्र बहादुर सिंह प्रत्येक शिक्षक की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समस्त शैक्षिक संगठन कटिबद्ध व प्रतिबद्ध है। दिनेश दुबे अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने इस समस्या के समाधान तक निर्णायक संघर्ष करने की घोषणा की है। इस अवसर पर रविकांत मौर्य, राजेश वैश, कमलेश विश्वकर्मा, अरूणेश पांडेय, ममता पाण्डेय,मेघा सौनकिया, कमलेश कुमारी,सिंधु मिश्रा,शिव कुमार, नागेन्द्र सिंह, रितेशजायसवाल, अनिल गुप्ता, संजय सिंह, दिवाकर तिवारी,संजय मिश्रा,विजयानंद,शिवशंकर आदि शिक्षक मौजूद रहे।

सेवारत शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त करने की माँग, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। देशभर के लाखों शिक्षकों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने वाले 01 सितम्बर 2025 के उच्चतम न्यायालय के शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) संबंधी निर्णय पर तत्काल हस्तक्षेप हेतु अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आवाहन पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ. प्र. ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। मण्डल अध्यक्ष अखिलेश वत्स व जिलाध्यक्ष अशोक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि एबीआरएसएम के तत्वाधान में 15 सितम्बर को पूरे भारत में एक साथ जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमन्त्री को ज्ञापन भेजा गया है। वैध नियमों के अंतर्गत नियुक्त अनुभवी शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा एवं गरिमा सुनिश्चित करने और लाखों शिक्षकों को सेवा समाप्ति अथवा आजीविका संकट से बचाने हेतु आवश्यक नीतिगत अथवा विधायी कदम शीघ्र उठाए जाने की माँग की। जिला महामंत्री इंदु प्रकाश सिंह व गणेश पांडेय ने बताया कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार सभी सेवारत शिक्षकों के लिए उनकी नियुक्ति की तिथि चाहे जो भी हो शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य कर दिया गया है। इस निर्णय ने देशभर के लाखों शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा और आजीविका को संकट में डाल दिया है। रवि भूषण सिंह व धीरेन्द्र पति त्रिपाठी ने कहा कि टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की जिन्हें टीईटी से छूट दी गई थी। उनका टीईटी अब लेना अन्याय है । अखिलेश गुंजन ने कहा माननीय उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय से देशभर में लगभग 20 लाख से अधिक शिक्षक गहन चिंता और असमंजस की स्थिति में हैं। रविन्द्र चौधरी ने कहा न्यायालय इस निर्णय को वापस ले।टीईटी लागू होने से इसके पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर इसका प्रभाव न पड़ना न्यायसंगत होगा। जय प्रकाश राय व अभिषेक मिश्र ने बताया कि इस समस्या के समाधान होने तक निर्णायक आंदोलन चलता रहेगा। राज मौर्य ने कहा कि ऐसे निर्णय से शिक्षक समाज में गहरा असंतोष है।वकील अहमद व रविन्द्र बहादुर सिंह प्रत्येक शिक्षक की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समस्त शैक्षिक संगठन कटिबद्ध व प्रतिबद्ध है। दिनेश दुबे अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने इस समस्या के समाधान तक निर्णायक संघर्ष करने की घोषणा की है।

भारत-पाकिस्तान मैच विवाद, आईसीसी बोला- मैच रेफरी नहीं हटाएंगे,टीम इंडिया ने पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था,पीसीबी का रेफरी पर आरोप

नयी दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। सूत्रों के मुताबिक भारतीय टीम ने यह फैसला अचानक नहीं लिया। इसमें बीसीसीआई और सरकार दोनों की सहमति थी कि मैच तो खेलेंगे, लेकिन दोस्ताना माहौल नहीं दिखेगा। रविवार को खेले गए इस मैच में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नो हैंडशेक मामले की शिकायत आईसीसी से की थी और मैच रेफरी को हटाने की मांग की है। आईसीसी ने इस मांग को खारिज कर दिया है। पूरे टूर्नामेंट में हाथ नहीं मिलाएगी टीम इंडिया पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने का यह सिलसिला पूरे टूर्नामेंट में जारी रहेगा। खिलाड़ियों, बीसीसीआई और सरकार के बीच इस पर आपसी सहमति है। बीसीसीआई की ओर से ऑफिशियल रिएक्शन अभी नहीं आया है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक अगर भारतीय टीम 28 सितंबर को होने वाले फाइनल में पहुंचती है और जीतती है, तो वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं लेगी। नकवी इस समय एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष भी हैं। भारत-पाकिस्तान 21 सितंबर को फिर भिड़ सकते हैं 21 सितंबर को दोनों टीमें सुपर-4 राउंड में दोबारा आमने-सामने हो सकती हैं और वहां भी भारत का यही रुख रहेगा। हालांकि, इसके लिए पाकिस्तान को यूएई को हराना होगा। अगर पाकिस्तान सुपर-4 तक नहीं पहुंचता, तो यह तनाव फाइनल में भी उभर सकता है। पाकिस्तान ने रेफरी को हाथ न मिलाने का जिम्मेदार बताया भारतीय टीम के हाथ न मिलाने पर पाकिस्तान ने इसकी शिकायत

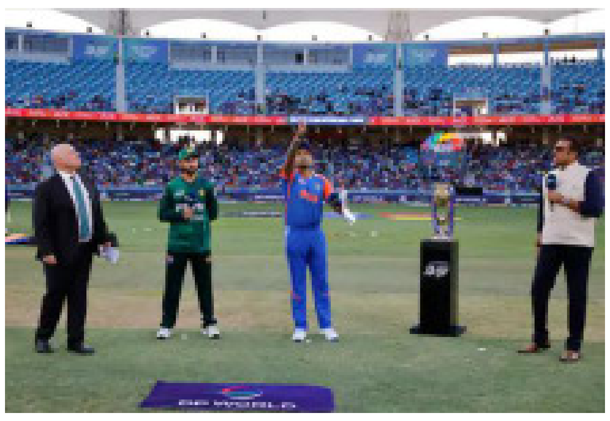

मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट से की। आरोप लगाया कि भारतीय टीम ने खेल भावना नहीं दिखाई। पीसीबी का आरोप है कि रेफरी ने टॉस के बाद दोनों कप्तानों को हाथ न मिलाने के लिए कहा था और यह भारतीय टीम के दबाव में किया गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने सोमवार को कहा- पीसीबी ने पायक्रॉफ्ट को तत्काल बाहर करने की मांग की है। उन्होंने आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट और क्रिकेट के स्पिरिट का पालन नहीं किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसा नहीं होने पर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हट सकता है। एशियन क्रिकेट काउंसिल या भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं आया है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर भी विवाद में कूदे इस हैंडशेक कंट्रोवर्सी में पाकिस्तान के कई पूर्व क्रिकेटर भी कूद गए हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने कहा- अगर पहलगाम की ही बात है तो भारत हमसे जंग लड़ ले। क्रिकेट में इन बातों को मत लाओ। वहीं, पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा कि भारतीय टीम ने मैच में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन, यह सिर्फ क्रिकेट मैच था। इसमें राजनीति नहीं लानी चाहिए। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने कहा- क्रिकेट को क्रिकेट ही रहने दें, इसमें सियासत न करें। सूर्या ने कहा था- कुछ बातें खेल भावना से ऊपर होती हैं मैच के बाद हैंडशेक कंट्रोवर्सी पर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा - कुछ बातें खेल भावना से ऊपर होती हैं। टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला बीसीसीआई और भारत सरकार की सहमति से लिया था। भारतीय टीम पहलगाम हमले के पीड़ितों के साथ खड़ी है और यह जीत भारतीय सैन्य बल को समर्पित है। बीते 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थक आतंकियों ने 26 भारतीयों की धर्म पूछकर हत्या कर दी थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। साथ ही पाकिस्तान के नौ एयरबेस भी उड़ा दिए थे। क्या कहते हैं आईसीसी या एसीसी के नियम क्रिकेट के किसी भी रूल बुक में ऐसा नहीं लिखा है कि मैच के बाद हैंडशेक करना जरूरी है। हाथ मिलाना कोई नियम नहीं है, बल्कि इसे खेल भावना का हिस्सा माना जाता है। यही कारण है कि लगभग हर मैच के बाद दोनों टीम के खिलाड़ी एक-दूसरे मिलते हैं और हाथ मिलाते हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'नियमों में ऐसा कुछ नहीं लिखा है कि आपको विरोधी टीम से हाथ मिलाना ही होगा। भारतीय टीम ऐसे देश से हाथ मिलाने के लिए बाध्य नहीं है, जिससे रिश्ते इतने खराब हों।' शिकायत में देरी के लिए पीसीबी डायरेक्टर सस्पेंड शिकायत में देरी के लिए पीसीबी ने अपने डायरेक्टर ऑफ इंटरनेशनल क्रिकेट ऑपरेशंस उस्मान वहाला को सस्पेंड कर दिया है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक वहाला को टॉस के वक्त ही शिकायत दर्ज करानी चाहिए थी। उन्होंने इस काम में देरी की और इसलिए पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने वहाला को सस्पेंड करने का फैसला किया।कौन हैं मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट एंडी जॉन पायक्रॉफ्ट जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर हैं। वे 3 टेस्ट और 20 वनडे मैच खेल चुके हैं। उन्हें 2009 में आईसीसी मैच रेफरी के एलीट पैनल में शामिल किया गया।

फर्जी खेल प्रमाण पत्र पर हरियाणा में एक्शन,76 सर्टिफिकेट संदिग्ध, 2018-22 के बीच बने, कुछ अधिकारी भी शामिल

पंचकूला। हरियाणा में सरकारी नौकरी पाने के लिए कई लोग फर्जी खेल प्रमाण पत्र बनवा रहे थे। इस पर अब हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन ने सख्ती दिखाते हुए कदम उठाया है। संघ ने प्रदेश की सभी खेल

एसोसिएशनों और जिला खेल अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि अब किसी भी खिलाड़ी को खेल प्रमाण पत्र जारी करते समय उसकी जन्मतिथि और आधार कार्ड नंबर दर्ज करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही खिलाड़ी के माता-पिता का नाम भी प्रमाण पत्र में लिखा जाएगा। इतना ही नहीं, मैरिट में आने वाले खिलाड़ियों के प्रमाण पत्र की सही तरीके से जांच की जाएगी और तभी उनका वितरण किया जाएगा। इस पहल के बाद फर्जीवाड़ा करने वालों के रास्ते बंद हो जाएंगे और केवल असली खिलाड़ियों को ही इसका फायदा मिल सकेगा।सरकारी नौकरियों में फर्जी खेल प्रमाण पत्र को लेकर सरकार के पास लगातार शिकायतें पहुंचीं। इसके बाद तत्कालीन खेल महानिदेशक संजीव वर्मा ने जांच कराई, तो पता चला कि 76 खेल ग्रेडेशन सर्टिफिकेट संदिग्ध हैं। खेल निदेशालय की ग्रेडेशन वैरिफिकेशन कमेटी ने इन सभी प्रमाण पत्रों को फर्जी मानते हुए रद्द करने की सिफारिश की है। हैरानी की बात यह है कि जिन खेल उप निदेशकों को ग्रेड सी और ग्रेड डी के इन प्रमाण पत्रों को रद्द करने के आदेश दिए गए हैं, वही अधिकारी इन फर्जी सर्टिफिकेटों को जारी करने में शामिल पाए गए थे। इन खेल प्रमाण पत्रों के आधार पर खेल कोटे से सरकारी नौकरियां प्राप्त की जाती रही हैं। खेल उप निदेशक मंजीत सिंह की ओर से अंबाला, रोहतक, गुरुग्राम तथा हिसार के खेल उप निदेशकों को संदिग्ध सर्टिफिकेट वाले 76 खिलाड़ियों की सूची भेजते हुए कहा गया था कि उनके कार्यालयों की ओर से जारी ग्रेडेशन सर्टिफिकेट की निदेशालय में गठित ग्रेडेशन वेरिफिकेशन कमेटी ने जांच की। जांच में इन प्रमाण पत्रों को नियमों के विरुद्ध पाया गया है। यह सभी सर्टिफिकेट साल 2018 से 2022 के बीच जारी हुए हैं। खेल कोटे से मिली सरकारी नौकरी- हरियाणा सरकार ने खेल कोटे के तहत खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियां प्रदान करने की नीति बना रखी है। इस पॉलिसी में समय-समय पर राज्य सरकारें अपनी सुविधा अनुसार बदलाव करती रही हैं। विभिन्न प्रकार के खेलों में भागीदारी व मेडल हासिल करने के आधार पर खिलाड़ियों के ग्रेडेशन सर्टिफिकेट दिए जाते हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार कई विभागों में खेल कोटे के तहत दी जाने वाली नौकरियों को बहाल कर चुकी है। खेल विभाग में सीधे डिप्टी डायरेक्टर नियुक्त करने की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार में हुई थी। हुड्डा सरकार ने किए थे सीधे भर्ती- पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ओलिंपिक, कॉमनवेल्थ व एशियाई खेलों के विजेताओं को पुलिस में सीधे डीएसपी, इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर लगाने की शुरुआत की थी। मनोहर सरकार के पहले कार्यकाल में इस पॉलिसी में संशोधन कर पदक विजेता खिलाड़ियों को एचपीएस के अलावा एचसीएस लगाने का भी निर्णय लिया गया था। मनोहर सरकार में हुए नए पद सृजित- हरियाणा में मनोहर पार्ट-टू सरकार में पार्ट-वन सरकार के फैसले को बदल दिया गया था। तब खेल विभाग में ही डिप्टी डायरेक्टर के नए पद सृजित किए गए थे। अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कई विभागों में खेल कोटे की नौकरियां बहाल कर दी हैं। जिन खिलाड़ियों के प्रमाण पत्र रद्द होंगे, उन्हें अब हरियाणा की 25 मई 2018 को अधिसूचित संशोधित खेल नीति के अनुसार अपना प्रमाण पत्र बनवाना होगा। 27 खिलाड़ियों के पास ग्रेड-सी के फर्जी सर्टिफिकेट- खेल उपनिदेशकों के अलावा खेल विभाग की ओर से 15 जिलों के जिला खेल अधिकारियों को भी इन संदिग्ध प्रमाण पत्रों वाले खिलाड़ियों की सूची भेजी गई है। इन जिलों में भिवानी, चरखी दादरी, फरीदाबाद, फतेहाबाद, हिसार, झज्जर, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, नारनौल, पलवल, पानीपत, रोहतक व सोनीपत शामिल हैं। जिन 76 खिलाड़ियों के ग्रेडेशन सर्टिफिकेट पर सवाल उठाए गए हैं, उनमें 27 खिलाड़ियों के पास 'ग्रेड-सी' के सर्टिफिकेट हैं और बाकी के पास 'ग्रेड-डी' के सर्टिफिकेट हैं।

हमारा ब्लड प्रेशर लो क्यों होता है? इन 10 संकेतों को कभी न करें नजरअंदाज

नयी दिल्ली। आजकल खराब लाइफस्टाइल के कारण लोगों में हाई और लो ब्लड प्रेशर की समस्या आम होती जा रही है। लो ब्लड प्रेशर को मेडिसिन की भाषा में हाइपोटेंशन और

हाई ब्लड प्रेशर को हाइपरटेंशन कहा जाता है। हालांकि कभी-कभार बीपी का थोड़ा ऊपर-नीचे होना सामान्य है। लेकिन अगर यह अक्सर होने लगे तो गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, लो ब्लड प्रेशर अक्सर बिना किसी खास लक्षण के होता है। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि यह समस्या कब सामान्य है और कब डॉक्टर के पास जाने की जरूरत होती है। तो चलिए, आज फिजिकल हेल्थ कॉलम में हम लो ब्लड प्रेशर के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- लो ब्लड प्रेशर क्या है और ये किन कारणों से होता है? इस समस्या से कैसे बचा जा सकता है?जब हार्ट खून को पूरे शरीर में पंप करता है तो वह नसों की दीवारों पर दबाव डालता है, जिसे ब्लड प्रेशर कहते हैं। अगर यह दबाव सामान्य से कम यानी 90/60 स्सु (मिलीमीटर ऑफ मर्करी) से नीचे चला जाता है तो उसे लो ब्लड प्रेशर कहते हैं। इस स्थिति में शरीर के अंगों को पर्याप्त मात्रा में ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाता, जिससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधला दिखना और कभी-कभी बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ब्लड प्रेशर की माप में दो संख्याएं होती हैं। सिस्टोलिक (ऊपरी संख्या): जब दिल खून पंप करता है। डायस्टोलिक (निचली संख्या): जब दिल पंप के बाद विश्राम करता है। आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति का बीपी लगभग 120/80 स्सु होना चाहिए। जब यह स्तर काफी नीचे चला जाए तो यह शरीर के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। ब्लड प्रेशर बहुत कम होने पर शरीर के अंगों को पर्याप्त ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है। इससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधलापन या बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार बैठने या खड़े होने के तुरंत बाद ये लक्षण अचानक महसूस होते हैं। ब्लड प्रेशर लो होने के पीछे डिहाइड्रेशन और हार्ट संबंधी समस्याएं, हॉर्मोनल असंतुलन और खून की कमी समेत कई कारण शामिल हैं। महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान हार्मोनल बदलावों की वजह से भी ब्लड प्रेशर गिर सकता है, जो आमतौर पर डिलीवरी के बाद अपने आप सामान्य हो जाता है। इसके अलावा गर्म मौसम, तनाव, डर या अचानक दर्द जैसी स्थितियां भी अस्थायी रूप से बीपी कम कर सकती हैं।लो ब्लड प्रेशर का इलाज इसके कारण पर निर्भर करता है। आमतौर पर लाइफस्टाइल में बदलाव जैसे ज्यादा पानी पीना, धीरे-धीरे उठना और थोड़ा नमक ज्यादा खाना इसमें मददगार हो सकता है। कुछ मामलों में डॉक्टर दवाएं भी लिख सकते हैं। वहीं अगर कोई दवा बीपी को गिरा रही है तो डॉक्टर उसकी खुराक घटा सकते हैं या दवा बंद कर सकते हैं। लो ब्लड प्रेशर की समस्या से बचने के उपाय लो बीपी से बचने के लिए लाइफस्टाइल और खानपान में कुछ बदलाव जरूरी है। लो ब्लड प्रेशर हमेशा खतरनाक नहीं होता है। कुछ लोगों में यह बिना किसी लक्षण के भी हो सकता है। वहीं अगर इससे अक्सर चक्कर, थकान या बेहोशी जैसे लक्षण दिखें तो यह किसी छिपी हुई स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है।अगर आपको चक्कर आना, कमजोरी, धुंधलापन या बेहोशी जैसा महसूस हो तो तुरंत बैठ जाएं या लेट जाएं। अपने पैरों को ऊपर की ओर उठाएं ताकि दिमाग तक ब्लड फ्लो बढ़ सके। गहरी और धीमी सांस लें, घबराएं नहीं। पानी या ड्रिंक पिएं क्योंकि डिहाइड्रेशन भी एक कारण हो सकता है।अगर खाली पेट हैं तो हल्का और जल्दी पचने वाला कुछ खाएं, जैसे बिस्किट या फल। अगर लक्षण बने रहें या बेहोशी जैसा महसूस हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ध्यान रखें कि अगर यह स्थिति बार-बार हो रही है तो इसे मामूली न समझें। यह किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है, जिसका जांच और इलाज जरूरी है। डॉ. संजीव अग्रवाल बताते हैं कि हां, खाने-पीने की गलत आदतें लो ब्लड प्रेशर को प्रभावित कर सकती हैं। पर्याप्त पानी न पीना, शराब का ज्यादा सेवन और बहुत हल्का या अनियमित भोजन करने से बीपी गिर सकता है। खासकर डिहाइड्रेशन की स्थिति में यह और बिगड़ सकता है। हां, नियमित हल्की एक्सरसाइज जैसे वॉकिंग, योग या स्ट्रेचिंग से ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है और लो बीपी कंट्रोल में रह सकता है। लेकिन बहुत तेज या हैवी एक्सरसाइज से बीपी गिर सकता है, इसलिए एक्सरसाइज हमेशा शरीर की क्षमता और डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही करें।अगर इसे लंबे समय तक अनदेखा किया जाए तो यह दिमाग, दिल और किडनी जैसे अहम अंगों तक ब्लड और ऑक्सीजन की सप्लाई को प्रभावित कर सकता है। इससे बेहोशी, ऑर्गन फेल्योर या शॉक जैसी गंभीर स्थिति बन सकती है। इसलिए समय रहते सही कारण की पहचान और इलाज कराना बेहद जरूरी है।

बदबू,सीलन,फंगस वाली एसी आपको कर सकती हैं बीमार..बहुत बीमार

नयी दिल्ली। भारत उन गिने-चुने देशों में है, जहां सभी ऋतुएं होती हैं। इनमें मानसून बेहद

सुकून देने वाला मौसम है। इस मौसम में भी कुछ लोग एसी (एयर कंडीशनर) का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इसकी देखभाल और बदली हुई जरूरतों को नजरअंदाज कर देते हैं। नतीजतन सीलन, फंगस, बदबू, बिजली बिल में इजाफा और कई बार एसी में खराबी तक आ जाती है। इसलिए गर्मी की तुलना में मानसून में एसी की देखभाल कहीं ज्यादा जरूरी होती है। अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो छोटा-सा फॉल्ट बड़ी परेशानी बन सकता है।मानसून में एसी इस्तेमाल करना इसलिए सहीं नहीं हैं मानसून में हवा में नमी ज्यादा होती है, जो एसी की कार्यक्षमता पर असर डालती है। अगर समय पर सफाई और सर्विसिंग न हो तो एसी में फंगस, बैक्टीरिया और धूल जमा हो सकती है। इससे हवा दूषित हो जाती है, जो एलर्जी, सिरदर्द या सांस की समस्या का कारण बन सकती है। साथ ही नमी के कारण कूलिंग कॉइल और फिल्टर जल्दी गंदे होते हैं, जिससे बिजली की खपत बढ़ती है और कूलिंग कमजोर हो जाती है। कई बार एसी से पानी टपकने लगता है, जिससे दीवारें भी खराब हो सकती हैं। इसलिए मानसून में एसी की देखभाल पर खास ध्यान देना जरूरी है। अगर एसी का फिल्टर गंदा हो या पानी बाहर निकालने वाली पाइप बंद हो जाए तो नमी कमरे में जमा होने लगती है। बहुत ठंडा टेम्प्रेचर रखने से भी दीवारों और खिड़कियों पर पानी जम सकता है, जिससे सीलन बढ़ जाती है। इसलिए मानसून में एसी की सफाई जरूरी है और टेम्प्रेचर ज्यादा कम नहीं रखना चाहिए।मानसून में एसी को सिर्फ चलाना ही नहीं, बल्कि उसकी देखभाल भी जरूरी है। इससे वह लंबे समय तक सही काम करेगी। साथ ही बिजली की बचत भी होगी। नीचे दिए गए कुछ आसान और कारगर तरीकों को अपनाकर आप अपने एसी की परफॉर्मेंस को बेहतर बना सकते हैं।

मानसून में लगातार बढ़ती नमी, बारिश और गंदगी की वजह से एसी के कुछ खास हिस्से जल्दी प्रभावित होते हैं। जैसेकि-एयर फिल्टर बारिश के मौसम में धूल की वजह से एयर फिल्टर पर जल्दी गंदगी जम सकती है। इसलिए हर 10-15 दिन में फिल्टर को निकालकर धोएं। गंदा फिल्टर हवा की क्वालिटी को खराब कर सकता है और एलर्जी या सांस से जुड़ी परेशानियों का कारण बन सकता है। ड्रेनेज पाइप- मानसून में अक्सर पानी की निकासी में दिक्कत आती है, खासकर अगर पाइप में धूल या काई जम गई हो। पानी सही से न निकलने से इनडोर यूनिट से पानी टपकने लगेगा। यह सीलन और दीवारों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए समय-समय पर ड्रेनेज पाइप को साफ करवाना जरूरी है। आउटडोर यूनिट (फिन्स और पंखा) - बारिश में आउटडोर यूनिट के आसपास मिट्टी, पत्तियां और कीड़-पतंगे जमा हो सकते हैं। इससे यूनिट के फिन्स और पंखे पर असर पड़ता है और कूलिंग घट जाती है। इसलिए कोशिश करें कि यूनिट छांव या शेड में हो और उसके आसपास सफाई बनी रहे। कूलिंग कॉइल- बारिश में हवा की नमी कॉइल पर जमकर उसे चिपचिपा बना सकती है। इससे कूलिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है और बिजली की खपत बढ़ती है। हर सीजन की शुरुआत में इसकी डीप क्लीनिंग जरूर करवाएं। डक्ट (अगर सेंट्रल एसी है) - मानसून में डक्ट के अंदर नमी और गंदगी फंगस को जन्म देती है। इससे हवा में बदबू और एलर्जी के कण फैल सकते हैं। इसलिए मानसून में डक्ट की सफाई कराना जरूरी है, खासकर बच्चों या अस्थमा के मरीजों के लिए।कुछ लोग 16-18 डिग्री पर एसी चला देते हैं, जिससे कमरे में सीलन और पानी की बूंदें जम सकती हैं। यह सेहत और दीवारों दोनों के लिए नुकसानदायक है। साथ ही बारिश के मौसम में आउटडोर यूनिट के आसपास मिट्टी, पत्तियां और कीड़े जमा हो जाते हैं, जिससे यूनिट की परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। इन गलतियों से बचकर आप एसी को न सिर्फ सुरक्षित रख सकते हैं, बल्कि बिजली की बचत और बेहतर कूलिंग भी पा सकते हैं।नम मौसम में पूरे दिन एसी चलाना ठीक नहीं है। इससे कमरे में नमी फंस सकती है, जिससे सीलन, बदबू और फंगल इंफेक्शन की समस्या हो सकती है। साथ ही बिजली की खपत भी बढ़ती है और एसी पर दबाव पड़ता है। बेहतर है कि एसी को ड्राई मोड पर चलाएं, बीच-बीच में कमरे को हवादार करें और जरूरत हो तो सीलिंग फैन का भी इस्तेमाल करें। इससे ठंडक बनी रहेगी और एसी पर लोड भी कम होगा।मानसून में एसी का इस्तेमाल बच्चों और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित है, लेकिन सही देखभाल और संतुलित इस्तेमाल के साथ। इस मौसम में हवा में नमी ज्यादा होती है, जो सांस, एलर्जी और फंगल इन्फेक्शन जैसी समस्याएं बढ़ा सकती है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम थोड़ा कमजोर होता है, इसलिए उन्हें साफ और आरामदायक वातावरण की ज्यादा जरूरत होती है।

मानसून में एसी का टेम्प्रेचर थोड़ा अलग और संतुलित रखना चाहिए। इस मौसम में वातावरण में पहले से ही नमी होती है, इसलिए बहुत कम टेम्प्रेचर (जैसे 16-20 डिग्री) पर एसी चलाना नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच होना चाहिए। इससे कमरे में न तो ज्यादा ठंडक होती है और न ही नमी बढ़ती है। साथ ही एसी की परफॉर्मेंस बेहतर रहती है, बिजली की बचत होती है। नहीं, मानसून में एसी की इनडोर यूनिट को अलग से कवर करने की जरूरत नहीं होती क्योंकि यह पहले से ही घर के अंदर सुरक्षित स्थान पर होती है और मौसम की सीधी मार से बची रहती है। जरूरत कवरिंग की सिर्फ आउटडोर यूनिट को होती है, खासकर तब जब वह खुले में लगी हो और बारिश सीधा उस पर पड़े।

स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप- आनंदकुमार ने गोल्ड जीता,ऐसा करने वाले पहले भारतीय, मोदी ने बधाई दी,कंप्यूटर साइंस से इंजीनियरिंग कर रहे हैं

नयी दिल्ली। भारत के आनंदकुमार वेलकुमार ने स्केटिंग में

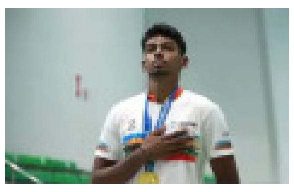

नया इतिहास रच दिया है। 22 साल के आनंदकुमार ने चीन में हुए स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वे स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।उन्होंने मेन्स सीनियर 1000 मीटर स्प्रिंट इवेंट में पहला स्थान हासिल किया। आनंदकुमार ने 1 मिनट 24.924 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड अपने नाम किया और भारत के पहले वर्ल्ड चैंपियन स्केटर बन गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आनंदकुमार की इस उपलब्धि पर बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा- 'स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में सीनियर मेन्स 1000 मीटर स्प्रिंट में गोल्ड मेडल जीतने वाले आनंदकुमार वेलकुमार पर गर्व है। उनके धैर्य, गति और जज्बे ने उन्हें भारत का पहला वर्ल्ड चैंपियन बनाया है। उनकी यह उपलब्धि अनगिनत युवाओं को प्रेरित करेगी। उन्हें बधाई और भविष्य के सभी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।' आनंदकुमार वेलकुमार तमिलनाडु के युवा स्पीड स्केटर हैं। 19 जनवरी 2003 को जन्मे आनंदकुमार फिलहाल चेन्नई के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गिंडी से कंप्यूटर साइंस में पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने 2021 जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतकर इंटरनेशनल पर पहचान बनाई और इसके बाद 2022 एशियन गेम्स में 3000 मीटर टीम रिले में ब्रॉन्ज हासिल किया।

युवराज सिंह-रॉबिन उथप्पा से ईडी पूछताछ करेगी:सट्टेबाजी एप के प्रचार का मामला; उर्वशी रोतैला को आज बुलाया

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा को प्रवर्तन

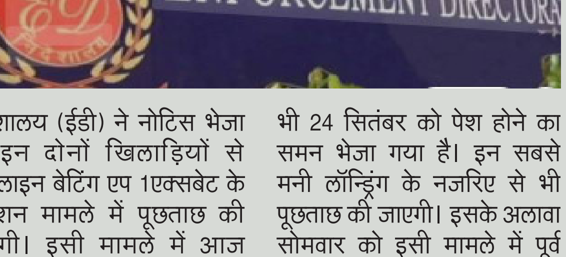

निदेशालय (ईडी) ने नोटिस भेजा है। इन दोनों खिलाड़ियों से ऑनलाइन बेटिंग एप 1एक्सबेट के प्रमोशन मामले में पूछताछ की जाएगी। इसी मामले में आज बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। रॉबिन उथप्पा को 22 और युवराज को 23 सितंबर को दिल्ली स्थित ईडी हेडक्वार्टर में अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद को भी 24 सितंबर को पेश होने का समन भेजा गया है। इन सबसे मनी लॉन्ड्रिंग के नजरिए से भी पूछताछ की जाएगी। इसके अलावा सोमवार को इसी मामले में पूर्व टीएमसी सांसद और एक्टर मिमी चक्रवर्ती का बयान भी दर्ज किया है। ईडी इस केस में शिखर धवन, सुरेश रैना और हरभजन सिंह से पहले ही पूछताछ कर चुकी है। यह जांच अवैध बेटिंग ऐप्स से जुड़ी है। कंपनी पर आरोप है कि उसने लोगों और निवेशकों से करोड़ों रुपए की ठगी की है या बड़े पैमाने पर टैक्स की चोरी की है।कंपनी का दावा है कि 1एक्सबेट एक वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त बुकी है, जो पिछले 18 सालों से बेटिंग इंडस्ट्री में है। इसके ग्राहक हजारों खेल आयोजनों पर दांव लगा सकते हैं। कंपनी की वेबसाइट और ऐप 70 भाषाओं में उपलब्ध हैं। 1एक्सबेट चांस बेस्ड गेम्स एप है।फैंटेसी स्पोर्ट्स जैसे ड्रीम-11, रमी, पोकर वगैरह सब ऑनलाइन बेटिंग एप बैन हो गए हैं। यह फैसला भारत सरकार के हाल ही में पास किए गए ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के बाद लिया गया है। इस बिल के तहत ऑनलाइन बेटिंग एप पर पूरी तरह पाबंदी है। 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने ड्रीम-11 जैसे फैंटेसी खेलों को स्किल्स का खेल बताया था। हालांकि बेटिंग एप कभी भी भारत में लीगल नहीं थे।सरकार का कहना है कि ऑनलाइन बेटिंग एप की वजह से लोगों को मानसिक और आर्थिक नुकसान हो रहा है। कुछ लोग गेमिंग की लत में इतना डूब गए कि अपनी जिंदगी की बचत तक हार गए और कुछ मामलों में तो आत्महत्या की खबरें भी सामने आईं। इसके अलावा मनी लॉन्ड्रिंग और नेशनल सिक्योरिटी को लेकर भी चिंताएं हैं। सरकार इसे रोकने के लिए सख्त कदम उठाना चाहती है। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद के मानसून सत्र में कहा था, 'ऑनलाइन मनी गेम्स से समाज में एक बड़ी समस्या पैदा हो रही है। इनसे नशा बढ़ रहा है, परिवारों की बचत खत्म हो रही है। अनुमान है कि करीब 45 करोड़ लोग इससे प्रभावित हैं और मिडिल-क्लास परिवारों के 20,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।' उन्होंने यह भी बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे गेमिंग डिसऑर्डर के रूप में मान्यता दी है। युवराज के नाम 17 इंटरनेशनल शतक युवराज सिंह ने 2007 में टी-20 और 2011 वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे। वे 2011 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने।

टेक्नोलॉजी या प्लानिंग हमें भगदड़ों से बचा सकती है

भारत दुनिया की भगदड़-राजधानी बनता जा रहा है। हर जगह भगदड़ है। धार्मिक मेलों में, खेल आयोजनों में, रेलवे स्टेशनों

पर, राजनीतिक रैलियों और यहां तक? स्कूलों में भी। जानकार लोग कहते हैं कि भगदड़ें इसलिए हो रही हैं, क्योंकि भारत की बहुसंख्य आबादी नागरिक अधिकारों के प्रति अशिक्षित है। लेकिन वे पूरी तरह से गलत हैं। भगदड़ें अशिक्षा नहीं, बल्कि अपर्याप्त और लचर भीड़-प्रबंधन के कारण होती हैं। वैसे भी, एक तरफ देश में असाक्षरता घट रही है, दूसरी तरफ भगदड़ों से होने वाले हादसे बढ़ते जा रहे हैं। धार्मिक मेलों और खेल आयोजनों में एकत्र हो रही विशाल भीड़ इस बात का संकेत है कि भारत का उभरता हुआ मध्यम वर्ग अपनी समृद्धि का उत्सव मनाना चाहता है। भारतीय बेहद धार्मिक प्रवृत्ति के हैं और धर्मावलम्बी लोग तीर्थयात्राओं पर जाना चाहते हैं। चूंकि उनकी समृद्धि बढ़ी है, इसलिए उनके पास अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए संसाधन भी हैं। शुभ अवसरों के बारे में मान्यता है कि उनमें पुण्य भी बहुत मिलता है। इसलिए धार्मिक मेलों और शुभ अवसरों पर बड़ी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं। अशिक्षा में कमी और समृद्धि में बढ़ोतरी के चलते आप मान लें कि आने वाले दिनों में यह भीड़भाड़ और बढ़ेगी। जून में आईपीएल के जश्न के दौरान बेंगलुरु में मची भगदड़ से 11 लोगों की मौत हो गई। पुरी की रथयात्रा में तीन लोग मारे गए। फरवरी में दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 18 जानें चली गईं। प्रयागराज में महाकुम्भ के दौरान कम से कम 30 लोगों की मृत्यु हो गई थी और उससे पहले जनवरी में भी तिरुपति की भगदड़ में छह लोग मारे गए थे। पिछले वर्ष भी हाथरस के एक धार्मिक कार्यक्रम में भगदड़ के बाद 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी और 150 को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इन सभी मामलों में या तो भीड़-प्रबंधन बेहद लचर था या इसका पूर्णतः अभाव था। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और दुष्कर होता जा रहा है। अच्छी बात यह है कि इंस्टैंट कम्युनिकेशन की बेहतर क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए इसका प्रबंधन कर सकते हैं। ग्रीनविच विश्वविद्यालय के फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग समूह ने व्यवहार संबंधी प्रयोगों और गणितीय मॉडलों का उपयोग कर यह समझने का प्रयास किया है कि विभिन्न परिस्थितियों में भीड़ किस प्रकार से चलती है। उन्होंने पाया कि चार व्यक्ति प्रति मीटर से अधिक घनत्व की भीड़ का मूवमेंट जोखिमपूर्ण होता है। ऐसी भीड़ में चल रहे व्यक्ति को यह नहीं दिखता कि उसके आसपास क्या हो रहा है। वह सिर्फ अपने आसपास चल रहे चंद लोगों को ही देख पाता है। उसे इस बात का जरा भी अनुमान नहीं होता कि चारों ओर भीड़ का दबाव बन रहा है। हां, सीटीसी कैमरों के जरिए भीड़ की गंभीरता की निगरानी संभव है और रियल टाइम में सुरक्षाकर्मियों और कार्यकर्ताओं को जोखिम भरे इलाकों की जानकारी दी जा सकती है। रियल टाइम डेटा से निगरानी के अलावा हमें प्रयागराज, तिरुपति, पुरी, वाराणसी, बद्रीनाथ, द्वारका जैसे धार्मिक स्थलों पर प्रवेश के नियम-कायदे बनाने होंगे। इन शहरों में स्थानीय प्रशासन को वेनिस से सीख लेनी चाहिए, जहां आने वाले दैनिक आगंतुकों से शुल्क वसूला जाता है। धार्मिक मेलों के दौरान भीड़ कम करने के लिए शुल्क बढ़ा भी दिया जाता है। भारत में तो राजनेता ऐसा शुल्क लगाने में संकोच करेंगे, क्योंकि कोई भी ईश्वर के घर में प्रवेश पर शुल्क लगाने का दोष अपने सिर नहीं लेना चाहेगा। लेकिन अगर वो ऐसा करते हैं तो इससे प्राप्त होने वाले राजस्व को धार्मिक स्थलों की बदतर हो रही बुनियादी सुविधाओं को सुधारने पर खर्च किया जा सकता है। श्रद्धालुगण भी इसकी सराहना ही करेंगे। तीर्थयात्रा से एक सप्ताह पहले पंजीकरण को अनिवार्य किया जा सकता है, ताकि आने वाले लोगों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त संसाधन लगाए जा सकें। इस समस्या का कोई एक हल नहीं है। रेलवे स्टेशन का भीड़-प्रबंधन स्कूल और खेल आयोजनों से भिन्न होता है। वैष्णो देवी और तिरुपति मंदिरों में सुबह-शाम की आरती के दौरान भीड़-प्रबंधन की तकनीक धार्मिक यात्राओं और सियासी रैलियों से अलग होती है। महत्वपूर्ण यह है कि हमें विशाल भीड़ को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। क्योंकि शहरीकरण और बढ़ती समृद्धि के कारण आने वाले समय भीड़ तो और बढ़ेगी ही। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और कठिन होता जा रहा है। पर इंस्टैंट कम्युनिकेशन की क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए प्रबंधन कर सकते हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

बिना भरोसे से क्विक कॉमर्स ने खरीदार और दुकानदारों को बदल दिया

कोविड के बाद कुछ वर्षों तक मैं परफ्यूम ऑनलाइन ही खरीदता था। क्योंकि ये सुविधाजनक था। घर पर डिलीवरी होती थी।

ऑनलाइन-ऑफलाइन की प्रक्रिया भी एक जैसी थी और ये कांच की बोतलों की सार संभाल भी कर लेते थे। लेकिन बीते एक साल से मैंने ऑनलाइन खरीदारी बंद कर दी। क्योंकि कुछेक बार मुझे खराब अनुभव हुआ। मंगाया गया सामान मुझे नहीं मिला, बोतलें टूटी हुई और दूसरे फ्रेगरेंस की बोतल भेज दी गई। इसे बदलने में भी बहुत समय लगा, जिसके कारण मेरा ब्लड प्रेशर बढ़ गया। इसने मुझे कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी) मोड पर खरीदने के लिए मजबूर किया। लेकिन क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म सीओडी मोड पर ज्यादा पैसे लेने लगे। उन्होंने 50 रुपए तक के कई अतिरिक्त शुल्क भी जोड़ना शुरु कर दिया। इसीलिए मैं सभी गैर जरूरी चीजें अपनी यात्राओं के दौरान हवाई अड्डों पर स्थित दुकानों से खरीदने लग गया। बोर्डिंग गेट पर इंतजार के वक्त मुझे कभी नहीं लगा कि मेरा समय व्यर्थ हो रहा है। इसके अलावा उन दुकानों पर टेस्टर भी उपलब्ध थे, जिससे मुझे सही फ्रेगरेंस चुनने में सहायता मिलती थी। ऐसा मैं अकेला नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के एक पूरे वर्ग को तत्काल डिलीवरी मांगने पर बिल में जोड़े गए शुल्क चुभने लगे हैं। बाजार के बड़े हिस्से पर दबदबा रखने वाले प्लेटफॉर्म बिल में कई सारे शुल्क जोड़ने लग गए हैं, जैसे हैंडलिंग चार्ज, डिलीवरी चार्ज, स्मॉल कार्ट शुल्क, बरसात का शुल्क और कभी-कभी सर्ज फीस। इससे वाकई में बिल बहुत बढ़ जाता है। इसका परिणाम यह हुआ कि हमारे घरों के आसपास के स्थानीय दुकानदारों ने अब अपनी रणनीति बदल दी। वे अब क्विक कॉमर्स से भी अधिक त्वरित हो गए हैं। उन्होंने डिलीवरी करने वाले लड़कों में निवेश किया और वो चाहते हैं कि पड़ोस के ग्राहक सिर्फ उनसे ही सामान खरीदें। वे अपने दिमाग में एक नक्शा बना लेते हैं कि वे कहां तक सामान की डिलीवरी कर सकते हैं। और वो ऐसा इसलिए करते हैं ताकि उनकी बिक्री चलती रहे। जाहिर है कि ये दुकानदार डिलीवरी करने वाले लड़कों की तनख्वाह पर खर्च के लिए तैयार हैं और इस खर्च की भरपाई के लिए वे अधिक से अधिक इलाकों में पहुंच बनाते हैं। इससे उनकी बिक्री बढ़ती है। इस उपाय से उनकी दुकानों पर भी व्यस्तता रहने लगी है, जो पहले सिर्फ वहां तक आने वाले ग्राहकों की सेवा तक ही सीमित थीं। खरीदारों की आदत में एक बड़ा बदलाव यह भी आया है कि वे अब कुछेक ऑर्डर एक साथ मिला कर खरीदारी करते हैं, ताकि हर ऑर्डर पर अतिरिक्त शुल्क देने से बचा जा सके। इन दिनों डिलीवरी बॉय बड़े थैलों के साथ आते है, जो महज छह माह पहले तक छोटे–छोटे थैले लेकर आते थे। पहले ग्राहक यह नहीं देखते थे कि वे क्विक कॉमर्स के जरिए कितनी बार ऑर्डर कर रहे हैं। लेकिन अब ये आदत नहीं रही। आपात स्थिति में टमाटर, कढ़ी पत्ता जैसी सब्जियां और अन्य उपभोग की चीजें अब समीप के दुकानदारों से ली जा रही हैं, जो इन्हें 10 मिनट डिलीवरी प्लेटफॉर्म से भी अधिक तेजी से पहुंचाने के लिए तैयार हैं। ये उन प्लेटफॉर्म्स के लिए भी सुविधाजनक है, जो कम मूल्य की उन छोटी-छोटी खरीदारियों को हतोत्साहित करना चाहते हैं, जो शुरुआती तौर पर हमें आलसी बनाने के लिए थीं। चूंकि हम उपभोक्ता जल्दी से आलस्य की बीमारी में फंस गए तो इन प्लेटफॉर्म ने अपनी तिजोरी भरने के लिए कई प्रकार के शुल्क लगाना शुरू कर दिया। और अंत में यह चक्र पूरा हुआ। ग्राहक अब भी आलसी बने हुए हैं और सामान खरीदने के लिए घर से बाहर नहीं जाना चाहते। दुकानदारों ने डिलीवरी प्लेटफॉर्म की ओर चले गए उपभोक्ताओं को वापस लाने के लिए डिलीवरी बॉय की सेवाएं जोड़ दीं। कुछ ग्राहक बाहर जाकर सामान खरीदने को तैयार हो रहे हैं। और प्लेटफॉर्म उन अमीर ग्राहकों को सेवा देकर खुश हैं, जो घर पर बैठकर सामान अपने दरवाजे पर मंगाना चाहते हैं। फंडा यह है कि इससे पहले कि खरीदारी के ये आधुनिक साधन हमारी जेब से ज्यादा पैसा ले उड़ें, हमें उस आपसी भरोसे और व्यक्तिगत संबंधों की ओर वापस लौटना होगा, जो कभी हम दुकानदारों के साथ रखते थे।

आपके रसोईघर के उपकरण बहुत जल्दी क्यों चलन के बाहर हो जा रहे हैं?

अगर आप मुंबई में मेरे दोस्त अंजन मुखर्जी के पास संडे-ब्रंच के लिए जाते हैं तो वे यह सुनिश्चित करेंगे कि आप उनकी छत पर बैठकर एक गिलास बीयर या मौसम के हिसाब से गर्म सूप की चुस्कियां लें। यह उनकी पुरानी आदत है। मैं पिछले 30 सालों से उन्हें जानता हूं और उस ब्रंच में उनकी सबसे पुरानी आदत यह है कि वे बीयर की बोतलें 1990 के दशक के गोदरेज के लाल रंग के 165 लीटर के फ्रिज से निकालते हैं।खाना गर्म करने वाला उनका ओवन भी पिछली सदी का है। उनकी छत और छत तक जाने वाली सीढ़ियों पर रखी गई ज्यादातर चीजें अपनी उम्र से ज्यादा पुरानी हो चुकी हैं, फिर भी वे निष्ठापूर्वक उनकी सेवा करती हैं। हो सकता है कि वे चमचमाती हुई न हों। लेकिन वे अपना काम अच्छे से कर रही हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि मेरे और आपके घरेलू उपकरण जल्दी क्यों खराब हो रहे हैं? यह न कहें कि हमारे पास पुराने उपकरणों को रखने के लिए अंजन जैसी जगह नहीं है। यह सच नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने आधुनिक उपकरणों की तुलना अंजन की छत पर रखे 30 साल पुराने फ्रिज या 25 साल पुराने ओवन से करना बंद नहीं किया है। और इसे मनोवैज्ञानिक अप्रचलन कहते हैं! मनोवैज्ञानिक अप्रचलन का अध्ययन

करने वाले और कई गैजेट के डिजाइन पर काम करने वाले लोगों का कहना है कि लोग काम कर रही मशीनों को भी बदल देते हैं क्योंकि उन्हें नए और ट्रेंडी या दोस्तों के बीच सबसे फैशनेबल टैग वाले उत्पाद चाहिए। लोग केवल किसी सामान के टूट जाने या खराब होने पर ही उसे नहीं बदलते हैं। वे इसलिए भी पुरानी चीजों को बदल देते हैं, क्योंकि नया सामान ज्यादा आकर्षक दिखता है, ज्यादा हाई-टेक होता है या वो बस उनकी दीवार के रंग से मेल खाने वाला होता है। डिजाइनर्स इस कमजोरी को जानते हैं और इसलिए वे लगातार नए लुक में सामान बनाते रहते हैं। यह उत्पादों के रिप्लेसमेंट को बढ़ावा देने और बिक्री बढ़ाने की एक सरल मार्केटिंग रणनीति है। मैंने कई तकनीशियनों से बात की, जिनके नंबर मेरे मोबाइल में इतने सालों से मेरे घरेलू उपकरणों की मरम्मत के चलते दर्ज हो गए हैं, और उन्होंने मुझे एक आश्चर्यजनक उत्तर दिया। शहर में आज भी ऐसे बेबी बूमर्स (1946 से 1964 के बीच जन्मे लोग) हैं, जिन्हें वे रिपेयरिंग सेवाएं दे रहे हैं और जिनके पास अभी भी पिछली सदी के उपकरण चल रहे हैं। एक कोरियाई कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले नरेंद्र कहते हैं, जब मैं उनके रसोई के उपकरण खोलता हूं तो अपने इंजीनियरिंग कौशल को बेहतर बना रहा होता हूं और पुराने उपकरणों की मरम्मत करने के सबसे महत्वपूर्ण कारणों में यह भी एक है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक उपकरण लंबे समय तक चलने के लिए नहीं बनाए जाते। यही कारण है कि कई उत्पादों में वारंटी और एक्सटेंडेड वारंटी भी 4 साल से अधिक नहीं होती है। पिछले कुछ वर्षों में उपकरणों को ठीक करने के लिए आसानी से मिलने वाले कई पुर्जों को डिजिटल से बदल दिया गया है, जो कि प्रोपराइटरी संस्करण होते हैं और उनकी मरम्मत नहीं किया जा सकती। रिपेयरिंग के महंगे हो जाने का एक कारण यह भी है। कुछ उत्पादों का औसत जीवन बढ़ा है तो कुछ में इसमें खासी कमी आई है। अगर आप चाहते हैं कि आपके घरेलू उपकरण अपने औसत जीवन तक चलें तो ये ट्रिक्स आजमाएं : 1. एप्लायंसेस में ऐसे फीचर्स भी होते हैं, जिनका कोई शायद ही कभी उपयोग करता है या उन्हें समझता भी नहीं है। फिर आप उन्हें खरीदते ही क्यों हैं। नए रिलीज किए गए मॉडल को खरीदने से पहले दो बार सोचें। 2. एक्सटेंडेड वारंटी और नियमित रखरखाव में निवेश करें, ठीक उसी तरह जैसे आप हर तीन महीने में अपनी कार का मेंटेनेंस करते हैं। 3. यदि कोई छोटी-मोटी खामियां हैं तो उनके साथ जीना सीखें।

अमेरिका और चीन के बीच हम क्या रणनीति अपनाएं?

2014 से 2018 के बीच शी जिनपिंग ने भारत को अमेरिका के भू-राजनीतिक घेरे से निकाल बाहर करने की भरसक कोशिशें की थीं। सितंबर 2014 में वे

अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट के सामने नरेंद्र मोदी के साथ झूले पर बिना किसी वजह के नहीं बैठे थे।2008 में वुहान और 2019 में महाबलीपुरम में हुई समिट्स में उन्होंने दो और प्रयास किए। इन प्रलोभनों के अलावा शी ने ताकत की आजमाइश करने की भी कोशिश की। इसका सबूत डोकलाम था। लेकिन कोई कवायद काम नहीं आई। भारत अमेरिका के खेमे में बना रहा। 2020 में गलवान की घटना हुई। भारत-चीन संबंधों को फिर से सामान्य होने में पांच साल लग गए।आखिर चीन भारत को अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गठबंधन से दूर क्यों रखना चाहता है? दलाई लामा पर आक्रामक बयानबाजी और अरुणाचल प्रदेश में जिलों के नाम बदलने की हिमाकतों के बावजूद शी को पता है कि अमेरिका, चीन और भारत के बीच विकसित हो रहे त्रिकोण में भारत एक तीसरा महत्वपूर्ण कोण है।अमेरिका को भी यह बात मालूम है। यही कारण है कि ट्रेड-वॉर की पेचीदगियों के बावजूद प्रतिरक्षा, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत-अमेरिका साझेदारी और गहरा रही है। हालांकि, अमेरिका इस बात से भी चिंतित हो सकता है कि भारत अगला चीन बन सकता है।वो जानता है कि आज भारत की जीडीपी उतनी ही है, जितनी कि 2008 में चीन की थी। यदि भारत अपनी वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर को 8 प्रतिशत तक बढ़ाता है, तो उसकी अर्थव्यवस्था 18 वर्षों में चौगुनी होकर 16 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी- जो आज चीन की अर्थव्यवस्था के लगभग बराबर होगी।बेशक अमेरिका के लिए भारत, चीन की तुलना में अलग तरह की चुनौतियां और लाभ प्रस्तुत करता है। यह चीन के उलट एक लोकतांत्रिक देश है। इसमें स्वतंत्र मीडिया और एक पारदर्शी न्यायपालिका है। कई मायनों में भारत की विविधता अमेरिका के अनुरूप है।इसलिए अमेरिकी थिंक टैंकों का मानना है कि एक ध्रुवीकृत दुनिया में भारत उनका आदर्श सहयोगी साबित होगा। लेकिन अमेरिका की फितरत यह है कि वह अपने प्रतिस्पर्धियों की नकेल कसने के बारे में सोचता रहता है, फिर चाहे वे आज के हों या आने वाले कल के।यही कारण है कि उसने 1990 के दशक से 2025 तक सोवियत संघ के बाद वाले रूस को घेरने के लिए नाटो के धीरे-धीरे बढ़ते विस्तार का इस्तेमाल किया था। रूस-यूक्रेन युद्ध के मूल में अमेरिका की यही नीति है। रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिससे चीन पर उसकी निर्भरता बढ़ गई है। शीत युद्ध के दौर के अपने प्रतिद्वंद्वी को कमजोर करने के बाद अब अमेरिका ने अपना ध्यान चीन की ओर लगाया है। लेकिन चीन रूस की तुलना में अलग तरह का खतरा पेश करता है। ईवी, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई में चीन की बढ़त अमेरिकी आधिपत्य को चुनौती देती है। 2035 तक भारत की अर्थव्यवस्था 8 ट्रिलियन की हो जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया है कि भारत ने दशकों से चली आ रही अपनी शांतिवादी छवि को त्यागा है। अब पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद का मुकाबला सैन्य-कार्रवाई से किया जाएगा। यह अमेरिका को चिंतित करता है। यही कारण है कि वह भारत को तंग करने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल करता है। भारत-उदय का डर बीजिंग को भी परेशान करता है, अलबत्ता पूरी तरह अलग कारणों से। अमेरिका की तरह चीन भी भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार का दोहन करना चाहता है। लेकिन भारत की बढ़ती ताकत उसे खटकती है। शक्तिशाली भारत के प्रति चीन का डर अमेरिका की तुलना में ज्यादा तात्कालिक है। ऐसे में भारत की रणनीति क्या होनी चाहिए? त्रिभुज के तीसरे कोण के रूप में भारत एक अच्छी स्थिति में है। हम चीन को दूर रखते हुए अमेरिका के साथ अपनी आर्थिक, तकनीकी और रक्षा साझेदारी को गहरा कर सकते हैं, लेकिन बीजिंग को भी भारत के बढ़ते उपभोक्ता बाजार का स्वाद चखने का मौका दे सकते हैं। अमेरिकी बाजार में प्रमुख चीनी निर्यात के लिए जगह नहीं होने के कारण बीजिंग को जल्द से जल्द विकल्प तलाशने की जरूरत है। आसियान और ईयू- दो विकल्प हैं। लेकिन चीन पहले से ही आसियान के साथ भारी व्यापार कर रहा है, जिससे उसका लाभ सीमित हो रहा है।इधर यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद ईयू के साथ संबंध खराब हो गए हैं। इस भू-राजनीतिक भूलभुलैया में भारत के पास कुछ महत्वपूर्ण कार्ड हैं। लेकिन अगले दशक की प्रमुख शक्ति के रूप में उभरने के लिए उसे रणनीतिक रूप से कदम बढ़ाने होंगे। अमेरिका, चीन और भारत के बीच विकसित हो रहे त्रिकोण में भारत तीसरा कोण है। अमेरिका को यह बात मालूम है। भारत-अमेरिका साझेदारी गहरा रही है। हालांकि अमेरिका इससे भी चिंतित है कि भारत अगला चीन बन सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं 'मिन्हाज मर्चेंट')

क्या आपकी कंपनी मोमेंट मार्केटिंग के साथ विज्ञापन में बेहतर है?

तकरीबन तीन हफ्ते पहले हिंद महासागर में एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स से उड़ान भरने के दौरान ब्रिटेन का लड़ाकू विमान

एफ-35बी खराब मौसम के कारण डायवर्ट हो गया था। जब वह वापस विमानवाहक पोत पर नहीं लौट पाया तो केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। कम से कम 110 मिलियन डॉलर का ये विमान तब से ही वहां मरम्मत के लिए खड़ा था। इंजीनियरों के कई प्रयासों के बावजूद ये ठीक नहीं हो पाया।यूके रॉयल नेवी को किसी भी शर्मनाक स्थिति से बचाने के लिए इस शनिवार तक इंजीनियरों की टीम जब विमान को फिर शुरू करने के अथक प्रयास कर रही थी, इसी बीच केरल की मार्केटिंग टीमें, मीम मेकर्स तेजी से सक्रिय हो गए।केरल पर्यटन विभाग ने शुरुआत की। अपने स्लोगन 'गॉड्स ओन कंट्री' के प्रमोशन में यूके की आपदा को, विभाग ने खुद के लिए अवसर में बदल लिया। पर्यटन विभाग ने एआई से बनाया पोस्टर लॉन्च किया। इसमें कीमती विमान को लेकर मजाकिया 'रिव्यु' लिखा।मानो विमान खुद कह रहा हो, 'केरल शानदार जगह है, मैं यहां से जाना नहीं चाहता। मैं निश्चित ही इस जगह को फाइव स्टार रेटिंग दूंगा।' पोस्टर के नीचे एक कैप्शन लिखा था 'केरल-ऐसी जगह, जहां से आप कभी जाना नहीं चाहेंगे।' ये पोस्ट तत्काल वायरल हो गई और लोगों का ध्यान खींचने लगी। इंटरनेट पर सक्रिय लोगों ने इसे लेकर खूब मजाकिया टिप्पणियां की। शीघ्र ही कई अन्य लोगों ने भी ऐसा करना शुरू कर दिया। गैजेट की एक छोटी दुकान ने भी इसी चित्र को जुलाई की बिक्री बढ़ाने के लिए काम में लिया, जो बरसाती मौसम में हमेशा घट जाती थी। 'क्या हुआ जो ये टूट गया, इसे जोड़ना क्या हमारा काम नहीं है?'इस विज्ञापन उत्सव में खाने के ब्रांड भी शामिल हो गए। एक विज्ञापन में जेट ने एक फूड ब्रांड को भी फाइव स्टार रेटिंग दी और इसमें कहा 'पवन फूड ने मेरी यात्रा को जायकेदार बना दिया। हर निवाले में घर जैसा स्वाद।' एक अन्य ने भी इस चित्र के साथ जोड़ा 'बहुत महंगा टी ब्रेक, दुनिया का अत्याधुनिक जेट भी खुद को केरल में ठहरने से नहीं रोक पाया। अच्छा नाश्ता आपके साथ ऐसा ही करेगा।' फेस टिश्यू बेचने वाली कंपनी ने पसीने से तरबतर पायलट को तरोताजा रखने को लेकर मजाक किया। उसने कहा 'सबकुछ योजना के अनुसार ही नहीं होता, जरा जेट से पूछिए।पर अच्छी बात है कि तरोताजा रहना तो आपके हाथ में है।' सब्जी बाजार ने एआई इमेजेस का उपयोग किया, जिनमें पायलट एक हाथ में गोभी, दूसरे में टोकरी लिए सब्जी ले रहा है। शिक्षण संस्थानों ने दावा किया कि पायलट इसलिए उतरा, क्योंकि वह उनके यहां एक कोर्स की पढ़ाई करना चाहता है। हालांकि विमान का असली पायलट तो कभी का वापस जा चुका था।वैवाहिक सेवाएं देने वाले पायलट के लिए उत्तम जोड़ी ढूंढ़ने लगे और पीवीसी पाइप निर्माता कंपनी ने जेट के लिए एक बरसात रोधी शेल्टर बनाने की पेशकश की। जब सभी लोग जेट के चित्र के साथ हो हल्ला कर रहे थे तो केरल का डेयरी विभाग कहां चुप रहने वाला था। उसने नारा दिया 'चलिए, आखिरकार कौन एक कूल ब्रेक लेना नहीं चाहेगा?' इसे मोमेंट मार्केटिंग कहा जाता है, जो डिजिटल मार्केटिंग की एक प्रमुख रणनीति है।इसके जरिए हम रचनात्मक तरीके से तात्कालिक घटनाओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी क्रिएटिव टीम में थोड़ी परिस्थिति संबंधी बुद्धिमता है, यानि उसमें ट्रेंडिंग या घट रही स्थितियों पर रचनात्मक मजाकिया वन लाइनर बनाने का गुण है तो आपका ब्रांड इंटरनेट पर मौकों को भुना सकता है और डिजिटल यूजर्स के दिमाग में जगह बना लेगा। और यही किसी विज्ञापन का सबसे महत्वपूर्ण काम होता है।सोचिए कि आपकी टीम मोमेंट मार्केटिंग में कितनी बेहतर है। अमूल एक राष्ट्रीय ब्रांड के तौर पर हर सप्ताह ऐसा कर रहा है। यह समाचारों में ट्रेंड कर रही किसी चीज को फिर से छूता है, इससे उपभोक्ताओं से जुड़ाव में सहायता मिलती है और उसे ट्रेंडिंग विषय को फिर से याद दिलाता है।फंडा यह है कि ग्राहक के दिमाग में चीजें बैठा देना ही मार्केटिंग है और इसके लिए मोमेंट मार्केटिंग से बेहतर क्या हो सकता है।

मार्केटिंग सही हो तो आप कुछ भी, किसी भी कीमत पर बेच सकते हैं

यदि आप उनमें से हैं, जो रेसिंग के बारे में कुछ नहीं जानते तो बीते सप्ताहांत रिलीज हुई 'एफ 1: द मूवी', फॉर्मूला वन की दुनिया जानने के लिए अच्छी फिल्म हो सकती है। हो सकता है फिल्म की कुछ तकनीकी शब्दावली समझ में ना आए, लेकिन देखने में ये इतनी मनमोहक है कि आप 2.36 घंटे तक कुर्सी से नहीं हिल पाएंगे। क्योंकि उन्होंने इसे मैक्स वेर्स्टाप्पेन, चार्ल्स लेक्लर्क और लुईस हैमिल्टन जैसे वास्तविक ड्राइवर्स के साथ फिल्माया है। फिल्म 2023 व 2024 की असली रेसिंग के दौरान फिल्माई गई थी। इसकी ध्वनि आपको जोश से भर देगी। निर्माताओं ने रेसिंग के लिए एक 'उत्तम' कार बनाने के? आवश्यक तकनीकी पहलुओं और उसके पीछे की भौतिकी को भी छुआ है।वास्तव में यह रेसिंग की दुनिया का बेहतरीन परिचय देती है। ब्रैड पिट और डैमसन इदरीस ने अपने किरदारों को इतने प्रभावशाली ढंग से निभाया है, जो लोगों को एफ1 के बारे में जानने के लिए उत्सुक करते

हैं। लेकिन इस फिल्म को देखते वक्त मुझे जरा भी अहसास नहीं हुआ ?कि पॉपकॉर्न की एक बड़ी बकेट के पीछे भी लाखों रुपए का व्यापार छिपा है।पॉपकॉर्न कई दशकों से मूवी थिएटरों और प्रदर्शनकर्ताओं की आय का प्रमुख जरिया रहे हैं। अब जिस बकेट में ये रखे जाते हैं, वह भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो रही है। इसी से पूरी दुनिया में थिएटर व्यवसाय फलफूल रहा है। यह मुझे कल तब महसूस हुआ जब मेरे कजिन भाई के बेटे ने अमेरिका से बात की और 'एफ 1: द मूवी' देखने के अपने अनुभव बताए।वह इस फिल्म को तीन बार देख चुका है। इसलिए नहीं कि उसे फिल्म का नायक ब्रैड पिट बहुत पसंद है, बल्कि इसलिए कि पहले दो बार उसे नई एफ 1 पॉपकॉर्न बकेट नहीं मिल पाई थी, क्योंकि थिएटर में यह खत्म हो चुकी थीं। यह बकेट और कुछ नहीं, बल्कि हेलमेट की तरह दिखती हैं, जिनमें आप पॉपकॉर्न रख सकते हो। लेकिन इनकी कीमत 25 से 85 डॉलर तक होती है, जो इस बात पर निर्भर करती है कि कोई कौन-सा पेय और उत्पाद खरीद रहा है।जी हां, लोग इस प्लास्टिक कचरे के लिए इतनी बड़ी कीमत चुकाते हैं, जिसे आप और हम अपने गैरेज में रखना भी पसंद नहीं करें। उस लड़के के पास 18 ऐसे पॉपकॉर्न कंटेनर हैं, जो बीते कुछ वर्षों में थिएटर और फिल्मों के मालिकों ने लॉन्च किए थे। गूगल पर पॉपकॉर्न बकेट सर्च करो। ये शिपिंग समेत 124.99 डॉलर यानि तकरीबन 10 हजार रुपए से अधिक कीमत पर ऑनलाइन स्टोर्स में उपलब्ध हैं।थिएटर्स ने पॉपकॉर्न बकेट को भुना लिया है। वे बड़ी फिल्मों को देखने की जल्दबाजी का भाव पैदा करने और आपके थिएटर संबंधी अनुभवों में कुछ मूल्य जोड़ने के लिए इन विशेष वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं। मैं नहीं जानता कि अंधेरे में एक कंटेनर से पॉपकॉर्न खाने का अनुभव कैसा होता होगा। लेकिन मुझे भरोसा है कि इससे फिल्म प्रदर्शित करने वालों की आमदनी जरूर बढ़ रही है।फिल्म निर्माता कंपनियों और थिएटर मालिकों को लगता है कि इन विशेष पॉपकॉर्न बकेट्स से दर्शकों की यात्रा में अहमियत जुड़ती है और वापस जाते वक्त उनके पास एक मेमोरी होती है, जिसे वे घर में सजा सकते हैं।

रेप, महिलाओं के स्तन काटे, निजी अंगों में गोली मारी, दलितों की हत्या के आरोपी 45 लेकिन दोषी 0

पटना। राबड़ी देवी को बिहार की मुख्यमंत्री बने पांच महीने भी नहीं हुए थे। लालू यादव चारा

घोटाले में जेल में बंद थे। सरकार कांग्रेस के बाहर से समर्थन के सहारे चल रही थी। ये अलग बात है कि उसके सभी 29 विधायक मंत्री बन गए थे। बिहार का जहानाबाद जिला। साल था 1997 और तारीख 1 दिसंबर। ठिठुरती सर्दियों वाली रात के करीब 9 बज रहे थे। 30-35 लोग बात करते हुए तेजी से सोन नदी की तरफ बढ़ रहे थे। हाथों में बंदूक, तलवार, गड़ासा और लाठी-डंडे थे। कुछ ही मिनटों में वे नदी के पास पहुंच गए। दो-तीन लोगों ने आवाज लगाई- 'अरे कोई नाव वाला है क्या?' एक मल्लाह भागता हुआ आया, लेकिन हथियारबंद लोगों को देखकर डर गया। कांपते हुए बोला- 'साहबष्ठ इतनी रात कहां जाएंगे। सभी नावें तो किनारे बंधी हैं।' 'तो खोल दो ना, हमें नदी पार करना है। दो-तीन और नाव वालों को बुलाओ।' 40-45 साल का अधेड़ कंधे पर बंदूक की बेल्ट ऊपर सरकाते हुए बोला। मल्लाह ने आवाज लगाई- 'अरे सुन रहे होष्ठ साहब लोग को उस पार जाना है, जल्द नाव लेकर आओ।' कुछ ही मिनटों में 4 मल्लाह 2 और नाव लेकर आ गए। सभी लोग 3 नावों में बैठ गए। एक घंटे के सफर के बाद नाव उस पार पहुंच गई। वहां पहले से 50-60 हथियारबंद लोग इनका इंतजार कर रहे थे। अब इनकी तादाद 100 के करीब हो गई। सभी घेरा बनाकर आपस में बात करने लगे। तभी एक आदमी बोल पड़ा- 'इन मल्लाहों को खत्म करो, वर्ना राज खुल जाएगा।' 10-15 लोगों ने पांचों मल्लाहों को दबोच लिया। हाथ-पैर बांध दिए। 30-35 साल के एक शख्स ने तलवार उठाई और एक मल्लाह की गर्दन पर दे मारी। वह चीख उठा। हमलावर ने फिर से उसकी गर्दन पर जोर से वार किया। मल्लाह की गर्दन कटकर लटक गई। अब भीड़ में शामिल 5-6 लोग तलवार लेकर बाकी मल्लाहों पर झपटे। मल्लाह बिलखने लगे- 'साहब... छोटा-छोटा बच्चा है। उनको कौन देखेगा। हम किसी से कुछ नहीं कहेंगे। मत मारो हमें।'

हमलावर नहीं रुके। उन्होंने बाकी चारों मल्लाहों की भी गर्दन उतार दी। नावों में खून फैल गया। आसपास की रेत भी खून से सन गई। एक हमलावर बोला- 'बोरी में भर लें क्या इन्ॅक्ष्ड्ढ को।' दुबले कद काठी का एक अधेड़ बोल पड़ा- 'अरे नहींष्ठ सबको किनारे फेंक दो। जितनी लाशें दिखेंगी, उतना ही बढ़िया रहेगा।' अब हमलावरों का झुंड आगे बढ़ा। सामने लक्ष्मणपुर बाथे नाम का गांव था। इसके एक हिस्से में दलितों की बस्ती है और दूसरे हिस्से में सवर्णों के घर। दलितों के घर मिट्टी के बने थे। उनके घरों में दरवाजे तक नहीं थे। अब रात के साढ़े 10 बज चुके थे। ये लोग तेजी से दलित बस्ती की तरफ चल दिए। 10-15 लोगों का गुट बनाया और अलग-अलग घरों में फायरिंग करते हुए घुसने लगे। एक घर के बरामदे में 3 लोग सो रहे थे। पति-पत्नी और बेटी। गोलियों की आवाज सुनकर पति दीवार फांदकर भाग गया, लेकिन उसकी पत्नी और बच्ची पकड़े गए। एक हमलावर ने दोनों पर बंदूक तान दी। तभी पीछे से

दूसरा बोल पड़ा- 'अरे गोली बर्बाद मत करो। तलवार से काट दो।' हमलावर ने महिला की छाती पर तलवार मार दी। वो जमीन पर धड़ाम से गिर पड़ी। दूसरे ने महिला की गर्दन पर तीन-चार बार वार किया। उसकी गर्दन कट गई। इसी बीच एक हमलावर ने उसकी बेटी को दबोच लिया। वो कांपने लगी। कहने लगी- 'भईया हमरा के मत मार.. छोड़ द.. हम तोहरा गोड़ पर गिरत बानी।' हमलावर दांत पीसते हुए बोला- '@#%^& तुम्हें गवाही देने के लिए छोड़ दूं।' उसने लड़की को जोर से तीन-चार थप्पड़ जड़े। धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और रेप करने लगा। वो लगातार चीखती रही। फिर दूसरे हमलावर ने भी उसकी इज्जत लूट ली। फिर उसके शरीर के निचले हिस्से में गोली मारकर आगे बढ़ गया। 40-45 साल की महिला अपने पति, देवर और दो बच्चों के साथ

डरकर कोने में छिपी थी। हमलावर ने उसके पति पर तलवार से वार किया। उसका हाथ कटकर लटक गया। वो जमीन पर गिर पड़ा। तड़पने लगा। इसी बीच दोनों बच्चे और उसका देवर भागने के लिए जैसे ही आगे बढ़े, पीछे से दूसरे हमलावरों ने फायरिंग शुरू कर दी। किसी के सीने में गोली लगी, तो किसी के सिर के आर-पार हो गई। तीनों वहीं खत्म हो गए। अपनी आंखों के सामने अपने ही बेटों का कत्ल महिला से देखा नहीं गया। वो दहाड़ मारकर चीखने लगी। तभी एक हमलावर ने उसके पति की गर्दन पर तलवार मार दी। खून के छींटे दीवारों पर पड़े। दूसरे हमलावर ने उसके हाथ-पैर काट दिए। कुछ ही मिनटों में वह तड़प-तड़पकर शांत पड़ गया। अब 4-5 हमलावर महिला को घसीटते हुए आंगन में ले गए। वो बदहवास चीख रही थी। एक हमलावर बोला- 'अरे ईॅक्ष्ड्ढ बहुत चिल्ला रही। मुंह में कपड़ा भर दो।' एक ने गमछा फाड़ा और महिला के मुंह में ठूंस दिया। दो-तीन हमलावर उसकी साड़ी खींचने लगे। फिर सबने बारी-बारी उसका रेप किया। इसी बीच एक हमलावर बोल पड़ा- 'देखना ये बचनी नहीं चाहिए।' हमलावर ने महिला की छाती पर दो-तीन गोलियां मारीं और चलते बने। एक घंटे बाद दीवार फांदकर भागने वाला शख्स रोते-बिलखते घर लौटा। टॉर्च जलाकर देखा- बरामदे में उसकी पत्नी की कटी-फटी लाश पड़ी थी। हर जगह खून फैला था। कमरे में उसकी बेटी की लाश पड़ी थी। छाती और कमर के नीचे वाले हिस्से से खून बह रहा था। वह सिर पकड़कर बैठ गया। फिर लड़खड़ाते हुए उठा। आगे बढ़ा और टॉर्च जलाई। दूसरे कमरे में उसके दो बेटे और दो पोतों की लाश पड़ी थी। और आंगन में बिन कपड़ों के बहू की लाश। वह बदहवासी में चीखते हुए घर से बाहर निकला। बगल के घर में गया। देखा वहां 5 लोगों की लाशें इधर-उधर बिखरी पड़ी थीं। किसी को गोली मारी गई थी, तो किसी को तलवार-गड़ासे से काटा गया था। 25-30 साल की एक महिला के स्तन काट दिए थे। पेट भी कटा हुआ था। पास ही खून से सना मांस का लोथड़ा पड़ा था। वह चीख उठा- 'अरे ये तो पेट से थी। दरिंदों ने इसे भी मार डाला।' थोड़ी देर बाद कई घरों से रोने-बिलखने की आवाज आने लगी। गांव में हाहाकार मच गया कि नरसंहार हो गया है। दर्जनों लोग मार दिए गए हैं। कई घरों में तो कोई बचा ही नहीं था। कुछ घरों में तो 8-9 लोग तक मारे गए थे। गांव की गलियों में लाशें बिखरी पड़ी थीं। रात करीब 2 बजे औरंगाबाद के एसपी गुप्तेश्वर पांडे 4 पुलिस वालों के साथ लक्ष्मणपुर बाथे पहुंचे। वे घर-घर जाकर लाशें गिनने लगे। एक, दो,

तीन, चार.... 34 तक पहुंचने के बाद उनकी सांसें फूलने लगीं। सर्दी वाली रात में भी पसीना आने लगा। खुद को संभालते हुए उन्होंने कॉन्स्टेबल से कहा- 'पुलिस

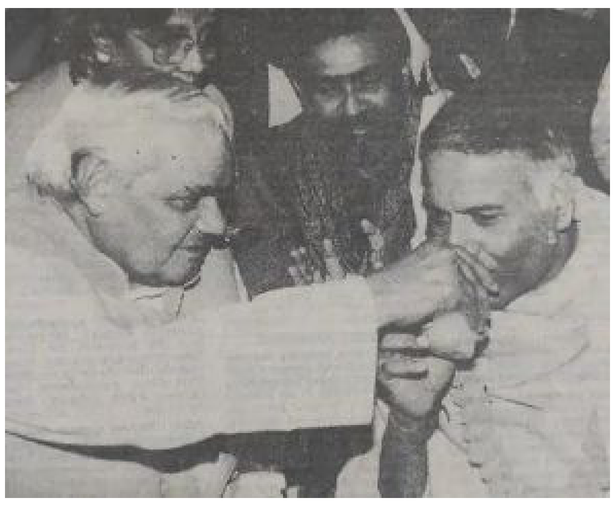

मुख्यालय फोन लगाओ।'

कॉन्स्टेबल ने फोन लगाकर एसपी को दे दिया। वे बोले- 'यहां बहुत बड़ा नरसंहार हो गया है। भारी संख्या में पुलिस-फोर्स भेजिए।' सुबह 5 बजे मेहंदिया थाने की पुलिस गांव पहुंची। ऑफिस इंचार्ज एघ अखिलेंद्र सिंह और SI अजय कुमार ने एक-एक करके लाशें गिनीं। 53 लोगों का नरसंहार हुआ था। सभी के सभी दलित। 32 महिलाएं और 10 बच्चे। कई बच्चों की उम्र दो साल से भी कम थी। 5 लड़कियों-महिलाओं के शरीर पर ना के बराबर कपड़े थे। ये बिहार का सबसे बड़ा दलित नरसंहार था। राष्ट्रपति के. आर नारायणन को पता चला, तो बोल पड़े- 'ये तो राष्ट्रीय शर्म की बात है।' ये वो दौर था, जब बिहार में पिछले 5 साल में 4 बड़े नरसंहार हो चुके थे। 1992 में गया जिले के बारा गांव में 34 भूमिहारों की हत्या कर दी गई थी। आरोप माओवादी संगठन MCC पर लगा। आरोपियों में ज्यादातर दलित थे। कहा गया कि लक्ष्मणपुर बाथे उसी नरसंहार का बदला था। नरसंहार के अगले दिन यानी 2 दिसंबर की सुबह अरवल और जहानाबाद से भी पुलिस लक्ष्मणपुर बाथे पहुंच गई। मीडिया वाले पहुंच गए। गांव छावनी में बदल चुका था। SI अखिलेंद्र सिंह ने पूछा- 'ये नरसंहार किसने किया, किसी ने हमलावरों को देखा क्या?' भीड़ से निकलकर बिनोद पासवान नाम का शख्स बिलखते हुए बोला- 'साहबष्ठ मैंने देखा है।' एसआई - 'क्या देखा, पूरी बात बताओ?'

बिनोद कहने लगा- 'कल रात साढ़े 10 बजे हम लोग खाने के बाद सोने जा रहे थे। अचानक गोलियां चलने लगीं। मैं खटिया से उठा ही था कि 10-15 लोग घर में घुस गए। सबके हाथ में हथियार थे। मैं दीवार फांदकर भाग गया। एक घर के छप्पर पर छिपकर बैठ गया। आधे एक घंटे तक गांव में चीख-पुकार मची रही। फिर मैंने देखा कि करीब 100 लोग नारा लगाते हुए गांव से निकल रहे थे। 'रणवीर बाबा की जय, रणबीर बाबा की जय।' सबके हाथ में हथियार थे। वो टॉर्च जलाते हुए जा रहे थे। उसकी लाइट से मैंने 26 लोगों को पहचान लिया। 19 लोग गांव के ही थे।' फिर क्या देखा? अपने आंसू पोछते हुए बिनोद बोला- 'रणवीर सेना वालों के जाने के बाद मैं अपने घर गया। वहां पत्नी, बहू, बेटे-पोते सबकी लाश पड़ी थी। मेरे सात सवांग (लोग) खत्म हो गए। कुछ देर बाद मुझे दूसरे घरों से रोने की आवाजें आने लगीं। मैं शिव बच्चन राम के घर गया। वहां 5 लाशें मिलीं। फिर गणेश राजबंशी के घर गया, वहां 3 लाशें मिलीं। देबेश राजबंशी के घर से 5, लक्ष्मण राजबंशी के घर से 6 और यदुनी के घर से 6 लाशें मिलीं। उससे आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाया।' किधर गए वे लोग? 'वे लोग उत्तर की तरफ निकले। सोन नदी पार किया और फिर छोटकी खरसुन गांव की तरफ

बढ़ गए। इसके बाद कहां गए पता नहीं।' पहले से कोई दुश्मनी थी क्या उनसे? 'नहीं नहीं... पहले से कोई लड़ाई नहीं थी। हम लोग तो उनके ही खेतों में काम करते थे। बस उन लोगों को लगता था कि हम सीपीआई माले के सपोर्टर हैं। रणवीर सेना वालों की इनसे दुश्मनी है।' इसी बीच 34-35 साल की एक महिला भागती हुई आई। बोलने लगी- 'साहब उन लोगों ने सिर्फ मारा ही नहीं, कई लड़कियों की इज्जत लूट ली है। बगल के घर में प्रभा नाम की लड़की थी। 2-3 दिन बाद वो ससुराल जाने वाली थी। मैंने देखा कि उसके शरीर पर कपड़े नहीं थे। स्तन कटे हुए थे। शरीर के निचले हिस्से से खून बह रहा था। मैंने अपनी आंखों से देखा कम से कम 5 लड़कियों के स्तन कटे थे। शरीर पर कपड़े नहीं थे। उनके शरीर के निचले हिस्से में गोली मारी गई थी।' इस महिला का नाम सूरज मणि था। मानवाधिकारों के लिए काम करने वाली एक संस्था ह्यूमन राइट वॉच को उसने ये बात बताई थी। अरवल थाने के डीएसपी श्रीधर मंडल को इस नरसंहार का जांच अधिकारी बनाया गया। उन्होंने गांव पहुंचते ही जहानाबाद डीएम को मैसेज भेजा- 'फौरन गांव में पोस्टमॉर्टम के लिए डॉक्टरों की टीम भेज दें।' सुबह 11 बजे इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर ने अलग-अलग जगहों पर छापा मारा। सोन नदी के दक्षिण किनारे तीन लाशें मिलीं। उत्तरी छोर पर दो लाश मिलीं। रेत पर जगह-जगह खून पड़ा था। एक नाव भी मिली, जो खून से सनी थी। पुलिस ने लाश के साथ खून के निशान वाले बालू और कारतूस के खोखे सीज कर लिए। पुलिस को कुल 58 लाशें मिलीं। 53 गांव में और 5 सोन नदी के पास। दोपहर बाद 3 बजे मेहंदिया थाने में हत्या और अपहरण सहित आईपीएस की कई संगीन धाराओं में केस दर्ज किया गया। इसमें अगड़ी जातियों के प्रतिबंधित संगठन रणवीर सेना से जुड़े 100 से ज्यादा लोगों को आरोपी बनाया गया। 2 दिसंबर को ही एसआई अजय कुमार ने एक खास मैसेंजर के जरिए इंईं और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट जहानाबाद डिस्ट्रिक्ट कोर्ट भेज दी। उसी दिन पुलिस सभी लाशों का अंतिम संस्कार कराना चाहती थी, लेकिन गांव वाले अड़ गए। पुलिस को एक भी लाश उठाने नहीं दी। रात भर 100 से ज्यादा पुलिस वाले गांव में ही रुके रहे। अगले दिन यानी 3 दिसंबर को शाम 5 बजे बिहार की मुख्यमंत्री राबड़ी देवी गांव पहुंचीं।

थोड़ी देर बाद सपा सांसद बनी फूलन देवी भी पहुंच गईं। फूलन मल्लाहों की नेता थीं। ये वहीं फूलन थीं जो पहले डकैत थीं, पर सरेंडर करने के बाद राजनीति में आ गई थीं। राबड़ी देवी के समझाने के बाद आखिरकार गांव वाले अंतिम संस्कार के लिए मान गए। दो ट्रैक्टर लाए गए। एक-एक करके 58 लाशें ट्रैक्टरों में भरी गईं। सोन नदी के पास 6 चिताएं तैयार की गईं और सबका सामूहिक संस्कार कर दिया गया। 3 दिसंबर को ही शाम 5.25 बजे पहली गिरफ्तारी हुई और दूसरी गिरफ्तारी 6.15 बजे। एक आरोपी के घर से दोनाली बंदूक भी बरामद हुई। दोनों को थाने भेज दिया गया। 5 दिसंबर को 2 और आरोपी पकड़े गए। 7 दिसंबर को 7 और आरोपी पकड़े गए। सभी रिमांड पर भेज दिए गए। इसी बीच जांच अधिकारी श्रीधर मंडल पर लापरवाही के आरोप लगने लगे। दबाव बढ़ा, तो 10 दिसंबर को श्रीधर मंडल को हटाकर पटना के डीएसपी मिर्जा मकसूद को जांच अधिकारी बना दिया गया। अभी इस नरसंहार को एक महीना ही हुआ था कि जहानाबाद जिले के एक गांव रामपुर-चौरम में नक्सलियों ने 9 सवर्णों की हत्या कर दी। ये लोग रणवीर सेना से जुड़े थे। इसे लक्ष्मणपुर बाथे नरसंहार का बदला कहा गया। 11 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी लक्ष्मणपुर बाथे पहुंचे। उस रोज पटना लौटकर उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- 'मुझे बाथे जाने से रोक गया। परिवार वालों से मिलने से रोका गया। लेकिन मैं वहां पहुंचा और लोगों से मिला। उनकी बातें सुनीं। मैं उनकी मांग राष्ट्रपति तक पहुंचाऊंगा। मौजूदा हालात में बिहार में फेयर लोकसभा इलेक्शन संभव नहीं है।' 27 फरवरी 1998 को 152 लोगों की गवाही के आधार पर 50 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई। 6 जनवरी 1999 को आरोपियों को जहानाबाद जिला अदालत में पेश किया गया, लेकिन 10 महीने तक कोई सुनवाई नहीं हुई। अक्टूबर 1999 में पटना हाईकोर्ट ने इसे सेशन कोर्ट पटना ट्रांसफर कर दिया, लेकिन वहां भी 9 साल तक सुनवाई नहीं हुई। 2005 में बिहार में सत्ता बदल गई। एनडीए गठबंधन से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने और शुरुआती महीनों में ही अमीर दास कमीशन को भंग कर दिया। ये वही कमीशन था, जिसे नरसंहार के बाद दिसंबर 1997 में राबड़ी देवी ने बनाया था। पटना हाईकोर्ट के पूर्व न्यायधीश जस्टिस अमीर दास इसे लीड कर रहे थे। इस कमीशन ने 700 लोगों से पूछताछ की। जिसमें बीजेपी नेता मुरली मनोहर जोशी, सीपी ठाकुर, सुशील मोदी और राजद नेता शिवानंद तिवारी जैसे लोग शामिल थे।

सीनियर जर्नलिस्ट कुमार नरेंद्र सिंह अपनी किताब 'बिहार में निजी सेनाओं का उद्भव और विकास' में लिखते हैं- 'वामपंथी पार्टियों ने तब राज्यपाल से शिकायत की थी कि रणवीर सेना के साथ राजद और बीजेपी के कुछ नेताओं के संबंध हैं। इसके बाद ही सरकार ने अमीर दास कमीशन बनाया था।' नरसंहार के करीब 11 साल बाद दिसंबर 2008 में 44 आरोपियों के खिलाफ पटना सेशन कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। कुल 14 वकीलों ने पैरवी की। 8 वकील सरकार की तरफ से और 6 आरोपियों की तरफ से। 152 गवाहों में से 91 ने कोर्ट में बयान दिए। पीड़ितों की तरफ से सरकारी वकील सीके सिन्हा ने कोर्ट में बोलना शुरू किया- 'माय लॉड... 'ये कोई छोटी-मोटी वारदात नहीं है। ये नरसंहार है। 58 लोगों को बहुत ही क्रूरता से मारा गया है। इन दरिंदों ने गर्भवती महिलाओं और दुधमुंहे बच्चे तक को काट डाला। परिवार के परिवार खत्म हो गए। इन दरिंदों को फांसी से कम सजा हो ही नहीं सकती।' बचाव पक्ष के वकील सुनील कुमार ने उन्हें टोकते हुए कहा- 'माय लॉर्ड ये झूठा और बेबुनियाद इल्जाम है। हमला रात के अंधेरे में हुआ था। हमलावर बाहर से आए थे। ऐसे में कोई कैसे पहचान सकता है कि इन्हीं लोगों ने हत्या की है। इनके पास कोई साइंटिफिक एविडेंस नहीं है।' तभी सरकारी वकील सीके सिन्हा बोल पड़े- 'माय लॉर्ड, हत्या में सिर्फ बाहर वाले नहीं, बल्कि गांव वाले भी शामिल थे। हमारे गवाह ने टॉर्च की लाइट में उनका चेहरा देखा था। आवाज से पहचान की थी। आदमी गांव वालों की आवाज तो पहचानता ही है।' 7 अप्रैल 2010 को सेशन कोर्ट पटना ने इसे रेयरेस्ट ऑफ रेयर बताते हुए 16 दोषियों को फांसी की सजा और 10 को उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही 50-50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। बाकी 18 लोगों को बरी कर दिया। 9 अक्टूबर 2013 को पटना हाईकोर्ट ने सेशन कोर्ट के फैसले को पलटते हुए सभी 26 आरोपियों को बरी कर दिया। पटना हाईकोर्ट के जस्टिस वीएन सिन्हा और जस्टिस एके लाल ने फैसला सुनाते हुए कहा- 'पुलिस ने घटना के 24 घंटे बाद एफआईआर दर्ज की। एफआईआर को जहानाबाद जिला अदालत पहुंचने में तीन दिन लग गए। जबकि मेहंदिया थाने से जहानाबाद कोर्ट की दूरी 50 किलोमीटर ही है। जांच अधिकारी ने यह पता नहीं किया कि सोन नदी पार करने वाले लोग कहां गए। 10 दिन बाद जांच अधिकारी को बदला गया, तब तक देर हो चुकी थी। सोन नदी पार करने वालों के पैरों के निशान मिट चुके थे। पुलिस के पास गवाहों के बयानों के अलावा कोई मजबूत सबूत नहीं है। इसलिए अपील करने वालों को बेनिफिट ऑफ डाउट का फायदा मिलना चाहिए।' इस नरसंहार केस में रणवीर सेना के ब्रह्मेश्वर मुखिया को भी आरोपी बनाया गया था, लेकिन पुलिस ने उन्हें कभी कोर्ट के सामने पेश नहीं किया। कहा गया कि वे फरार हैं, जबकि उसी दौरान 2002 से 2011 तक वे जेल में बंद थे। 13 अक्टूबर 2013 को बिहार सरकार ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई। जनवरी 2014 में पहली बार सुप्रीम कोर्ट में ये केस लिस्ट हुआ, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। 2023 में 6 बार केस लिस्ट हुआ, लेकिन सुनवाई टाल दी गई। 1 जनवरी 2025 को बिहार सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बताया कि 5 आरोपियों की मौत हो चुकी है। तीन महीने बाद अप्रैल 2025 में बचाव पक्ष के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सभी 26 आरोपियों की मौत हो चुकी है। तब के सीजेआई संजीव खन्ना ने बिहार सरकार को स्टेटस रिपोर्ट फाइल करने को कहा और मामला स्थगित कर दिया। (यह सच्ची कहानी पुलिस चार्जशीट, कोर्ट जजमेंट, गांव वालों के बयान, अलग-अलग किताबें और इंटरनेशल रिपोर्ट्स पर आधारित है। क्रिएटिव लिबर्टी का इस्तेमाल करते हुए इसे कहानी के रूप में लिखा गया है।)

रेफरेंसः- बिहार में निजी सेनाओं का उद्भव और विकास

Broken People: Caste Violence Against India's 'untouchables, https://www.epw.in/journal/2013/45-46/editorials/no-one-killed-them.html , https://www.bhaskar.com/bihar-election/news/bihar-laxmanpur-bathe-massacre-ranvir-sena-dalits-true-crime-135931287.html ,https://www.scribd.com/document/230199179/Laxmanpur-Bathe-Patna-High-Court-Judgement ,https://www.youtube.com/watch?v=jJRbpcIVGOU ,

भटिंडा में पकड़ा गया 19 साल का छात्र गुरप्रीत, घर में बना रहा था विस्फोटक, आतंकी मसूद अजहर से क्या है कनेक्शन?

पर..

इस मामले में केमिकल से बम बना रहे गुरप्रीत का हाथ भी काटना पड़ा है. घर में मौजूद केमिकल की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आसपास के चार घर खाली करवा दिए हैं. इस पूरे मामले में छात्र गुरप्रीत के तार मोस्ट वांटेड पाकिस्तानी आतंकी मसूद अजहर के साथ भी जुड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं.घायल छात्र गुरप्रीत ने पूछताछ में बताया है कि उसने 12वीं की पढ़ाई कॉमर्स विषय में की है पर उसकी रुचि केमिस्ट्री में ज्यादा थी और वो अपने घर में केमिस्ट्री लैब बनाना चाहता था. गुरप्रीत ने बताया कि यूट्यूब पर विस्फोटक बनाने के वीडियो देखते हुए उसे आतंकी मसूद अजहर के वीडियो मिले. इन वीडियो में मसूद अजहर युवाओं को जिहादी बनाकर बलिदान देने के लिए प्रेरित कर रहा था. इसके बाद वो इन वीडियो से प्रभावित हुआ.छात्र गुरप्रीत ने पुलिस को बताया कि उसे हर रोज 100 रुपए पॉकेट मनी मिलती थी. इस पॉकेट मनी के पैसों को जोड़कर और विदेश में रहने वाली अपनी चचेरी बहन से कुछ पैसे मंगवा कर उसने केमिकल्स का ऑनलाइन ऑर्डर दिया. हालांकि पंजाब पुलिस इस थ्योरी को मानने को तैयार नहीं है और पुलिस को लगता है कि ये केमिकल उसे खालिस्तान समर्थक आतंकियों या मौलाना मसूद अजहर के टेरर नेटवर्क से जुड़े आतंकियों के स्लीपर सेल ने भिजवाए. गुरप्रीत के मुताबिक उसने पिकरिक एसिड, अमोनियम नाइट्रेट, अमोनियम सल्फेट, लीड नाइट्रेट और फास्फोरस पेंटाक्साइडट जैसे

खतरनाक केमिकल ऑनलाइन आर्डर करके मंगवाए.पिकरिक एसिड- ये अत्याधिक विस्फोटक केमिकल है. इसका उपयोग रॉकेट फ्यूल में भी होता है.अमोनियम नाइट्रेट- ये केमिकल खाद बनाने, खदानों व सड़क बनाने में विस्फोट करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है.अमोनियम सल्फेट - इस केमिकल का इस्तेमाल मुख्य रूप से खाद के तौर पर किया जाता है. ये केमिकल खतरनाक तो नहीं है, लेकिन ज्यादा मात्रा में इस्तेमाल करने से मिट्टी को ज्यादा तेजाबी बन सकता है.

लेड नाइट्रेट- इस केमिकल का इस्तेमाल आतिशबाजी, माचिस और विस्फोटक बनाने में किया जाता है. ये केमिकल बहुत जहरीला है और स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक भी है.फास्फोरस पेंटाक्साइडट- इस केमिकल का प्रयोग नमी सोखने, रासायनिक क्रियाओं और दवा उद्योग में किया जाता है. ये केमिकल पानी के साथ काफी तेज प्रतिक्रिया करता है और जलन पैदा कर सकता है. पिछले तीन दिन से पुलिस गुरप्रीत के घर में रखे विस्फोटक को नष्ट करने में जुटी है, लेकिन उसे अभी तक पूरी तरह सफलता हासिल नहीं हो सकी है. पुलिस विभाग ब्लास्ट मामले में फारेंसिक रिपोर्ट का भी इंतजार कर रहा है. इसमें विस्फोट के लेवल और इस्तेमाल के साथ इसके सोर्स और खतरे को लेकर विस्तार से रिपोर्ट आनी है. इसमें आने वाले कुछ दिन में नए खुलासे हो सकेंगे. वहीं गुरप्रीत सिंह की तरफ से मंगवाया गया विस्फोटक कहां से आया और इसे भेजने वाले सोर्स ऑनलाइन थे या कोई और, इसके बारे में भी अभी तक स्थिति साफ नहीं हो सकी है. इन घातक केमिकल को रिमोट ऑपरेटेड व्हीकल की मदद से हटाने का प्रयास किया जा रहा है. पंजाब पुलिस को छात्र गुरप्रीत के मोबाइल से मोस्ट वांटेड पाकिस्तानी आतंकी मसूद अजहर के कई वीडियो मिले हैं जिसमें वो युवाओं को जिहाद के नाम पर बरगलाता हुआ दिखाई दे रहा है. इसके अलावा गुरप्रीत के मोबाइल से कुछ ऐसे वीडियो भी मिले हैं जिसमें उसके द्वारा मंगवाए गए केमिकल का इस्तेमाल करके विस्फोटक तैयार करने की ट्रेनिंग दी जा रही है. सोशल मीडिया से या हैंडलर से मिला कंटेंट? फिलहाल ये साफ नहीं है कि उसने क्या ये वीडियो सोशल मीडिया से हासिल किये या उसे किसी ने ये वीडियो विस्फोटक तैयार करने के लिए भेजें. इसके अलावा गुरप्रीत के मोबाइल से खालिस्तान के समर्थन से जुड़ा कुछ कंटेंट भी पुलिस को मिला है. हालांकि, पंजाब पुलिस के पास अभी ये जानकारी नहीं है कि क्या छात्र गुरप्रीत सीधे तौर पर आतंकी मौलाना मसूद अजहर से जुड़ चुका था या उसके हैंडलर उसे विस्फोटक बनाने को लेकर जानकारी दे रहे थे. या फिर ये किसी खालिस्तान समर्थक टेरर मॉड्यूल का काम है. साथ ही छात्र गुरप्रीत के मोबाइल से जम्मू का एक टिकट भी मिला है जिसके बाद आशंका ये है कि गुरप्रीत जम्मू जाकर क्या किसी खालिस्तान आतंकी नेटवर्क के हैंडलर या मौलाना मसूद अजहर से जुड़े स्लीपर सेल के आतंकियों से मिलने तो नहीं वाला था. फिलहाल गुरप्रीत के मोबाइल की फोरेंसिक जांच की रिपोर्ट का भी पंजाब पुलिस इंतजार कर रही है. जिसके बाद उसके सोशल मीडिया हैंडल्स और व्हाट्सएप चैट्स से ये पता लगेगा कि वो पाकिस्तान में किस-किस के संपर्क में था. पंजाब में ये अपनी तरह का पहला ऐसा मामला है जिसमें एक सामान्य खेती करने वाले परिवार से संबंध रखने वाला बारहवीं के बाद लॉ की पढ़ाई कर रहा युवा इस तरह से मौलाना मसूद अजहर के वीडियो देखकर आतंकी बनने और विस्फोटक तैयार करने की मुहिम में शामिल हुआ हो. पंजाब पुलिस खालिस्तान समर्थक आतंकियों के द्वारा युवाओं को बरगलाकर तैयार किए जाने वाले नेटवर्क के मामलों को पहले भी सुलझाती रही है, लेकिन इस बार मौलाना मसूद अजहर के वीडियो देखकर एक पंजाबी युवक के आतंक के रास्ते पर बहकने का ये पहला मामला पंजाब में सामने आया है.

स्टूडेंट समझकर स्कूटी वाले को रोका, बंदे ने खोला हेल्मेट तो पुलिस वाले को बोलनी पड़ी अंग्रेजी

जयपुर। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना बेहद जरूरी होता है। जहां अक्सर इंटरनेट पर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने

वालों पर पुलिस के एक्शन लेने का वीडियो वायरल हो रहा होता है। वहीं इस बार पुलिस द्वारा एक बंदे को हेलमेट लगाने पर तारीफ करने के लिए रोका जाता है। मगर जब वह बंदा अपना हेलमेट खोलता है, तो पुलिस को लैंग्वेज स्विच करनी पड़ती है। क्योंकि वह व्यक्ति विदेशी होता है। जब वह शख्स पुलिस को बताता है कि उसे हिंदी नहीं (नो हिंदी) आती है। तब पुलिस वाले को मजबूरी में अपनी भाषा बदलनी पड़ती है। इसके बाद हिंदी में होने वाली तारीफ का लैंग्वेज मीडिया अंग्रेजी हो जाता है और पुलिसवाला उस बंदे की अंग्रेजी में तारीफ करता है। दोनों के बीच होने वाली बातचीत यूजर्स को काफी मजेदार लग रही है। स्कूटी पर बंदे को आता देख पुलिसवाला कहता है कि 'देखो, इसकी बड़ाई करो, रोक बेटा रोक।' पुलिस वाले के रोकने पर लड़का अपनी स्कूटी रोक देता है। जिसके बाद पुलिस वाले तो तारीफ के मूड में होता है, लेकिन जब लड़का अपना हेलमेट ऊपर करता है और कहता है उसे हिंदी नहीं आती है। तब पुलिसवाला उससे पूछता है कि किस देश से हो, तो वह नाइजीरिया बताता है।इसके बाद पुलिस वाला कहता है कि 'हम आपके हेलमेट लगाने की सराहना करते है, हम ट्रैफिक पुलिस से है।' इसके बाद पुलिसवाला उससे उसके कॉलेज का नाम पूछता है, तो वह 'पूर्णिमा यूनिवर्सिटी' बताता है। इसके बाद पुलिसवाला उसे कहता है कि 'कोई भी परेशानी हो, तो हमें कॉल करना।' करीब 36 सेकंड की यह वीडियो इसी के साथ खत्म हो जाती है। ॅअत्प्गुड्ढ ने एक्स पर इस वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा- भाई, यह वह सरप्राइज परीक्षा का सवाल है जिसके लिए कोई शिक्षक तैयार नहीं होता। अब तक इस वीडियो को साढ़े 6 लाख के करीब व्यूज और साढ़े 8 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं पोस्ट पर 60 से अधिक कमेंट्स भी आए है। कमेंट सेक्शन में हेलमेट के अंदर के चालक को देखने के बाद पुलिसवाले के रिएक्शन पर यूजर्स जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। जहां कुछ यूजर्स पुलिसवाले की अकस्मात अंग्रेजी सुनकर शॉक्ड है, वहीं बाकी यूजर्स नाइजीरियन स्टूडेंट के हेलमेट पहनने पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- आखिरकार किसी नाइजीरियाई छात्र ने केवल हेलमेट नियम का पालन किया।

क्या आपको पीरियड्स के समय बुखार आता है,डॉक्टर से जानें क्या है पीरियड फ्लू, किन्हें ज्यादा जोखिम, कैसे करें बचाव

नयी दिल्ली। पीरियड साइकल में काफी असहज अनुभव होता है। खासतौर पर उन महिलाओं के लिए अधिक असहज होता है, जिनका

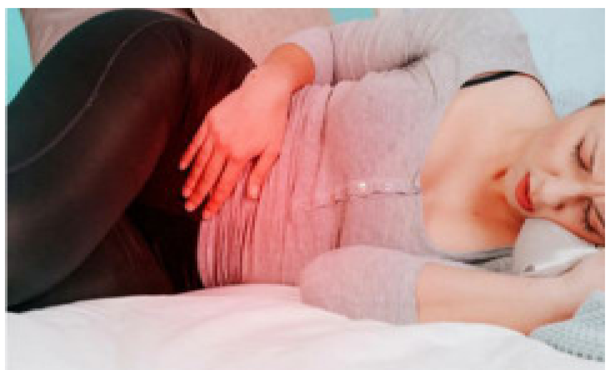

मेंस्ट्रुअल साइकल अनियमित रहता है। जिन महिलाओं को हर महीने पीरियड फ्लू होता है, उनके लिए यह अनुभव और भी ज्यादा तकलीफदेह हो सकता है। इसमें हर बार पीरियड्स में फ्लू जैसे लक्षणों का सामना करना पड़ता है। पीरियड से पहले गले में खराश, बुखार और शरीर में कमजोरी या फ्लू जैसी स्थिति होती है। पीरियड महिलाओं की जिंदगी में नेचुरल क्रिया है, लेकिन ये कई बार काफी तकलीफदेह होते हैं। इसका कोई निश्चित आंकड़ा नहीं है कि कितनी महिलाएं पीरियड्स फ्लू का सामना करती हैं। हालांकि, 90फीसदी महिलाओं को प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का सामना करना पड़ता है। लगभग इन सभी महिलाओं को पीरियड्स फ्लू के लक्षणों का सामना भी करना

पड़ता है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज जानेंगे कि पीरियड्स फ्लू क्या है। साथ ही जानेंगे कि- इसके क्या लक्षण हैं? पीरियड्स फ्लू के क्या कारण हैं? इससे कैसे राहत मिल सकती है? पीरियड फ्लू क्या है? इसे मेंस्ट्रुअल फ्लू भी कहा जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है जो महिलाओं को उनके पीरियड शुरू होने से पहले, दौरान या बाद में प्रभावित करती है। भले ही यह कोई मेडिकली पुष्टि की गई बीमारी नहीं है, लेकिन यह बहुत सी महिलाओं में देखने को मिलती है। पीरियड के समय शरीर में होने वाले हॉर्मोनल बदलावों के कारण हर महिला पर अलग-अलग असर होते हैं। कुछ लोगों को पीरियड से ठीक पहले ही पीएमएस यानी प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का सामना करना पड़ता है। जबकि कुछ को पूरे पीरियड के दौरान तबीयत खराब लगती है। इसमें पीरियड फ्लू जैसे लक्षण महसूस होते हैं इसका कोई स्पष्ट आंकड़ा या वजह नहीं है कि कितनी महिलाओं में पीरियड फ्लू के लक्षण दिखते हैं, लेकिन प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम बहुत कॉमन है। लगभग 90फीसदी महिलाओं को जीवन में कभी-न-कभी पीएमएस के साथ ये लक्षण दिखते हैं। ज्यादातर मामलों में ये लक्षण हल्के होते हैं और कंट्रोल किए जा सकते हैं। पीएमएस के ज्यादा गंभीर रूप को प्री-मेंस्ट्रुअल डिस्फोरिक डिसऑर्डर कहा जाता है। यह लगभग 5फीसदी महिलाओं को प्रभावित करता है। डॉ. मितुल के मुताबिक, ये एक मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारी है, क्योंकि इससे गंभीर मानसिक तनाव हो सकता है। जिस तरह सामान्य फ्लू के कई कारण हो सकते हैं, वैसे ही पीरियड फ्लू के भी कई कारण होते हैं। इसके सबसे कॉमन कारण ग्राफिक में देखिए। 1. हॉर्मोनल बदलाव-एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन के स्तर में उतार-चढ़ाव शरीर में सूजन और इम्यून सिस्टम की प्रतिक्रिया पैदा कर सकते हैं, जिससे फ्लू जैसे लक्षण महसूस होते हैं। 2. पोषण की कमी- अगर शरीर में विटामिन डी, आयरन, जिंक या मैग्नीशियम जैसे जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो तो थकान, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। 3. तनाव-तनाव इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की चपेट में आ सकता है। 4. संक्रमण-सामान्य सर्दी-जुकाम जैसे संक्रमण पीरियड के लक्षणों को और खराब कर सकते हैं और पीरियड फ्लू जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। 5. ऑटोइम्यून डिजीज-लूपस और

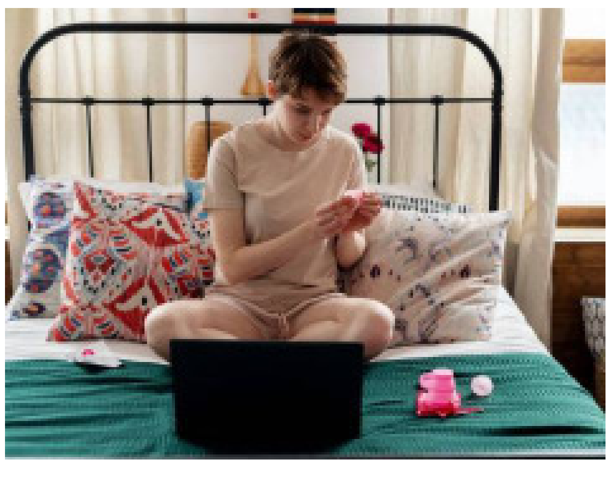

रुमेटॉइड अर्थराइटिस जैसी बीमारियों से पीड़ित महिलाओं में इम्यून सिस्टम की गड़बड़ी के कारण शरीर में सूजन हो सकती है। 6. एलर्जी-खाने या किसी और चीज से एलर्जी होने पर भी पीरियड फ्लू जैसे लक्षण दिख सकते हैं। इसमें मतली , सिरदर्द और कमजोरी जैसे लक्षण दिख सकते हैं। 7. एंडोमेट्रिओसिस-इस स्थिति में बच्चेदानी की परत जैसा टिशू गर्भाशय के बाहर बढ़ने लगता है, जिससे भारी और दर्दनाक पीरियड, पेट फूलना और थकावट होती है। 8. एडेनोमायोसिस-इसमें गर्भाशय की परत मांसपेशियों में अंदर तक बढ़ जाती है, जिससे पीरियड के दौरान बहुत ज्यादा ब्लीडिंग और तेज ऐंठन होती है। 9. थायरॉइड की समस्या-हाइपोथाइरॉइडिज्म और हाइपरथाइरॉइडिज्म दोनों से हॉर्मोनल असंतुलन हो सकता है, जिससे पीरियड से पहले बुखार और फ्लू जैसे लक्षण आ सकते हैं। 10. दवाइयां-कुछ दवाइयां, जैसे पेनकिलर या बर्थ कंट्रोल पिल्स गले में खराश, कंपकंपी, मांसपेशियों में दर्द जैसे फ्लू के लक्षण पैदा कर सकती हैं।

कैसे मिलेगी राहत-अगर आपको पीरियड फ्लू हो गया है, तो ऐसे कई आसान उपाय हैं जिनसे आप इसके लक्षणों को कम कर सकते हैं और आराम पा सकते हैं। अगर इन सुझावों पर ध्यान दें तो ये मददगार हो सकता है-पर्याप्त आराम करेंः शरीर को ठीक होने के लिए पर्याप्त नींद और आराम दें। इससे थकान कम होगी और शरीर संक्रमण से लड़ पाएगा। पर्याप्त पानी पिएंः खूब सारा पानी और हर्बल चाय जैसी तरल चीजें पिएं। इससे सिरदर्द, पेट फूलना और कमजोरी जैसे लक्षण कम हो सकते हैं। गर्म सिंकाई करेंः पेट के निचले हिस्से या कमर पर गर्म पानी की बोतल या हीट पैड रखने से ऐंठन और मांसपेशियों के दर्द में राहत मिलती है। दवाई लेंः इबुप्रोफेन या पेरासिटामोल जैसी ओवर-द-काउंटर दवाएं दर्द और बुखार को कम करने में मदद कर सकती हैं। ट्रिगर से बचेंः कैफीन, तीखा खाना और शराब जैसी चीजें पीरियड फ्लू, बदहजमी और माइग्रेन को बढ़ा सकती हैं। इनसे दूर रहना बेहतर है। हल्की एक्सरसाइज करेंः अगर शरीर साथ दे तो हल्की सैर या योग करें। इससे न सिर्फ शारीरिक लक्षणों में राहत मिलती है, बल्कि तनाव और बेचैनी भी कम होती है। गले के लिए गरारे करेंः अगर पीरियड से पहले गले में खराश हो रही है, तो नमक के पानी से गरारे करें लें, खासकर रात में जब दर्द ज्यादा महसूस होता है। गर्म कपड़े पहनेंः अगर आपको पीरियड के दौरान बुखार या ठंड लग रही हो, तो खुद को गर्म रखें और परतों में कपड़े पहनें। ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करेंः अगर आपका गला सूख रहा है या जलन हो रही है, तो कमरे में ह्यूमिडिफायर लगाएं। इससे हवा में नमी बनी रहेगी और राहत मिलेगी।

हरियाणा की एक और एक्ट्रेस का बॉलीवुड में डेब्यू,परिणीति चोपड़ा, जूही के बाद अंबाला की दिविता की मूवी रिलीज; पिता बड़े बिजनेसमैन

मुंबई। बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया में एक और हरियाणवी कलाकार ने अपनी चमक बिखेरी है। नाम है दिविता जुनेजा, जिनकी शुक्रवार को ही पहली बॉलीवुड मूवी 'हीर एक्सप्रेस' देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसमें

वह लीड रोल में हैं। दिविता मूल रूप से हरियाणा के अंबाला की रहने वाली हैं। उनके पिता संजीव जुनेजा बड़े बिजनेसमैन हैं, जिनके कई बिजनेस प्रोडक्ट्स हैं। वर्तमान में उनका परिवार चंडीगढ़ में रहता है। मूवी रिलीज होने के साथ ही दिविता हरियाणा की उन फेमस अभिनेत्रियों में शुमार हो गई हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाई है। इनमें जूही चावला, मल्लिका शेरावत, परिणीति चोपड़ा के नाम शामिल हैं। जूही चावला और परिणीति चोपड़ा भी अंबाला की ही रहने वाली हैं। अंबाला में जन्म, चंडीगढ़ से स्कूलिंग, पंजाब से ग्रेजुएशनः दिविता जुनेजा का जन्म और परवरिश अंबाला में हुई। चंडीगढ़ के विवेका हाई स्कूल से 12वीं करने के बाद पंजाब यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया। इस दौरान ही उन्होंने रंगमंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए टैगोर थिएटर में होने वाले नाटकों में बतौर कलाकार काम किया। डांस-एक्टिंग का शौक मुंबई तक ले गयाः दिविता को बचपन से ही म्यूजिक, डांस व एक्टिंग का शौक रहा। उम्र बढ़ने के साथ उन्होंने एक्टिंग फील्ड में खुद का मुकाम बनाने के प्रयास शुरू किए। उन्होंने आगे बढ़ते हुए मुंबई में एक्टिंग स्कूल में अभिनय की बारीकियों को सीखा। इसके साथ वह सोशल मीडिया पर शॉर्ट फिल्म्स भी बनाती रहीं। मासूम चेहरे ने दिलाई पहचानः बुआ राधिका चीमा ने बताया कि डायरेक्टर उमेश शुक्ला (ओह माय गॉड, 102 नॉट आउट जैसी फिल्में बना चुके हैं) को नए चेहरे की तलाश थी। दिविता के भोलेपन और सादगी ने उन्हें प्रभावित किया और हीर एक्सप्रेस से बॉलीवुड में पहचान बनाने का मौका दिया। बुआ बताती है कि मां तारा, पिता संजीव जुनेजा और भाई दिव्यम ने दिविता के सपने को साकार करने में हमेशा साथ दिया है। नाम का मतलब सूर्य की पहली किरणः- एक पॉडकास्ट में दिविता से उनके नाम को लेकर सवाल हुआ- क्या यह कैची है, ट्रेंडी या बचपन से सेम था या फिल्मों में आने के बाद बदला? इस पर दिविता ने बताया कि उनके नाम के पीछे एक इंट्रस्टिंग कहानी है। उन्होंने कहा, 'यह नाम बचपन से सेम है। मेरे फादर ने मेरा नाम उस वक्त रखा, जब मैं छह माह की थी। क्योंकि, उन्हें नाम होने की वैल्यू पता थी। उन्हें यह था कि जब भी बेटी अपना नाम लें या सुनें तो अच्छा लगना चाहिए।' जब दिविता से इस नाम का अर्थ पूछा गया तो उन्होंने इसका मतलब बताया, 'फर्स्ट रेज ऑफ सन यानि सूर्य की पहली किरण।' वृंदावन में माथा टेककर करना चाहती थीं शुरुआत : हीर एक्सप्रेस रिलीज होने के साथ दिविता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर की। लिखा- मैं भगवान कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए वृंदावन में माथा टेककर इस यात्रा की शुरुआत करना चाहती थी। यह फिल्म पूरी टीम के अपार धैर्य, समर्पण और अनगिनत घंटों की कड़ी मेहनत से बनी है। शूटिंग के पहले दिन से लेकर आज तक। मैं अपने परिवार, अपने गुरुओं और टीम 'हीर एक्सप्रेस' के हर एक व्यक्ति का तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं जिन्होंने इस सफर को संभव बनाया। आपकी दुआएं और प्यार ही मेरी असली ताकतः- दिविता आगे लिखती हैं कि आज, जब मैं यह कदम उठा रही हूं, तो मैं प्रार्थना करती हूं कि ईश्वर की कृपा और आपके आशीर्वाद से, हीर एक्सप्रेस लोगों के दिलों को छू ले। यह एक साफ-सुथरी पारिवारिक फिल्म है जिसे आप अपने पूरे परिवार के साथ मिलकर देख सकते हैं। आपकी दुआएं और प्यार ही मेरी असली ताकत हैं। फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्मः हीर एक्सप्रेस एक फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो रेजिलिएंस, प्यार और परिवार के महत्व को दर्शाती है। इस फिल्म का निर्देशन उमेश शुक्ला ने किया है और इसमें दिविता जुनेजा, प्रीत कामनी, आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर और संजय मिश्रा जैसे कलाकार हैं। संगीत तनिष्क बागची का है और गानों को आवाज दी है जावेद अली, असीस कौर, निखिता गांधी और जसबीर जस्सी जैसे लोकप्रिय गायकों ने।पंजाबी लड़की की कहानीः- हीर (दिविता जुनेजा) पंजाब में अपने मामाओं के साथ रहती है और एक दिन लंदन में एक इंडियन रेस्तरां चलाने का मौका मिलता है। लंदन में उसकी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव आते हैं और वह अपने परिवार के साथ जुड़ाव की महत्ता को समझती है। हीर एक्सप्रेस की कहानी भारत से लंदन तक फैली है, जिसमें इमोशन, रोमांच और रिश्तों की गर्माहट का शानदार संगम है। फिल्म की शूटिंग लंदन की खूबसूरत लोकेशन्स पर की गई है। अंबाला में पहला शो रहा हाउसफुलः- वहीं, अंबाला शहर के गैलेक्सी मॉल में शुक्रवार शाम को फिल्म दिखाई गई। पहले दिन पहला शो हाउसफुल रहा। इस दौरान खुद दिविता ने भी अंबाला की जनता के साथ गैलेक्सी मॉल में फिल्म देखी और दर्शकों से रिव्यू लिए।

पवन सिंह की पत्नी ने रोते हुए लगाई गुहार,ज्योति सिंह बोलीं-अपना पति मांगती हूं, उनकी टीम मिलने नहीं देती

गोरखपुर। भोजपुरी एक्टर पवन सिंह इन दिनों राइज एंड फॉल शो को लेकर चर्चा में हैं। शो के एक एपिसोड में पवन सिंह ने अपनी

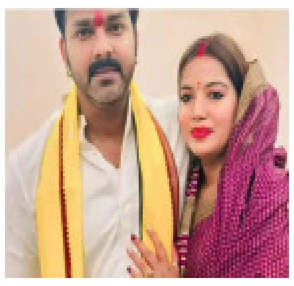

दूसरी पत्नी ज्योति से शादी के बारे में बात की थी। दोनों के बीच रिश्ते ठीक नहीं है, मामला तलाक तक पहुंच गया है। इसी बीच पवन सिंह की पत्नी ने अपने एक इंटरव्यू के माध्यम से गुहार लगाई है कि मेरे पति को लौटा दो। दरअसल, बीते दिनों ज्योति ने इंस्टा पोस्ट में लिखा था कि पवन सिंह ना तो उनसे मिलते हैं और ना ही बात करते हैं। इसलिए उनके पास सुसाइड करने के अलावा दूसरा कोई ऑप्शन नहीं बचा है। झगड़े और तनाव के बीच ज्योति अपने पति पवन सिंह को 'राइज एंड फॉल' शो में सपोर्ट कर रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान ज्योति सिंह अपने पति को वापस मांगने की गुहार लगाई है। पब्लिक एंटरटेनमेंट के साथ बातचीत में ज्योति ने कहा था- मैं सबके सामने आंचल फैलाकर अपना पति मांगती हूं। कानून के मुताबिक अगर वो मुझे तलाक देते हैं तो मैं उनकी आधी प्रॉपर्टी मांग सकती हूं। क्योंकि मैं उनकी धर्मपत्नी हूं, इसलिए आधे की हकदार हूं, लेकिन पैसों की कोई बात नहीं है। मुझे पैसा नहीं चाहिए और ना ही मुझे उनकी संपत्ति से कोई मतलब नहीं है। मुझे बस अपना पति चाहिए। मैं चाहती हूं कि एक बार मेरी उनसे बात करा दी जाए। ज्योति सिंह ने कहा था- जब तक कोर्ट का फैसला नहीं आ जाता तब तक मैं उनकी पत्नी हूं, लेकिन पवन सिंह की टीम नहीं मिलने देती है। मैं चाहती हूं कि बस मुझे अपने पति से एक बार बात करवा दी जाए। एक बार मेरे पति को सामने बैठा दिया जाए। मैं बस उनसे एक बार मिलना चाहती हूं। बता दें कि पवन सिंह ने 'राइज एंड फॉल' के हालिया एपिसोड में बताया था कि घर वालों के दबाव में आकार उन्होंने ज्योति से शादी की थी। अब पत्नी के साथ उनका तलाक का केस चल रहा है।

रिपोर्ट्स में दावा कटरीना कैफ बनने वाली हैं मां-अक्टूबर-नवंबर में बच्चा ले सकता है जन्म

मुंबई। बॉलीवुड कपल

कटरीना कैफ और विक्की कौशल जल्द माता-पिता बन सकते हैं। हालांकि, कपल ने अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार कैटरीना कैफ प्रेग्नेंट हैं और बच्चा अक्टूबर-नवंबर में जन्म लेगा।बता दें कि कई महीनों से कटरीना के प्रेग्नेंसी की खबरें चर्चा में रही हैं। कपल इस पर चुप्पी साधे हुए हैं और मीडिया से दूर रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि अफवाहों के बाद कटरीना लाइमलाइट से दूर हैं। ऐसा भी बताया गया है कि बच्चा आने के बाद वह लंबा मैटर्निटी ब्रेक लेंगी। सूत्रों के अनुसार, वह अपने बच्चे के साथ समय बिताना चाहती हैं। वहीं, इससे पहले कटरीना के प्रेग्नेंसी अफवाहों पर विक्की कौशल का रिएक्शन भी सामने आया था। जून 2024 में फिल्म 'बैड न्यूज' के ट्रेलर लॉन्च पर उनसे इस बारे में सवाल किया गया था। जिस पर विक्की ने कहा था, 'जहां तक गुड न्यूज की बात है, हम इसे आपके साथ शेयर करेंगे। अभी अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। अभी 'बैड न्यूज' को इंजॉय लीजिए। जब अच्छी खबर आएगी, हम जरूर बताएंगे।' बता दें कि कटरीना और विक्की की शादी 2021 में हुई थी। इस शादी में केवल करीबी लोग शामिल हुए थे। कपल अक्सर इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो विक्की आखिरी बार फिल्म 'छावा' में नजर आए थे।

निशांची के लिए सुशांत मेरी पहली पसंद थे,अनुराग कश्यप बोले-उसने पहले हां कहा फिर गायब हुआ

मुंबई। डायरेक्टर अनुराग कश्यप नए चेहरों के साथ फिल्म 'निशांची' लेकर आ रहे हैं। कनपुरिया टच वाली इस फिल्म के जरिए बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्या ठाकरे अपना डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म में उनके अपोजिट वेदिका पिंटो नजर आएंगी। ट्रेलर रिलीज के बाद दोनों की एक्टिंग, फिल्म के गाने और कहानी की खूब चर्चा हो रही है। 'निशांची' के लिए अनुराग की पहली पसंद दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत थे। अनुराग ने फिल्म, एक्टर और नए टैलेंट को लेकर दैनिक भास्कर से खास बातचीत की है। मैं तो बहुत अच्छा फील कर रहा हूं। हम लोगों ने कानपुर-लखनऊ की असली फिल्म बनाई है। आशा करता हूं कि ये लोगों तक भी इसी मजे और असलियत के साथ पहुंचे। वासेपुर के बाद मिर्जापुर आया तो लोगों का लगा लोग उधर ऐसे ही हैं। मिर्जापुर सीरीज में मिर्जापुर कम था। मैं मिर्जापुर से हूं। सीरीज में जैसा दिखाया गया है, वैसा है ही नहीं। लेकिन वो सक्सेसफुल सीरीज है। वासेपुर की वजह से लोगों को लगता है कि गालियों का ईजाद मैंने किया है। मेरे सिर पर ये भी भार था। मैं उत्तर प्रदेश में पला-बढ़ा हूं और वहां के कई रंग हैं। इस राज्य में कदम-कदम पर रंग बदलते रहते हैं। सोनभद्र का रंग अलग है, बनारस का रंग अलग है। लखनऊ-कानपुर का रंग अलग है। लखनऊ की तहजीब अलग है और कानपुर का रंग एकदम ही अलग है। कनपुरिया बकैती और एटिट्यूड बिल्कुल अलग है। कानपुर की बकैती कमाल की है इसलिए हमने फिल्म का सेटअप वहां रखा है। 'निशांची' में बकैती है। ये फिल्म बकैती वाली है लेकिन इसमें एक बेहद संवेदनशील कहानी भी है। ये गैंगस्टर वाली फिल्म नहीं है बल्कि एक परिवार की कहानी है। एक मां-बाप और उनके बच्चों की कहानी है। दो भाई और उनके बीच एक लड़की की प्रेम की कहानी है। ये फिल्म दोस्ती और दोस्ती में आई दरार की कहानी है। जैसे 'दीवार' और 'त्रिशूल' गैंगस्टर नहीं बल्कि परिवार की कहानी थी। ठीक, वैसे ही निशांची है। ये अपराध और सजा की कहानी है। बचपन में मैंने जितना सलीम-जावेद घोंटा है, उसको मैंने निशांची में उडेला है। इतना टाइम इसलिए लगा क्योंकि मैं सही तरीके से फिल्म बनाना चाहता था। मैं डेस्पेरेशन में फिल्म नहीं बनाना चाहता था। मुझे नॉर्थ इंडियन एक्टर चाहिए था। एक समय पर मैं निशांची को सुशांत सिंह राजपूत के साथ बनाना चाह रहा था। सुशांत के पास जो भी रीजन रहा हो, उसने इस फिल्म को नहीं किया। पहले उसने फिल्म को हां कहां फिर गायब हो गए। बाद में उन्होंने कुछ रिएक्शन ही नहीं दिया। फिल्म बनने से रह गई।

एक्ट्रेस के घर फायरिंग, योगी बोले-हमलावरों को पाताल से निकालेंगे,दिशा पाटनी के पिता से फोन पर बात की

बरेली। बरेली में बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग के 2 दिन बाद बहन खुशबू पाटनी ने वीडियो जारी किया। इसमें वे सेल्फ-डिफेंस और सुरक्षा के बारे में बता रही हैं। उन्होंने कहा- आज इस 'कलयुग' में कब जानें क्या हो जाए, कुछ पता नहीं। आप पब्लिक फिगर में हों या ना हो। उससे कोई लेना-देना नहीं है। खुशबू ने कहा- अगर आपके पास लाइसेंस गन है, तो ठीक। वरना सेल्फ डिफेंस के लिए कुछ जरूर रखें। क्योंकि, अनहोनी कभी भी हो सकती है। इससे पहले सीएम योगी ने रविवार रात को दिशा पाटनी के पिता जगदीश सिंह पटानी से फोन पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि आरोपी अगर पाताल में भी छिपे होंगे, तो उनको निकाल लाएंगे। इसके बाद खुशबू पाटनी मोबाइल फोन का डेटा केबल लेती हैं। वह कहती हैं इसे मोबाइल का डेटा केबल बोलते हैं। हमें बेसिकली मोटा तार चाहिए, जो जल्दी ना टूटे। इसके बाद वह 5 नेट लेती हैं। फिर कहती हैं आपको कुछ नहीं करना है, बस इस नेट को डेटा केबल के अंदर डालना है। अगर आपको इसे सामान्य रूप से बैग के अंदर रखना है तो केबल के दोनों छोर पर पांच गांठें बांध दीजिए। ये बहुत ही मजबूत चीज़ है- दिखने में छोटी है लेकिन असर में यह चेहरे के

पूरे एरिया को बिगाड़ सकती है। जहां लगेगा वह चीज टूटे जाएगी, नाक पर लगेगा, जबड़े पर लगेगा तो उसे तोड़ देगा। वह आगे कहती हैं कि अब देखते हैं इसे यूज़ कैसे करना है। सबसे पहले घर पर घुमाने का प्रैक्टिस कीजिए, वरना पहली बार में आपसे नहीं होगा। ऐसा न हो कि उसे मारने के बजाय खुद को मार लें। इस केस में हमें पूरा बॉडी रोटेट करना होती है। इसके अलावा वह कहती हैं-मार्केट से पेपर स्प्रे लेकर बैग में रख सकते हैं। इंडिया में लीगल भी है। आंखों के लिए, मूड शिफ्टर है। हमें लगता है इस काम में सबसे लेथल होता है- इंसान का जीने की आशा। इसके अलावा दुनिया में कुछ भी बिल्कुल लेथल नहीं है। हमेशा अपने पास कुछ न कुछ रखें। अगर मार्केट में पेपर स्प्रे नहीं है तो मुझे बताइए-मैं मार्केट में लॉन्च करती हूं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार देर रात दिशा पाटनी के पिता जगदीश सिंह पाटनी से फोन पर बातचीत की और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने कहा- डरने की जरूरत नहीं है। बदमाश चाहे पाताल में भी क्यों न हों, यूपी पुलिस उन्हें ढूंढ निकालेगी। सरकार आपके साथ है। दिशा पाटनी के पिता रिटायर्ड डीएसपी जगदीश सिंह पाटनी ने सोमवार को दोपहर 12 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- देर रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फोन मेरे पास आया था। उन्होंने पूरे परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। साथ ही आश्वस्त किया कि पूरा प्रदेश उनके साथ खड़ा है। उन्होंने विशेष रूप से भरोसा दिलाया कि परिवार की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर कोताही नहीं बरती जाएगी।दिशा पाटनी न्यूयॉर्क में केल्विन क्लेन का स्प्रिंग 2026 कलेक्शन प्रमोट करने पहुंची थीं, जिसे वेरोनिका लिओनी द्वारा डिजाइन किया गया है। एक्ट्रेस ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से रेड कार्पेट का खूबसूरत वीडियो शेयर किया है। अब जानिए पूरा मामला- दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग की प्लानिंग 30 जुलाई से शुरू हो गई थी, उस दिन खुशबू पाटनी ने अनिरुद्धाचार्य के महिलाओं को लेकर दिए एक बयान पर विरोध जताया था। 30 जुलाई को जब खुशबू पाटनी ने अपनी वीडियो शेयर की, तो उस पर काफी विवाद हुआ। वीडियो वायरल होते ही उसे संत प्रेमानंद महाराज के बयान से जोड़कर भी दिखाया गया। इसी बात से नाराज कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बरार और रोहित गोदारा ने शुक्रवार 11 सितंबर, 2025 की सुबह 3 बजे फायरिंग करके दहशत फैला दी। लोकल बदमाशों से भी पूछताछ बरेली पुलिस लोकल बदमाशों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का मानना है कि एक बदमाश लोकल हो सकता है, जिसे इलाके की पूरी जानकारी थी। जबकि दूसरा बाहर का था। एसपी सिटी मानुष पारीक के नेतृत्व में पुलिस टीमें सुराग जुटाने में लगी हैं। एसपी ट्रैफिक मुहम्मद अकमल के नेतृत्व में शहर से लेकर देहात तक के कैमरों की जांच हो रही है। सर्विलांस सेल मोबाइल टॉवर और संदिग्ध नंबरों को ट्रेस कर रही है।जैसे ही बदमाश भागे, कॉलोनी के लोग घरों से बाहर निकल आए। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शाम तक बड़ा खुलासा हुआ कि इस फायरिंग की जिम्मेदारी कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा ने ली है। रोहित गोदारा ने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि सनातन धर्म और पूजनीय संतों के खिलाफ बोलने वालों का यही अंजाम होगा। उसने चेतावनी दी'ये तो सिर्फ ट्रेलर है, पूरी पिक्चर बाकी है।' कुल मिलाकर मामला अब सनातन बनाम गैंगस्टर की लड़ाई में बदल गया है। इस केस में पुलिस के सामने कुछ चैलेंज भी हैं, मसलन दोनों बार बदमाशों ने हमले के लिए सुबह का वक्त चुना। ये वो वक्त होता है, जब सूरज पूरी तरह से निकला नहीं होता है। ऐसे में अंधेरे में बदमाशों की पहचान करने के लिए पुलिस ने 300 सीसीटीवी चेक किए। मगर कहीं पर भी बदमाशों का चेहरा स्पष्ट नहीं है। कपड़ों का रंग भी ठीक से दिखाई नहीं पड़ रहा है। बदमाशों ने हमले से पहले होमवर्क पूरा किया था। उनका टारगेट किसी को मारना नहीं था, बल्कि दहशत फैलाना था। साथ ही, उन्हें पुलिस की चेकिंग पॉइंट का भी अंदाजा था। दिल्ली-बरेली हाईवे से झुमका चौराहा होते हुए बदमाश शहर के अंदर दाखिल हुए थे। मगर उन्होंने भागने के लिए वही रूट नहीं चुना है। गोली चलाने के बाद वह सिटी स्टेशन रोड होते हुए, किला पुल पर चढ़कर मिनी बाईपास तिराहा क्रॉस करके विलयधाम तक पहुंचे हैं। इन स्पॉट पर सीसीटीवी में बदमाश दिख रहे हैं। इसके बाद वो दोनों बदमाश बाइक से नैनीताल हाईवे पर पहुंचे। इसके बाद वह नहीं दिखे हैं। इसलिए पुलिस 11 और 12 सितंबर को हुए हमलों में 72 घंटे पहले और उतने ही समय बाद तक की फुटेज चेक कर रही है। ताकि और मूवमेंट पकड़े जा सके।फायरिंग करने वाले बदमाशों को पकड़ने के लिए एसएसपी अनुराग आर्य ने 6 टीमों का गठन किया है। इसमें साइबर सेल, सर्विलांस सेल और एसओजी शामिल हैं। एसपी सिटी मानुष पारीक के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई है, वहीं एसपी ट्रैफिक मुहम्मद अकमल की अगुआई में एक स्पेशल टीम लगाई गई है। इसके अलावा एसटीएफ से एएसपी अब्दुल कादिर के नेतृत्व में भी एक टीम इस केस पर काम कर रही है। पाटनी परिवार की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे घर के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई है। एक स्पेशल टीम एसपी ट्रैफिक के नेतृत्व में शहर के सीसीटीवी कैमरों और आई-ट्रिपल-सी कंट्रोल रूम की फुटेज खंगाल रही है। साइबर सेल को सोशल मीडिया अकाउंट्स पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी गई है। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा- गैंगस्टर गोल्डी बरार ने इस वारदात की जिम्मेदारी ली है। उसकी फेसबुक पर एक पोस्ट वायरल हुई थी, जो फॉरवर्ड होकर पुलिस तक पहुंची। जब अकाउंट ट्रेस किया गया तो वह डिलीट मिला। अब यह जांच की जा रही है कि वह पोस्ट असली थी या फर्जी और किस अकाउंट से डाली गई थी। इस पर भी साइबर सेल काम कर रही है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।